RNI No.: MPHIN/2022/82783

हमारा देश हमारा अभिमान

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए
वर्ष 04, अंक 2 , मासिक पत्रिका
10 फरवरी 2025

।। हर हर महादेव ।।

ISO 9001:2015 CERTIFIED

स्टार्टअप इंडिया भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य देश में स्टार्टअप्स और नये विचारों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है जिससे देश का आर्थिक विकास हो एवं बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न हों।

Top 102 Unicorn Startups In India

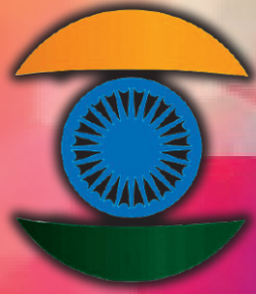

STARTUP INDIA
STAND UP INDIA

MAKE IN INDIA

उभरती प्रौद्योगिकियां और भारतीय स्टार्टअप का भविष्य

आज की तेज़ रफ़्तार दुनिया में स्टार्टअप की सफलता में तकनीक एक महत्वपूर्ण कारक है। यह उद्योगों में विकास, नवाचार और व्यवधान के लिए उत्प्रेरक का काम करता है। स्टार्टअप अभिनव विचारों और जटिल समस्याओं को हल करने की दृष्टि से पैदा होते हैं, लेकिन तकनीक का लाभ उठाए बिना, ये विचार अप्रयुक्त क्षमता बने रह सकते हैं। तकनीक स्टार्टअप को अपने विचारों को ऐसे स्केलेबल समाधानों में बदलने में सक्षम बनाती है जो वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं, जिससे उन्हें संचालन को सुव्यवस्थित करके, उत्पादकता बढ़ाकर और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाकर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है।

भारत, अपने प्रचुर प्रतिभा पूल और संपन्न स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के साथ, विकसित हो रहे प्रौद्योगिकी परिदृश्य का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। कई रुझान और विकास भारतीय स्टार्टअप में प्रौद्योगिकी विकास के भविष्य को आकार देने की संभावना रखते हैं। सबसे पहले, भारतीय स्टार्टअप में ब्लॉकचेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) और संवर्धित वास्तविकता (AR) जैसी उभरती हुई तकनीकों को अपनाने में उछाल आएगा। इन तकनीकों में वित्त, स्वास्थ्य सेवा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में क्रांति लाने की क्षमता है। इन तकनीकों को अपनाने से स्टार्टअप अपनी पेशकशों को बढ़ाने, दक्षता में सुधार करने और नए व्यवसाय मॉडल बनाने में सक्षम होंगे।

दूसरा, स्थिरता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर अधिक ध्यान दिया जाएगा, जिससे स्टार्टअप वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने वाले प्रौद्योगिकी समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित होंगे। स्वच्छ ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाएँ प्रौद्योगिकी विकास के लिए प्रमुख क्षेत्र बन जाएँगी। जो स्टार्टअप टिकाऊ समाधान विकसित कर सकते हैं, वे न केवल हरित भविष्य में योगदान देंगे, बल्कि निवेशकों को भी आकर्षित करेंगे और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल करेंगे।

स्टार्टअप में प्रौद्योगिकी विकास के विकास में सहयोग और भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्थापित प्रौद्योगिकी कंपनियों, शोध संस्थानों और सरकारी निकायों के साथ साझेदारी करके, स्टार्टअप तालमेल का लाभ उठा सकते हैं। ये सहयोग स्टार्टअप को विशेषज्ञता, फंडिंग और बाजार पहुंच तक पहुंच प्रदान करते हैं, जिससे उनकी वृद्धि और तकनीकी प्रगति में तेजी आती है। एसटीपीआई (सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया) स्टार्टअप के लिए प्रौद्योगिकी विकास के महत्वपूर्ण महत्व को समझता है और भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम का समर्थन करने में सबसे आगे रहा है। एसटीपीआई ने भारत में प्रौद्योगिकी उन्नति को सुविधाजनक बनाने और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं जैसे कि एसटीपीआई सीओई (उत्कृष्टता केंद्र) जो स्टार्टअप को अपने अभिनव विचारों को विकसित करने, अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे तक पहुंच बनाने और उद्योग विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। इसके अलावा, एसटीपीआई इनक्यूबेशन केंद्रों ने स्टार्टअप को अपने विचारों को सफल उद्यमों में बदलने के लिए आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करके प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

स्टार्टअप के लिए प्रौद्योगिकी विकास सर्वोपरि है क्योंकि यह उनकी नवोन्मेषी क्षमता को उजागर करता है, परिचालन दक्षता में सुधार करता है और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करता है। भारतीय स्टार्टअप को उभरती हुई प्रौद्योगिकियों को अपनाने, स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने और खेल में आगे रहने के लिए रणनीतिक साझेदारी बनाने की आवश्यकता है। नवाचार, प्रौद्योगिकी और सहयोग के सही संयोजन के साथ, भारतीय स्टार्टअप में प्रौद्योगिकी विकास का भविष्य उज्ज्वल, आशाजनक और अवसरों से भरा है।

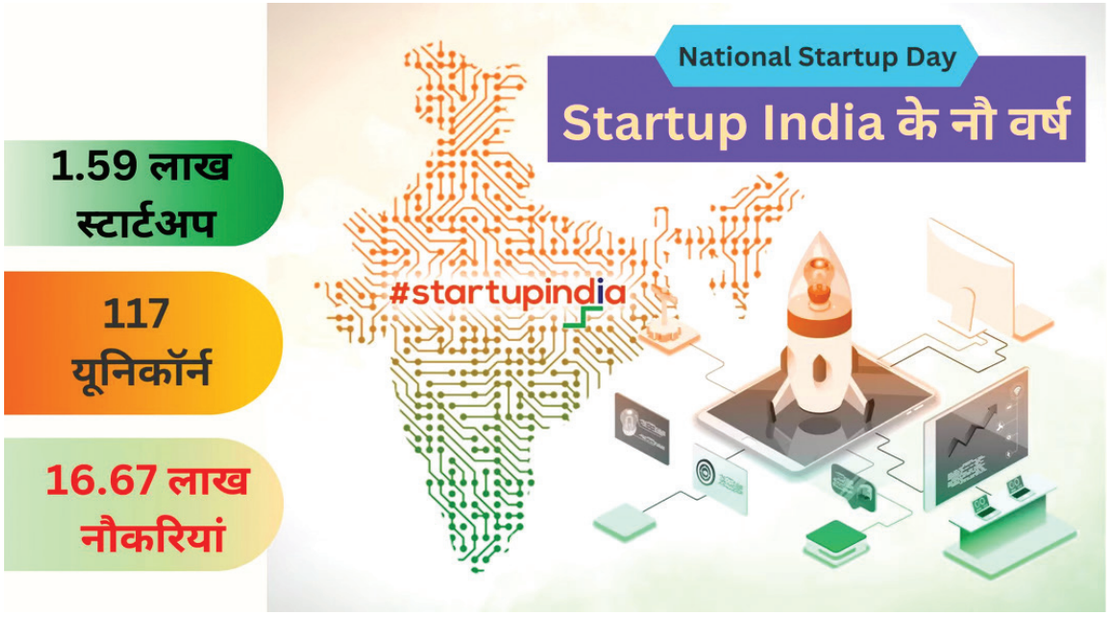

स्टार्टअप में उछालः भारत के विकास को बढ़ावा

भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 140,000 से ज़्यादा पंजीकृत स्टार्टअप हैं और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। इस वृद्धि को शीर्ष-स्तरीय उच्च शिक्षा संस्थानों, सरकारी पूंजीगत व्यय और व्यापक इंटरनेट पैठ द्वारा समर्थित किया गया है। हालाँकि, इस गति को बनाए रखने और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए, शिक्षा, उद्यमिता और रोजगार को अधिक प्रभावी ढंग से एकीकृत करने की आवश्यकता है।

विकास की संभावना बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर जब भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम की तुलना अमेरिका और ब्रिटेन से की जाए । यदि 5% भारतीय स्नातक वैश्विक रुझानों से मेल खाते हुए उद्यमिता का विकल्प चुनते हैं , तो इससे सालाना 50,000 नए स्टार्टअप बन सकते हैं , जिससे संभावित रूप से लाखों नौकरियां पैदा हो सकती हैं। इसे हासिल करने के लिए, भारत को अपने उच्च शिक्षा मेट्रिक्स पर फिर से विचार करने की जरूरत है, जिसमें पारंपरिक प्लेसमेंट दरों के साथ-साथ उद्यमिता पर भी जोर दिया जाना चाहिए। शिक्षा, उद्यमिता और रोजगार को एकीकृत करने वाले एक रेखीय दृष्टिकोण से एक सहक्रियात्मक प्रतिमान में संक्रमण करके, भारत अपने अमृत काल के दौरान घातीय आर्थिक विकास का लक्ष्य रख सकता है।

भारत के स्टार्टअप क्षेत्र की वर्तमान स्थिति क्या है?

पारिस्थितिकी तंत्र का आकार और विकासः भारत एक मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का दावा करता है, जो उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के तहत 1.4 लाख से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप के साथ विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है ।

इस गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र की विशेषता इसकी तीव्र वृद्धि है, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में प्रतिदिन अधिक स्टार्टअप्स को जोड़ रही है।

इसके अलावा, पिछले सात-आठ वर्षों में हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न का उभरना भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य में अपार संभावनाओं और उद्यमशीलता की भावना को उजागर करता है।

रोजगार सृजन : भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र रोजगार सृजन का एक महत्वपूर्ण चालक रहा है, डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप 15.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं।

अकेले 2023 में, इन स्टार्टअप्स ने 3.9 लाख नौकरियों का सृजन किया, जो कि पिछले साल की तुलना में 46.6% की उल्लेखनीय वृद्धि और पिछले पांच वर्षों की तुलना में 217.3% की पर्याप्त वृद्धि को दर्शाता है।

यह प्रवृत्ति रोजगार के अवसर प्रदान करने और देश के आर्थिक विकास में योगदान देने में स्टार्टअप्स की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।

आर्थिक योगदान : स्टार्टअप्स का प्रभाव रोजगार सृजन से कहीं आगे तक फैला हुआ है, क्योंकि उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

वित्त वर्ष 23 में, स्टार्टअप और उनके कॉर्पोरेट समकक्षों ने 140 बिलियन अमरीकी डॉलर का महत्वपूर्ण निवेश किया, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4% है। यह पर्याप्त योगदान आर्थिक विकास और नवाचार के प्रमुख चालकों के रूप में स्टार्टअप की भूमिका को उजागर करता है।

भारत का स्टार्टअप सेक्टर कैसे फल-फूल रहा है?

डिजिटल अवसंरचना क्रांति : डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के नेतृत्व में डिजिटल प्रौद्योगिकियों को व्यापक रूप से अपनाए जाने से स्टार्टअप्स के लिए उपजाऊ जमीन तैयार हो गई है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) एक गेम-चेंजर रहा है, जिसके तहत अगस्त 2024 तक लेनदेन का मूल्य 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा।

इस डिजिटल ढांचे के साथ-साथ दुनिया में सबसे कम डेटा लागत (2023 में औसतन 6.7 रुपए प्रति जीबी) ने स्टार्टअप्स को कुशलतापूर्वक विशाल ग्राहक आधार तक पहुंचने में सक्षम बनाया है।

सहायक सरकारी नीतियाँ स्टार्टअप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से भारत सरकार का सक्रिय रुख महत्वपूर्ण रहा है।

30 जून 2024 तक , उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने कर लाभ और आसान अनुपालन मानदंडों के साथ 1,40,803 संस्थाओं को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी है।

31 दिसंबर 2022 तक, स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स स्कीम (एफएफएस) के तहत 99 वैकल्पिक निवेश फंड्स (एआईएफ) को 7,980 करोड़ रुपये दिए गए हैं ।

बढ़ता प्रतिभा पूलः भारत की जनसांख्यिकी लाभांश, जिसकी 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम है, स्टार्टअप्स के लिए एक विशाल प्रतिभा पूल प्रदान करती है।देश में प्रतिवर्ष 1.5 मिलियन से अधिक इंजीनियरिंग स्नातक तैयार होते हैं, तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर उनका ध्यान बढ़ता जा रहा है।

हमारा देश
हमारा अभिमान

10 फरवरी 2025

सुविचार

एक समय में एक काम करो , और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमे डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ . - ...

विवरणिका

संपादकीय	04-05
दिल्ली इलेक्शन	06-07
ग्वालियर	08-11
मध्य प्रदेश	12-28
फैशन	29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
रोजगार	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
बॉलिवुड	47
फैशन	48-49
रैसिपी	50
लघु उद्योग	51

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन
- श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री राजेश कुमार त्रिपाठी
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांस
- श्री के. कान्याल
- श्री मधु सुदन
- श्री अभिनव पल्लव

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

विशेष संवाददाता
- रवि परिहार

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा , नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ.दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायण गुप्ता
- श्री पीयुष श्रीवास्तव
- श्री पंडित चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री वृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजोरिया, हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजोरिया हेमाटोजिस्ट और बोन नेरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
- श्री विजय शर्मा
- श्री डॉ. कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- श्री दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजित परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री रागिनी चतुर्वेदी
- श्री प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर चतुर्वेदी
- श्री प्रवेश चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह
- श्री प्रदीप भदौरिया
- श्री डॉ दिव्य दर्शन शर्मा
- श्री कुंज भिहारी शर्मा
- श्री अतेन्द्र सिंह रावत

रुचि चतुर्वेदी, सोनीष वशिष्ठ, कमल वर्मा, अनिल शर्मा, मंगला चतुर्वेदी , अजय चतुर्वेदी, संजू मिश्रा ,चंचल शर्मा

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील
- हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

ट्रेडिशनल वेयर के लिए इन लेटेस्ट और नई स्टाईल को कर सकती हैं ट्राय, पाएं सबसे हटकर लुक

पढ़ें पेज-48

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

डॉ. श्रीमन
नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

दिल्ली में भाजपा की जीत पर मप्र भाजपा में जश्न का माहौल

> कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी, काट की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती, ये मोदी जी के आभामंडल और कार्यकर्ताओं की जीत है, कांग्रेस डबल अंडे के साथ दिल्ली में उपस्थित है, ये हालात पूरे देश में होंगे, दिल्ली की जनता को बधाई।
>
> **नरोत्तम मिश्रा**
> पूर्व गृह मंत्री

> आप, बाप या कांग्रेस पार्टी को सोचने की जरूरत है कि देश की जनता इन सबकी असलियत जान चुकी है। इनके फैलाए कीचड़ में कमल खिल रहा है। इस बात का आनंद है।
>
> **डॉ. मोहन यादव**
> मुख्यमंत्री, मप्र

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर मध्यप्रदेश में भी जश्न मना। भोपाल स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई और बधाई दी। कार्यकर्ता ढोल की थाप पर थिरकते नजर आए।

इंदौर में सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाई। उन्होंने कहा कि 'आप-दा और कांग्रेस की असलियत को जनता जान गई है। आज उनके फैलाए कीचड़ में भी कमल खिला है। आप-दा से मुक्त हुआ दिल्ली'

कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा गुमान न करें। देखने वाली बात यह है कि जो वादे भाजपा ने किए है, जो सपने जनता को दिखाए हैं, वो कितना सच कर पाती है।

आप, बाप या कांग्रेस पार्टी को सोचने की जरूरतः सीएम

दिल्ली में भाजपा की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भाजपा के साथ ही पीएम मोदी का जनता के साथ जुड़ाव, बीजेपी कार्यकर्ताओं की मेहनत और देश का बदलता हुआ मिजाज सब एक दिशा में जा रहे हैं। टुकड़े-टुकड़े गैंग अपनी ओछी मानसिकता से देश और प्रदेश को वर्षों से गुमराह करती आई है। ऐसे सारे तत्वों की लगातार हार हो रही है।

सीएम ने इंदौर में कहा कि बीजेपी लगातार हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद के चुनाव भी केंद्र की तरह ही जीत रही है। एक विखंडतावाद फैलाया था, सबको गुमराह करने के लिए। यह सबक है सबको, कि वह अपने अंदर झांक कर देखें।

दिल्ली को आपदा की स्थिति में ले जाने वाले खुद आपदा में चले गए

दिल्ली चुनाव में कई बड़े नेताओं की हार पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- उन्हें तो हराया ही जाना था,

क्योंकि यही लोग दिल्ली को आपदा की स्थिति में लेकर गए थे, और अब वे खुद आपदा में चले गए हैं। कांग्रेस लगातार गिरावट की ओर बढ़ रही है। दिल्ली चुनाव में मध्यप्रदेश के नेताओं की भूमिका पर बोलते हुए वीडी शर्मा ने कहा कि हम भाजपा के कार्यकर्ता हैं और जहां भी हमें जिम्मेदारी दी जाती है, उसे पूरी शिद्दत के साथ निभाते हैं।

एमआईटीएस डीम्ड यूनिवर्सिटी में जूनियर को सीनियर ने क्लास से निकालकर पीटा

ग्वालियर गोला का मंदिर थाने में दो आरोपियों पर एफआईआर दर्ज, जांच में जुटी पुलिस माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एमआईटीएस) डीम्ड यूनिवर्सिटी में जूनियर और सीनियर के बीच जमकर विवाद हुआ। सीनियर स्टूडेंट्स ने क्लासरूम में घुसकर जूनियर को पहले जबरन बाहर ले गए। इसके बाद उसे तब तक मारा जब तक वह लहूलुहान नहीं हो गया। घटना गुरुवार की है, लेकिन गोला का मंदिर थाना पुलिस ने देर रात इस मामले में एफआईआर दर्ज की। गोला का मंदिर स्थित प्रगति विहार कॉलोनी निवासी सौरभ सिंह तोमर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि उदयराज शर्मा और दीपक गुर्जर उसकी ही यूनिवर्सिटी में थर्ड ईयर के छात्र हैं। जो आए दिन उसे परेशान करते थे। चूंकि सीनियर छात्रों के साथ वह किसी भी प्रकार का झगड़ा नहीं करना चाहता था इसलिए वह चुपचाप बीटेक प्रथम वर्ष की क्लास में पढ़ रहा था।

इस दौरान शाम करीब 4.30 बजे सीनियर छात्र उदयभान उनकी क्लास में घुस आया। उसने धमकी दी कि बिना किसी को बताए चुपचाप मेरे पीछे-पीछे चलता हुआ आना। यदि ऐसा नहीं किया तो क्लासरूम में ही तुम्हारी फिल्म बना दूंगा।

सीनियर की बात पर विश्वास करना पड़ा भारी

फरियादी छात्र सौरभ सिंह तोमर ने बताया कि वह सीनियर की बात पर विश्वास करते हुए उनके पीछे-पीछे आ गया। उसे जरा भी अंदाजा नहीं था कि सीनियर छात्र उसके साथ मारपीट करना चाहते हैं। जैसे ही वह बाहर आया तो थर्ड ईयर का छात्र दीपक गुर्जर भी खड़ा था। मुझे देखने के साथ ही दीपक ने गालीगलौज शुरू कर दी। जब गाली देने से मना किया गया तो दीपक गुर्जर और उदयराज ने लात घूसों से मारपीट की।

रैगिंग से बचाव का विकल्प तलाशाः जूनियर और सीनियर के बीच रैगिंग के मामले निरंतर बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन अब इसका तोड़ भी सीनियर ने निकाल लिया है। वह खासतौर पर जूनियर को कैंपस के बाहर मारपीट करते हैं। इस घटनाक्रम में ऐसा ही सीनियर ने किया। जिससे जूनियर को कैंपस के बाहर मारपीट करने से उनके ऊपर रैगिंग का मामला दर्ज न हो।

छात्र के गंभीर चोट, मेडिकल कराने के बाद केस दर्ज किया

जूनियर-सीनियर में हुआ विवाद, मेडिकल के बाद रिपोर्ट दर्ज एमआईटीएस डीम्ड यूनिवर्सिटी में छात्रों के आपसी विवाद का मामला सामने आया है। कुछ सीनियर ने जूनियर के साथ मारपीट की है। जूनियर के गंभीर चोट आई हैं, जिसका मेडिकल जिला अस्पताल मुरार में मेडिकल कराने के बाद केस दर्ज कर लिया है।

-हरेंद्र शर्मा, टीआई गोला का मंदिर

दिल्ली विधानसभा चुनाव : भाजपा ने 26 साल बाद स्पष्ट बहुमत किया हासिल

दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के रिजल्ट शनिवार को आए। भाजपा ने 26 साल बाद स्पष्ट बहुमत हासिल किया। भाजपा ने 48 और आम आदमी पार्टी (AAP) ने 22 सीटें जीतीं।

भाजपा+ को AAP से 3.6% ज्यादा वोट मिले। इससे 26 सीटें ज्यादा मिलीं। पिछली चुनाव में 8 सीटें थीं। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली।

भाजपा ने 1993 में 49 सीटें यानी दो तिहाई बहुमत हासिल किया था। 5 साल की सरकार में मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज सीएम बनाए गए थे। 1998 के बाद कांग्रेस ने 15 साल राज किया। इसके बाद 2013 से आम आदमी पार्टी की सरकार थी।

इस बार भाजपा की 71% स्ट्राइक रेट के साथ 40 सीटें बढ़ीं। पार्टी ने 68 पर चुनाव लड़ा, 48 सीटें जीतीं। वहीं, AAP को 40 सीटों का नुकसान हुआ। आप का स्ट्राइक रेट 31% रहा।

भाजपा ने पिछले चुनाव (2020) के मुकाबले वोट शेयर में 9% से ज्यादा का इजाफा किया। वहीं, AAP को करीब 10% का नुकसान हुआ है। कांग्रेस को भले ही एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन वोट शेयर 2% बढ़ाने में कामयाब रही।

राहुल गांधी की कांग्रेस दिल्ली में जीरो थीं, जीरो ही रही। लेकिन आम आदमी पार्टी को जरूर हरवा दिया। 14 सीटों पर आम आदमी पार्टी की हार का अंतर, कांग्रेस को मिले वोटों से कम है। यानी अगर AAP और कांग्रेस का गठबंधन होता, तो दिल्ली में गठबंधन की सीटें 37 हो जातीं और BJP 34 सीटों पर सिमट सकती थी। बहुमत के लिए 36 सीटें चाहिए।

आम आदमी पार्टी से हारने वालों में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज, सोमनाथ भारती और दुर्गेश पाठक जैसे टॉप लीडर्स हैं।

दिल्ली में परंपरागत तौर पर BJP और कांग्रेस एक-दूसरे को टक्कर देते रहे हैं। यहां कांग्रेस को एंटी-BJP वोट मिलता रहा, लेकिन 2013 में AAP की एंट्री हुई और कांग्रेस के एंटी-BJP वोट पर कब्जा कर लिया।

2013 में AAP को 30% वोट मिले, जो 2020 में बढ़कर 54% हो गए। वहीं 2013 में कांग्रेस को 25% वोट मिले थे, जो 2020 में घटकर 4% हो गए। जबकि बीजेपी के अपने करीब 35% वोट बरकरार हैं। यानी ये माना जा सकता है कि कांग्रेस और AAP के वोटर कमोबेश एक जैसे हैं।

पॉलिटिकल एनालिस्ट प्रोफेसर संजय कुमार कहते हैं कि अगर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक साथ लड़ते तो आज आंकड़े अलग हो सकते थे। आप को जो नुकसान हुआ है, वह कांग्रेस की ही देन है।

केजरीवाल और राहुल ने किस होशियारी में दिल्ली चुनाव में गठबंधन नहीं किया?

लोकसभा चुनाव के बाद AAP नेता गोपाल राय और कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा था कि गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था, दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेंगे। वरिष्ठ पत्रकार रशीद किदवई के

मुताबिक, कांग्रेस 5 से 10 सीटें चाहती थी, लेकिन 1 दिसंबर 2024 को केजरीवाल ने साफ कर दिया कि वह कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेंगे।

इस समय कांग्रेस दिल्ली में आप के कुशासन के खिलाफ पदयात्रा निकाल रही थी। कांग्रेस नेता अजय माकन ने केजरीवाल को 'देशद्रोही और फर्जी' कह चुके थे। आप सरकार के कथित शराब घोटाले के विरोध में कांग्रेस की रैलियों में नारे लिखे हुए शराबनुमा गुब्बारे उड़ाए जा रहे थे।

सीनियर जर्नलिस्ट दलबीर गोठी कहते हैं, 'अखिलेश यादव, ममता बनर्जी जैसे नेताओं ने केजरीवाल को समर्थन दे दिया तो कांग्रेस अकेले पड़ गई। अजय माकन ने कहा था कि वह केजरीवाल की पोल खोलने के लिए प्रेस चुनाव करेंगे, लेकिन ऐलान के बाद भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई। उनका प्रचार ठंडा पड़ गया था।'

रशीद किदवई कहते हैं कि केजरीवाल के इनकार के बाद कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। इसके बाद कांग्रेस ने भी अलग चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। और दोनों तरफ से आक्रामक बयानबाजी शुरू हो गई।

पॉलिटिकल एक्सपर्ट संजय कुमार कहते हैं, 'कांग्रेस को लग रहा था कि हरियाणा चुनाव में उसकी हार की वजह आप के साथ गठबंधन न करना था। केजरीवाल के गठबंधन से इनकार करने के बाद कांग्रेस के पास दिल्ली में अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती थी, पार्टी के पास दिल्ली में सिर्फ 4% वोट शेयर था, कई नेता पार्टी छोड़ने को तैयार थे। ऐसे में उसके पास चुनाव लड़ने का ही विकल्प बचा।'

जब राहुल ने केजरीवाल के खिलाफ बयान दिए तो केजरीवाल ने पलटवार में कहा, 'आज राहुल गांधी ने मुझे खूब गालियां दीं, लेकिन मैं उनके बयानों पर टिप्पणी नहीं करूंगा। उनकी लड़ाई कांग्रेस को बचाने की है, मेरी लड़ाई देश को बचाने की है।'

1. राहुल बोले- केजरीवाल और मोदी एक ही सिक्के के दो पहलू

जब केजरीवाल ने गठबंधन न करने का ऐलान किया, उस वक्त कांग्रेस दिल्ली में AAP के कुशासन के खिलाफ पदयात्रा निकाल रही थी। कांग्रेस नेता अजय माकन केजरीवाल को 'देशद्रोही और फर्जी' कह चुके थे। केजरीवाल सरकार के कथित शराब घोटाले के विरोध में कांग्रेस शराबनुमा गुब्बारे उड़ा रही थी। 23 जनवरी को कांग्रेस प्रवक्ता शिव खेड़ा ने कहा, 'आम आदमी पार्टी 'एल्कोहल एफेक्टेड पार्टी' है। AAP साफ राजनीति का वादा करके सत्ता में आई थी। अब ये लोग बेनकाब हो गए हैं।'

राहुल गांधी ने केजरीवाल पर सीधा हमला करते हुए कहा, 'केजरीवाल और मोदी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।' AAP की नेता और दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा, 'अब कांग्रेस की दिल्ली में मौजूदगी नहीं बची है। लोगों में मानसिकता है कि उसे वोट देना वोट की बर्बादी है।'

दिल्ली के सीनियर जर्नलिस्ट सुशील कुमार सिंह कहते हैं, 'एक रैली में राहुल गांधी ने कहा कि हमेशा लड़ाई बीजेपी और कांग्रेस के बीच रहती थी, ये आम आदमी पार्टी बीच में कैसे आ गई। इस बार चुनाव में अजय माकन ने साफ तौर पर कहा कि हमारा पहला टारगेट आप है।'

2. कांग्रेस ने केजरीवाल पर करप्शन के आरोप को मुद्दा बनाया

नई दिल्ली से कांग्रेस के उम्मीदवार संदीप दीक्षित और अजय माकन ने AAP पर कोविड के दौरान मेडिकल इक्विपमेंट की खरीद में घोटाले का आरोप लगाया। माकन ने कहा, 'कैग की 14 रिपोर्ट्स में केजरीवाल के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। यही वजह है कि उन्होंने विधानसभा में कैग की रिपोर्ट नहीं पेश होने दी।'

दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा, 'बीजेपी भ्रष्ट नेताओं को भाजपा की वॉशिंग मशीन में डालती है, जबकि केजरीवाल ने खुद को वॉशिंग मशीन में डाल लिया है। दिल्ली ने उनके भ्रष्टाचार को देखा है, वो उनके झूठ में नहीं फंसेंगे।'सुशील कुमार सिंह कहते हैं, ' जब केजरीवाल के करप्शन को बीजेपी ने मुद्दा बनाया तो कांग्रेस ने इसमें मदद की। इसे ऐसे समझिए कि सिर्फ दिल्ली नहीं, बंगाल या केरल जैसे राज्यों की सरकार और वहां के राज्यपालों के बीच जब भी तनातनी बढ़ी और बीजेपी पर ज्यादती के आरोप लगे, तो कांग्रेस ने उन सरकारों का साथ नहीं दिया, बल्कि कांग्रेस खुद को मजबूत करने के लिए बीजेपी के साथ खड़ी दिखी।'

3. कांग्रेस ने 6 सीटों पर आप के कद्दावर नेताओं के खिलाफ मजबूत कैंडिडेट उतारे

नई दिल्ली विधानसभा सीट से केजरीवाल के मुकाबले कांग्रेस ने शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को टिकट दिया।

कालकाजी सीट पर सीएम आतिशी के खिलाफ महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने चुनाव लड़ा।

वजीरपुर में AAP के राजेश गुप्ता के सामने कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक को टिकट मिला।

सीलमपुर में जब आप के सिटिंग MLA अब्दुल रहमान का टिकट काटकर आप ने चौधरी जुबैर को प्रत्याशी बनाया तो कांग्रेस ने AAP छोड़कर आए रहमान को उम्मीदवार बना दिया।

चांदनी चौक सीट पर AAP के प्रह्लाद सिंह के मुकाबले कांग्रेस के कद्दावर नेता जय प्रकाश अग्रवाल के बेटे मुदित अग्रवाल चुनाव में उतारे।

द्वारका सीट पर AAP के विनय मिश्रा के खिलाफ कांग्रेस ने लाल बहादुर शास्त्री के परिवार से जुड़े आदर्श शास्त्री को उम्मीदवार बनाया।

4. आप के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी का माहौल बनाया

दिल्ली चुनाव में राहुल ने खुलकर केजरीवाल का विरोध किया। उन्होंने पीने के पानी, बिजली, कूड़े और राशन कार्ड जैसे मुद्दों पर केजरीवाल पर सीधा निशाना साधा।

संदीप दीक्षित ने कहा, 'AAP ने अपनी नाकामियों को केंद्र सरकार और एलजी पर थोपा। इससे जनता निराश है। केजरीवाल ने शीला दीक्षित के कामों को अपनी उपलब्धि बताया। लोग कह रहे हैं कि हमें हमारी पुरानी दिल्ली लौटा दो।'

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि सरकार के खिलाफ माहौल बनाने के लिए बीजेपी और कांग्रेस ने मिलकर केजरीवाल को घेरा। इसमें ब्यूरोक्रेसी का भी रोल रहा। केजरीवाल का आरोप था कि एलजी काम नहीं करने दे रहे। यह कहकर उन्होंने अपनी नाकामियां छिपाने की भी कोशिश की। इन नाकामियों को कांग्रेस और बीजेपी दोनों, काफी हद तक जनता के सामने लाने में सफल हुईं।

दिलबर गोठी कहते हैं, 'कांग्रेस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर AAP को इसलिए ज्यादा डेंट नहीं पहुंचा, पाई क्योंकि कुछ ही महीने पहले शराब घोटाले के मुद्दे पर वह AAP के साथ खड़े नजर आ रहे थे। अचानक यूटर्न लेकर AAP के फेवर में आने पर लोगों ने उन्हें सीरियसली नहीं लिया।'

5. कांग्रेस ने अपना पारंपरिक मुस्लिम-दलित वोट टारगेट किया

दिल्ली में दलित और मुस्लिम कांग्रेस के पारंपरिक वोटर रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस की एक खबर के मुताबिक, दिल्ली में 1.55 करोड़ वोटर्स में से करीब 13% यानी करीब 20 लाख मुस्लिम वोटर्स और करीब 16.5% यानी 25 लाख दलित वोटर्स हैं। 2020 में कांग्रेस को सिर्फ 13% मुस्लिम वोट मिले थे, वहीं आप को दिल्ली में 83% मुस्लिम वोट मिले। इस बार कांग्रेस ने मुस्लिम वोट बैंक पर फोकस किया।

नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली की सीलमपुर सीट पर 57% वोटर मुस्लिम थे। इसी तरह मटियामहल सीट पर 60%, बल्लीमारान में 50%, ओखला में 52% और चांदनी चौक में 30% मुस्लिम वोटर थे। राहुल गांधी ने दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान 2020 के दिल्ली दंगों में प्रभावित मुस्लिम इलाकों का दौरा किया। प्रियंका गांधी संसद में फिलिस्तीन के समर्थन वाला बैग लेकर पहुंची।

ग्वालियर में कोचिंग में बदमाशों ने मचाया उत्पात: छात्र-छात्राओं को डंडो से पीटा

ग्वालियर में बहोड़ापुर क्षेत्र में स्थित एक कोचिंग में कार से आए बदमाशों ने छात्र-छात्राओं पर हमला कर दिया। हमलावरों ने स्टूडेंट्स को हॉकी, बेसबॉल बैट और डंडों से पीटा है। घबराई छात्राएं हमलावरों से बचने इधर-उधर भागती दिखाई दे रही हैं। यह घटना शुक्रवार, 7 फरवरी की है, पुलिस ने भी इसे 24 घंटे से छिपाकर रखा, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की नींद खुली है।

घटना 7 फरवरी सुबह 9.27 बजे बहोड़ापुर की है। दिनदहाड़े हुए इस हमले की जानकारी पूरे इलाके में थी, लेकिन पुलिस को पता नहीं चली। पुलिस वीडियो आने से पहले तक घटना को नकारती रही, लेकिन जब सोशल मीडिया पर मारपीट का VIDEO वायरल हुए तो पुलिस की नींद खुली है और जांच की बात कह रही है।

अब पुलिस आरोपियों की पहचान कर रही

बहोड़ापुर थाना प्रभारी जीतेंद्र तोमर ने बताया कि हमलावर पुरानी छावनी के हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। घटना के वीडियो सामने आए हैं, उससे भी आरोपियों की पहचान की जा रही है। वीडियो से जान पड़ रहा है कि हमलावरों ने लड़कियों को भी नहीं छोड़ा है। कोचिंग के अंदर घुसे हमलावरों ने तोड़फोड़ मचाई है। डर के चलते छात्राएं इधर-उधर छुपती नजर आ रही हैं। किसी ने कोचिंग सेंटर से पुलिस को सूचना दी, लेकिन जब तक पुलिस पहुंची हमलावर वहां से भाग चुके थे। पुलिस ने इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की।

कार में आए बदमाश, जो मिला उसे पीटा

इस घटना के 3 सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। इसमें कार सवार बदमाश अपने साथ डंडे लेकर आए थे। उन्होंने आते ही छात्र-छात्राओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। शहर में बढ़ती गुंडागर्दी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में पुलिस नाकाम नजर आ रही है।

सुसाइड करने वाले बिल्डर के मैसेज ने खोले कई राज

ग्वालियर में दो दिन पहले बिल्डर के खुदकुशी कांड में अब उसके वॉट्सऐप पर पुलिस को सुसाइड नोट के तौर पर कुछ मैसेज मिले हैं। इन मैसेज में उसने अपना दर्द लिखा है। मैसेज में बिल्डर लिखता है कि "खुद को जिंदा रखने की बहुत कोशिश कर रहा था, लेकिन कुछ लोग मुझे और मेरे बच्चों को जान से खत्म करने की धमकी दे रहे हैं। अब यह पीड़ा असहनीय हो रही है।' यह मैसेज बिल्डर ने किसी को किए हैं, जिनका नाम नहीं लिखा है। पुलिस के पास यह मैसेज पहुंचे हैं और इन मैसेज में कई लोगों के नामों का खुलासा हुआ है।

ये शादी नहीं हो सकती... अचानक स्टेज पर पहुंची दूल्हे की पहली पत्नी और कर दिया हंगामा

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक शादी के दौरान उस वक्त हंगामा हो गया, जब दूल्हे की पूर्व पत्नी अचानक स्टेज पर पहुंच गई। बता दें कि बारात के साथ घोड़ी पर सवार होकर दूल्हा शादी के लिए पहुंचा। लोग डीजे की धुन पर नाच रहे थे।

इसी दौरान एक युवती चिल्लाते-चिल्लाते स्टेज पर पहुंची और हंगामा कर दिया। इस दौरान वह जिद करने लगी कि उसका पति दूसरी शादी कर रहा है। युवती की इस हरकत को देखकर वहां पर मौजूद लोग हैरान हो गए। ये हंगामा घंटों तक चला। पूरा मामला नई सड़क स्थित सूजाबाद भवन रविवार रात चल रही शादी समारोह का है।

युवती ने जमकर किया हंगामा

बता दें कि युवती बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में शादी में पहुंची और स्टेज पर जाकर कहने लगी ये शादी नहीं हो सकती है। युवती के इतना कहने पर वहां पर मौजूद लोग हक्के-बक्के रह गए। शादी समारोह में अफरातफरी का माहौल बन गया।

मामला बढ़ता देख अंत में पुलिस को जानकारी दी गई। जब पुलिस ने युवती से पूछा तो उसने कहा कि ये शादी नहीं हो सकती है क्योंकि वह मेरा पति। वहीं, दूल्हे ने कहा कि उसका पहली पत्नी से तलाक हो चुका है। उसने इस संबंध में दस्तावेज भी दिखाए। तलाक के बाद दूसरी शादी कर रहा है। इसके बाद पुलिस ने युवती को समझाने की कोशिश की।

युवती ने किया तलाक से इनकार

इस मामले में युवती तलाक से इनकार करती रही। हंगामा कर रही युवती को जब पुलिस ने तलाक का कोर्ट का पेपर दिखाया तो उसने रोते हुए कहा कि इसकी सूचना उस नहीं दी गई थी। पुलिस के समझाने पर किसी तरीके से पूरा मामला शांत हुआ। कई घंटों तक चले इस हंगामे के बाद किसी तरीके से वैवाहिक कार्यक्रम शुरू हो सका।

शिवपुरी में भंडारे का बासी खाना खाने से 300 लोग बीमार, 90 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती

मध्य प्रदेश के शिवपुरी से एक बड़ी खबर सामने आई है। जिले के मामौनी कलां गांव में रविवार की रात भंडारे का बासी भोजन खाने से करीब 300 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। बताया जाता है कि खाना खाने के कुछ देर बाद लोगों को उल्टियां होने लगीं।

जैसे ही इतनी बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की खबर मिली, स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची और उपचार प्रारंभ किया। जानकारी के अनुसार लगभग 91 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर उनका उपचार चल रहा है।

भंडारे का खाना खाने से बीमार

गांव में इतनी बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि गांव में सामूहिक प्रयास से हनुमान मंदिर की स्थापना की गई है। शनिवार को प्राण प्रतिष्ठा और भंडारे का आयोजन था। इस आयोजन में भोजन अधिक मात्रा में बन गया था, जिस कारण लोगों ने उसको प्लास्टिक की पॉलीथीन से ढंक दिया।

रविवार को गांव वालों को फिर सपरिवार निमंत्रण दिया गया और उसी भोजन को परोसा गया। कई ग्रामीण बर्तनों में भरकर बासी भोजन घर भी ले गए और शाम को भी वही खाया।

9वीं क्लास की स्टूडेंट ने किले से कूदकर की खुदकुशी

ग्वालियर में 9वीं क्लास की एक स्टूडेंट ने किले से कूदकर खुदकुशी कर ली। घटना पड़ाव थाना क्षेत्र के सेवा नगर स्थित किले की तलहटी में गुरुवार शाम 6 से 7 बजे के बीच की है। छात्रा ने सुसाइड क्यों किया, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है। मौके से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। 2 घंटे से ज्यादा समय तक सर्चिंग कर शव बरामद किया। छात्रा के किले से कूदने की सूचना वहां घूम रहे लोगों ने पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंची।

पिता ने जताया हत्या का शक

स्टूडेंट की पहचान ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के आनंद नगर निवासी पुष्पा यादव (16) के रूप में हुई है। किले की तलहटी में गिरकर गंभीर रूप से घायल होने की वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। पिता रिंकू यादव ने बताया कि पुष्पा आनंद नगर में ही ग्रीन गार्डन स्कूल में 9वीं क्लास में पढ़ती थी। बेटा शहर से बाहर पढ़ता है।

उन्होंने बताया- पुष्पा शाम करीब 4:00 बजे घर से कोचिंग जाने के लिए स्कूटी लेकर निकली थी। इसके बाद करीब 4:30 बजे राज यादव का फोन आया। उसने बताया कि आपकी लड़की किले से सुसाइड करने वाली है, उसे बचा लो। मुझे पूरा यकीन है कि युवक राज यादव ने ही बेटी की हत्या की है।

केन्द्रीय विद्यालय अशोकनगर को भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटित

अशोक नगर : कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी द्वारा जारी आदेशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अशोकनगर द्वारा केन्द्रीय विद्यालय अशोकनगर भवन के लिये भूमि आवंटित की गई है। साथ ही तहसीलदार, तहसील अशोकनगर एवं प्रतिवेदन तथा जिला नजूल निर्वतन समिति की बैठक प्रस्ताव अनुसार,आवेदक प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय अशोकनगर द्वारा भूमि सर्वे के 344/1. (बंजर) रकवा 2.707 हे०, 342 शासकीय (चारागाह) रकवा 3.460 हे० एवं 343 (चारागाह) रकवा 0.836 है. कुल फिता 03 कुल रकवा 7.003 है. भूमि केन्द्रीय विद्यालय के भवन निर्माण हेतु हस्तांतरित करने की मांग की गई है। किन्तु म.प्र. नजूल भूमि निर्वर्तन नियम 2020 के अध्याय-तीन के भाग के की कंडिका 19 के बिन्दु कमांक 6 के अनुसार केन्द्रीय विद्यालयों के मामलों में अधिकतम 2000 हे. या केन्द्र सरकार द्वारा नियत मापदण्ड अनुसार मे जो कम हो केन्द्रीय विद्यालय अशोकनगर को भवन निर्माण हेतु आवंटित किया जाना प्रस्तावित किया है। तहसीलदार तहसील अशोकनगर के प्रतिवेदन से ग्राम पथरिया स्थित भूमि सर्वे के 342 रकवा 3.400 है, 343 शासकीय (चारागाह) रकवा 0.836 है. को छोडकर भूमि 344/1 शासकीय (बंजर) रकया 2.707 है. मे से रकवा 2.000 हे. भूमि शासन के मापदण्ड अनुसार आंवटित किया जाना प्रतिवेदित किया है। प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय मुंगावली द्वारा ऑनलाईन प्रारूप-1 एवं प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय पत्र प्रस्तुत कर ग्राम पथरिया तहसील अशोकनगर स्थित भूमि सर्वे के के 344/1 शासकीय (बंजर) रकया 2.707 हे0, 342 शासकीय (चारागाह) रकवा 3.460 हे० एवं 343 (चारागाह) रकया 0.836 है. कुल किता 03 कुल रकवा 7.003 है. भूमि केन्द्रीय विद्यालय के भवन निर्माण हेतु आवंटित करने की मांग की गई है। ग्राम पंचायत बरखेडाजागीर के द्वारा ग्राम पथरिया स्थित भूमि सर्वे कमांक सर्वे के 342 (चारागाह) रकवा 3.400 हे. 343 (चारागाह) रकवा 0.836 है. 344/1 शासकीय रकवा 2.707 हे. कुल किता 3 कुल रकवा 7.003 हे. भूमि केन्द्रीय विद्यालय अशोकनगर भवन निर्माण हेतु सहमति प्रदान की गई है।

निजी भूमि से जिलेभर में 77.1400 हेक्टयर भूमि से हटाया अतिक्रमण

कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार जिले में निजी भूमि से जिलेभर में 77.1400 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। जिसकी कुल लागत 15.82 करोड़ है।

शहर में स्कूल बसों की फिटनेस जाँचने के लिये विशेष मुहिम जारी

फिटनेस के अनुरूप न मिलने पर तीन बसों पर लगाया जुर्माना

ग्वालियर : बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर स्कूली बसों की फिटनेस जाँचने के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर ग्वालियर शहर में विशेष मुहिम चलाई जा रही है। इस मुहिम के तहत परिवहन विभाग की टीम ने गुरुवार को शहर के विभिन्न स्कूलों से जुड़ीं बसों की फिटनेस जाँची। इस दौरान सेंट जोसेफ स्कूल की तीन बसों की फिटनेस मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर इन बसों पर 9 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया। साथ ही मानकों के अनुरूप बसों की फिटनेस सुनिश्चित करने के बाद ही बच्चों का परिवहन करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने आरटीओ व यातायात पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्वालियर शहर सहित जिले के सभी स्कूलों में संलग्न स्कूली वाहनों की जाँच कर उनकी फिटनेस सुनिश्चित कराएं। साथ ही स्कूल संचालकों को भी आगाह कर दें कि उन्हीं बसों

से बच्चों को आने-जाने की अनुमति दी जाए जो बच्चों के लिये पूरी तरह सुरक्षित है। अर्थात उनकी फिटनेस बेहतर हो। गुरुवार को आरटीओ की टीम ने निरीक्षण के दौरान बगैर परमिट के चल रही एक बस भी जब्त की गई। बस को पुलिस अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है।

शिवपुरी में एयर फोर्स का लड़ाकू विमान Mirage-2000 क्रैश, दोनों पायलट सुरक्षित

मध्य प्रदेश के शिवपुरी में सेना का लड़ाकू विमान, मिराज 2000 खेत में क्रैश हो गया। जानकारी के मुताबिक, हादसे में दोनों पायलट घायल हो गए। क्रैश के बाद विमान में आग लग गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल के पास पहुंच गए थे। पायलटों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

नरवर तहसील के दबरासानी गांव में गुरुवार दोपहर ये घटना हुई। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया है। लड़ाकू विमान के क्रैश होने के कारणों का पता नहीं चल सका है। जानकारी के मुताबिक, नरवर तहसील के दबरासानी गांव में गुरुवार की दोपहर सेना का एक हेलीकॉप्टर क्रेश होकर किसानों के खेतों में जा गिरा। हेलीकॉप्टर जलकर खाक हो गया है। हालांकि हेलीकॉप्टर में सवार दोनों पायलट पूरी तरह से सुरक्षित हैं।पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचने के बात कह रहे हैं। हेलीकॉप्टर क्रेश होने के कारणों का फिलहाल कोई खुलासा नहीं हो सका है।

विभिन्न परीक्षाओं के दृष्टिगत कलेक्टर ने ध्वनि प्रदूषण के संबंध में जारी किया आदेश

बिना सक्षम स्वीकृति के ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग रहेगा प्रतिबंधित

ग्वालियर छात्र-छात्राओं की बोर्ड परीक्षाओं एवं समस्त प्रकार की परीक्षाओं में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो, इसके दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) (2) के तहत ग्वालियर जिले की राजस्व सीमा में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण हेतु आदेश पारित किया है। यह आदेश 6 फरवरी से 5 अप्रैल 2025 तक प्रभावशील रहेगा। उक्त प्रभावशील अवधि में आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 अंतर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आयेगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने अपने आदेश में कहा है कि ग्वालियर जिले के अंतर्गत समस्त उत्सव आयोजन के दौरान लाउड स्पीकर, डीजे, बैंड, प्रेशर हॉर्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग विहित प्राधिकारी की अनुमति के बगैर प्रतिबंधित रहेगा। प्रतिबंधित अवधि के दौरान ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 द्वारा निर्धारित शेड्यूल अनुसार ध्वनि का स्तर मानक सीमा के बाहर प्रतिबंधित रहेगा। रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक किसी भी प्रकार के लाउड स्पीकर, डीजे, बैंड, प्रेशर हॉर्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने अपने आदेश में कहा है कि ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण की दृष्टि से इसके विनियमन और नियंत्रण की आवश्यकता है। यह आदेश आम जनता के महत्व का है और आम जनता को संबोधित है। जिसकी क्रमशः सूचना दी जाना संभव नहीं होने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (2) के तहत एक पक्षीय पारित किया जाता है। कोई भी व्यक्ति इस संबंध में अपनी आपत्ति / आवेदन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (5) के तहत जिला दण्डाधिकारी को प्रस्तुत कर सकेगा।

नेशनल लोक अदालत को लेकर प्रधान जिला न्यायाधीश ने ली न्यायाधीशों की बैठक

व्यक्तिगत रूचि लेकर अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराने के दिए निर्देश

ग्वालियर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 8 मार्च को संपूर्ण भारत के साथ ग्वालियर जिले में भी इस साल की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन होगा। नेशनल लोक अदालत के आयोजन को लेकर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर श्री पी सी गुप्ता ने जिला मुख्यालय के न्यायाधीशों की बैठक ली। इस बैठक में तहसील न्यायालय के न्यायाधीशगण वर्चुअल रूप से शामिल हुए। प्रधान न्यायाधीश श्री गुप्ता ने इस अवसर पर न्यायाधीशगणों को व्यक्तिगत रूचि लेकर नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराने के निर्देश दिए। नेशनल लोक अदालत में विभिन्न प्रकृति के लंबित एवं पूर्व वाद प्रकरणों का निराकरण किया जाना है। बैठक में विशेष न्यायाधीश श्री प्रमोद कुमार सिंह, जिला न्यायाधीश एवं नेशनल लोक अदालत समन्वयक श्री ए पी एस चौहान सहित समस्त न्यायाधीश उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत के संबंध में बैंक, विद्युत, बीएसएनएल, नगर निगम, बीमा कंपनियों के अधिकारियों व अधिवक्ताओं के साथ भी निरंतर प्रिसिटिंग बैठक की जा रही हैं। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दीपक शर्मा ने पक्षकारों से अपील की है कि वे अपने मामले अधिक से अधिक संख्या में नेशनल लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत करवाकर नेशनल लोक अदालत के लिए प्रावधनित छूट का लाभ प्राप्त करें।

राजस्व महाअभियान 3.0 अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने पर कलेक्टर ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

अशोक नगर : राजस्व महाअभियान 3.0 अंतर्गत राजस्व प्रकरणों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने पर कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी द्वारा राजस्व अधिकारियों की बैठक में प्रभारी तहसीलदार अशोकनगर श्री रोहित रघुवंशी, प्रभारी तहसीलदार चंदेरी श्री दिलीप दरोगा तथा बहादुरपुर तहसीलदार श्री दीपक शुक्ला को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रभारी तहसीलदार, तहसील अशोकनगर श्री रोहित रघुवंशी द्वारा राजस्व महा-अभियान 3.0 अंतर्गत कार्यों में पूर्ण निष्ठा एवं कुशलतापूर्वक तरीके से कार्य पूर्ण किया जाकर अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिससे जिले की प्रदेश में रैंक 20 तथा संभाग में प्रथम स्थान पर रही। साथ ही जिले में तहसील अशोकनगर के द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त किया है। प्रभारी तहसीलदार तहसील चंदेरी श्री दिलीप दरोगा द्वारा राजस्व अभियान 3.0 अंतर्गत कार्यों में पूर्ण निष्ठा एवं कुशलतापूर्वक तरीके से कार्य पूर्ण किया जाकर अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे जिले की प्रदेश में रैंक 20 तथा संभाग में प्रथम स्थान पर रही। साथ ही जिले में तहसील चन्देरी के द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया है। तहसीलदार तहसील बहादुरपुर श्री दीपक शुक्ला द्वारा राजस्व महाअभियान 3.0 अंतर्गत कार्यों में पूर्ण निष्ठा एवं कुशलतापूर्वक तरीके से कार्य पूर्ण किया जाकर अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

फार्मर आईडी व ई-केवायसी के लिए विशेष अभियान जारी

शनिवार को जिले के गाँव-गाँव में बनाई गई फार्मर आईडी

जिले में फॉर्मर आईडी, ईकेवायसी, भू-लेख रिकॉर्ड की आधार से लिंकिंग व आधार से बैंक खाते लिंक करने के लिये विशेष अभियान जारी है। इस क्रम में शनिवार को भी जिले के विभिन्न गाँवों में घर-घर दस्तक देकर एवं विशेष शिविर लगाकर किसानों की फार्मर आईडी बनाई गईं। इस क्रम में शनिवर को जिले की सभी तहसीलों से जुड़े विभिन्न गाँवों में पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक सहित अन्य मैदानी कर्मचारी पहुँचे और किसानों की ऑनलाइन फार्मर आईडी बनवाई और ई-केवायसी का काम भी कराया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने 15 फरवरी तक शतप्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी बनाने के निर्देश दिए हैं।

किसान सम्मान निधि का लाभ लेने के लिये फार्मर आईडी जरूरी

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने किसान भाईयों से भी अपील की है कि वे अपनी फॉर्मर आईडी अवश्य बनवा लें। किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ अब उन्ही किसानों को मिलेगा, जिनकी फॉर्मर रजिस्ट्री अर्थात फॉर्मर आईडी बन जायेगी। साथ ही पीएम किसान पोर्टल पर ईकेवायसी, भू-अभिलेख रिकॉर्ड की आधार से लिंकिंग एवं बैंक खाते से आधार लिंक कराकर डीबीटी (डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर) कराना भी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये अब अनिवार्य हो गया है।

अशोकनगर में अनूठा इतिहास रचा गया

अशोकनगर के जिला न्यायालय में इतिहास रचा गया। जहां न्यायालय परिसर में संविधान वाटिका का लोकार्पण एवं उसमें संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण माननीय मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य अतिथि माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत के कर कमलों से, म.प्र. उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर के प्रशासनिक जज श्री आनंद पाठक एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर के पोर्टफोलियो जज श्री अनिल वर्मा के विशिष्ट आतिथ्य एवं अध्यक्षता में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्रकाश चंद्र आर्य एवं जिला अभिभाषक संघ अशोकनगर के अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू और उनकी टीम के भागिरथी प्रयासों का विशेष योगदान रहा। उक्त पुनीत कार्य में समाजसेवी संस्थाओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। शासन के समस्त विभागों ने, कलेक्टर श्री सुभाष द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक श्री विनीत कुमार जैन ने विशेष रूचि लेकर सहभागिता निभाई। सभी अभिभाषकों, न्यायालयीन कर्मचारियों, न्यायिक अधिकारियों, श्रमिकों के सामूहिक प्रयास से उक्त कार्य पूर्ण हुआ। देश में संभवतः यह पहला अवसर है कि जहां किसी जिला न्यायालय में ऐसी विचारधारा को पुष्पित और पल्लवित करने का अनूठा प्रयास प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रकाश चंद्र आर्य की सोच और अध्यक्ष चंद्रशेखर साहू की सहभागिता से पूर्ण हुआ। जिसका मूल्य उद्देश्य संविधान के प्रति जागरूगता बढ़ाने, न्यायालय परिसर में आने वाले पक्षकारों, आगुन्तकों के मन में कानून की समीक्षा को विकसित करना है क्योंकि वाटिका में सैल्फी प्वाइंट संविधान की प्रस्तावना के विवरण के साथ बनाया गया है, जिसमें लोग अपना फोटो निकालकर उद्देशिका से लोगों को अवगत करा पायेंगे। वाटिका में देश के महान महापुरूषों के आदर्श वचनों को भी उखेड़ा गया है, जिन्हें आम जनता व पक्षकार वहां पढ़ सकेंगे और उससे प्रेरणा ले सकेंगे और समाज में सकारात्मक सोच की जागृति पैदा होगी तथा वाटिका में वृक्षों का ऐसा वातावरण निर्मित किया गया है, ऐसी बैठक व्यवस्था रखी गई है, जहाँ बैठकर व्यक्ति चिंतन कर सकता है, निराशा को दूर कर सकता है, अपना आत्मबल बढ़ा सकता है। इस अवसर पर माननीय मुख्य न्यायाधिपति श्री सुरेश कुमार कैत ने अपने विचार व्यक्त करते हुये संविधान की मूल भावना को समझाने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने बाबा साहेब अम्बेडकर को व्यक्ति न होकर एक विचार की संज्ञा दी और विचार से सबको अपना जीवन कानून सम्मत तरीके से जीने की प्रेरणा दी।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

दतिया कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन ने आज शुक्रवार को जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने वहां भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर हाल चाल के साथ दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के संबध में जानकारी ली। इस दौरान ट्रामा सेंटर के ओपीडी गैलरी में सुसज्ति व्यवस्थित करने तथा सिविल मरम्मत कार्य कराने जाने के लिए उपयंत्री केा निर्देश दिए। श्री माकिन ने आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सालय में आरक्षित 10 विस्तर वृद्वजन वार्ड का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री माकिन द्वारा पोषण पुनर्वास केन्द्र को मध्य प्रदेश में नम्बर एक पर लाने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है तथा ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को शासन द्वारा स्वीकृति राशि से पोषण पुनर्वास केन्द्र में बिस्तार के लिए तुरंत सिविल कार्य कराए ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अल्प प्रवास पर ग्वालियर पधारे, विमानतल पर हुआ आत्मीय स्वागत

ग्वालियर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अल्प प्रवास पर बुधवार को ग्वालियर पधारे। ग्वालियर विमानतल पर जनप्रतिनिधियों ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया और प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अगवानी की। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद भी भोपाल से मुख्यमंत्री के साथ आए थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 5 फरवरी को दोपहर लगभग 2 बजे राजकीय विमान द्वारा भोपाल से ग्वालियर पधारे। कुछ समय रुकने के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव हैलीकॉप्टर से श्योपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिये रवाना हुए। श्योपुर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात मुख्यमंत्री शाम लगभग 5 बजे ग्वालियर पधारे और कुछ समय रुकने के पश्चात राजकीय विमान द्वारा भोपाल के लिये प्रस्थान किया। विमानतल पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, ग्रामीण अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी, श्री कमल माखीजानी सहित

जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री की अगवानी की। इस मौके पर ग्वालियर के आईजी श्री अरविंद सक्सेना, डीआईजी श्री अमित सांघी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय उपस्थित थे।

ग्वालियर-चंबल संभाग के प्रगतिशील किसानों को सिखाई गईं उन्नत खेती की बारीकियां

कृषि विज्ञान केन्द्र में इफको द्वारा किया गया तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्वालियर 07 फरवरी 2025/ ग्वालियर – चंबल संभाग के सभी जिलों से आए 40 प्रगतिशील किसानों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से

ग्वालियर – चंबल संभाग के सभी जिलों से आए 40 प्रगतिशील किसानों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से उन्नत कृषि तकनीक और खेती की आय को दोगुनी करने की बारीकियाँ सिखाई गईं। प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान के साथ-साथ कृषकों को फील्ड विजिट भी कराई गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मेला रोड स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में इफको द्वारा आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रबंधक विपणन इफको भोपाल डॉ. ओम शरण तिवारी, भी शामिल हुए। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक विस्तार डॉ. वाई पी सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में दोनों संभागों से आए किसानों को उन्नत कृषि तकनीक के बारे में उपयोगी जानकारी दी। साथ ही आह्वान किया कि परंपरागत एवं आधुनिक खेती में समन्वय बनाकर खेती को लाभ का धंधा बनाया जा सकता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर के प्रमुख डॉ. एस एस कुशवाहा ने भी आधुनिक खेती की विधियां बताईं। उप संचालक कृषि श्री आर एस शाक्यवार ने किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग की सलाह दी। डॉ. ओम शरण तिवारी ने नैनो उर्वरक के महत्व और उपयोग पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ. एस एस कुशवाहा ने किसानों को खेती में आय दुगुनी करने के तरीकों के बारे में बताया। श्री रविंद्र झारिया, रीजनल मैनेजर, एमपी एग्रो ग्वालियर, डॉ. बी एस जादौन, मुख्य क्षेत्र प्रबंधक, इफको मुरैना एवं श्री आर के महोलिया, क्षेत्रीय प्रबंधक, इफको ग्वालियर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. जितेंद्र राजपूत ने पशुओं के आहार एवं रोग प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन श्री आर के महोलिया, क्षेत्रीय प्रबंधक, इफको ग्वालियर द्वारा किया गया।

ग्वालियर व चंबल संभाग के किसानों के खातों में भी आयेगी धनराशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 10 फरवरी को अंतरित करेंगे सीएम कल्याण योजना की तृतीय किस्त

ग्वालियर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के किसानों को भी 10 फरवरी को "मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना" के तहत मौजूदा वित्तीय वर्ष की तीसरी किस्त का वितरण किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस दिन देवास जिले के सोनकक्ष में आयोजित होने जा रहे राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सिंगल क्लिक के जरिए किसानों के खाते में तृतीय किस्त के रूप में 6 हजार रूपए की धनराशि अंतरित करेंगे। राज्य शासन के राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव श्री विवेक कुमार पोरवाल ने 10 फरवरी को जिला व विकासखंड स्तर पर आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री ने संभाग के सभी जिला कलेक्टर को इस दिन जिला व विकासखंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इन कार्यक्रमों में सांसद

व विधायकगणों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बड़ी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम का प्रसारण कराने के लिये कहा है। जिले की ग्राम पंचायतों में भी इस प्रकार की व्यवस्था करने के निर्देश उन्होंने दिए हैं। राज्य स्तर से जारी वेबकास्ट लिंक (https://webcast.gov.in/mp/cmevents) के माध्यम से इस कार्यक्रम को देख व सुन सकेंगे।

जनपद पंचायत मुरार में एक मार्च को होगा सामूहिक विवाह व निकाह सम्मेलन का आयोजन

ग्वालियर : मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत जनपद पंचायत मुरार में अगले माह एक मार्च को सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में शादी व निकाह करने के इच्छुक दम्पत्ति 17 फरवरी तक संबंधित ग्राम पंचायत कार्यालय या जनपद पंचायत कार्यालय में निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जनपद पंचायत मुरार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि आवेदन पत्र के साथ वर-वधु के दो – दो फोटोग्राफ, ई-केवायसी सहित दोनों के आधारकार्ड संलग्न करने होंगे। साथ ही उम्र प्रमाणीकरण से संबंधित कोई दस्तावेज भी संलग्न करना होगा। इसके लिये वोटरकार्ड, मार्कशीट, जन्म प्रमाण-पत्र या मेडीकल बोर्ड द्वारा जारी आयु संबंधित दस्तावेज मान्य होगा। आवेदन पत्र के साथ वधु यानि कन्या की बैंक पासबुक भी संलग्न करना होगी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के तहत प्रदेश सरकार द्वारा हर दम्पत्ति के विवाह पर 55 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसमें से सामूहिक विवाह कार्यक्रम के दिन वधू को एक मुश्त 49 हजार रूपए की राशि दी जाती है। शेष 6 हजार रूपए की राशि सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजन की व्यवस्थाओं के लिये संबंधित आयोजक संस्था को प्रदान की जाती है।

नीमच जिले में एनडीपीएस के प्रकरण बने पुलिसकर्मियो की कमाई के जरिए

लक्जरी कारो की सवारी और करोडो की बेनामी संपत्ति

धारा 8/29 के चक्कर में सैकड़ो लोगों का जीवन हुआ बर्बाद तो कई लोग आए लाखों के कर्ज के नीचे

डेस्क रिपोर्ट- अविनाश जाजपुरा। नीमच

नीमच। मध्यप्रदेश के नीमच जिले में सौगातो के नाम पर कुछ खास तो नहीं है लेकिन सीआरपीएफ की वजह से नीमच की पहचान देशभर में तो है वही अफीम और काले सोने के मामले में भी नीमच जिला अछूता नहीं रहा और सबसे बड़ी खूबी यहां के पुलिसकर्मियों की कार्यशैली की है। जिसमें आप आश्चर्य करेंगे की थानो और चौकियों पर लड़ाई, झगड़ा, हत्या, फरार वारंटी, स्थाई वारंटी जिसे प्रकरण वर्षो से लंबित हैं। जिन पर तो केवल नाम मात्र की कार्यवाही देखने को मिलती हैं। ऐसे प्रकरण फाइलो में पड़े हुए हैं। परंतु इनसे अलग अफीम और डोडाचूरा केस में कहानी एक अलग ही रूप ले लेती है यहां एक छोटे से तबके के आरक्षक भी लग्जरी गाड़ी मेंटेन करता हुआ अपनी लाइफ स्टाइल जी रहा है। ऐसे में प्रदेशभर में हर पुलिसकर्मी की इच्छा होती है कि एक बार नीमच या मंदसौर जिले में उसकी पोस्टिंग हो। क्योंकि इस शहर की हवा का एक अजीब सा तेवर है। जो अफीम डोडाचूरा जैसे नशे की वजह से सैकड़ो लोगों की जिंदगी को बर्बाद कर चुका है।

पुलिसकर्मियो की कार्यशैली और मुखबीर तंत्र :-

पुलिसकर्मियों के अफीम डोडाचूरा केस में अधिकतर मुखबिर तंत्र काफी हद तक मजबूत होता है। अब यह मुखबीर कैसे जानकारी लगा पाते हैं किस तरह पैसों के लालच में कुछ पुलिसकर्मी पार्टी बनकर जाते हैं और किस तरह लोगों को फंसाते हैं यह बात तो डोडाचूरा प्रकरण करने वाले पुलिसकर्मी जानते हैं या फिर मूखबीर तंत्र वाले लोग। क्योंकि ये लोग अपने कमीशन के चक्कर में कई बार भोले भाले लोगो को भी फंसवा देते है। सूत्रो की माने तो कई बार तो पुलिसकर्मी ही व्यापारी बनकर जाते है।

काली कमाई से कुछ पुलिसकर्मी बने करोड़पति :

पुलिस विभाग में काम करने वाले कुछ पुलिसकर्मी तनख्वाह तो सरकारी पाते हैं परंतु काम पूरा तस्करो के लिए करते हैं। और तस्करो के लिए काम करते हुए उनकी अफीम और डोडाचुरा की गाड़ियों के लिए पायलटिंग का काम भी करते हैं। जिसकी वजह से इस काली कमाई ने उन्हें रातों-रात करोड़पति बना दिया और उनके मुह ऐसा खून लगा कि वे ईमानदारी से अपनी नौकरी करने के बजाय तस्करो की पहरेदारी का काम करने लग गए और देखते-देखते करोड़ों की संपत्तियों के मालिक बन गए। बीते समय कुछ पुलिस कर्मियो पर तस्कर कमल राणा के सहयोगी होने का भी आरोप लगा था जिनके चलते तात्कालिक पुलिस अधीक्षक नीमच द्वारा ऐसे पुलिस कर्मियो को सस्पेंड भी किया गया था। परंतु अपने राजनेतिक रसूख का उपयोग कर ये बहाल भी हो गए और वापस थानो पर जम कर बेठ भी गए। और अपनी अवेध रूप से चलने वाली गतिविधियों को फिर चालु कर चुके है। वही एक मामले में अक्षय गोयल फर्जी केस कांड में भी कुछ पुलिस कर्मी सस्पेंड हुए वो हाई प्रोफाइल मामला था तो तुरंत कार्यवाही हुई और पीड़ित को न्याय मिला परंतु सोचने वाली बात है आखिर कितने आम लोगो को न्याय मिल पाता है।

धारा 8/29 का डर दिखाकर की जाती है अंधाधुंध कमाई, कभी अगला प्रेस नोट नहीं आता की अन्य कितने आरोपी बने :-

नीमच मन्दसौर जिले में पुलिस या नारकोटिक्स विंग जब भी प्रकरण दर्ज करती है तो 20 -22 साल से लगाकर 30-32 साल के युवाओ को पकड़कर एनडीपीएस का आरोपी बना देती है। और उसपर प्रकरण दर्ज होता है 4 से 5 क्विंटल डोडाचूरा का। अब सोचने वाली बात यह है की इतना डोडाचूरा उस अकेले युवक का तो होगा नहीं फिर बाकी आरोपियों के प्रेस नोट क्यों जारी नहीं होते..? क्यों केवल 1 या 2 को आरोपी बनाकर बाकी उनकी आड़ में 15 -20 लोगो से वसूली की जाती है..? और ये चेन जैसे जैसे बढ़ती जाती है वैसे- वैसे कमाई भी बढ़ जाती है। और जो बेचारा गरीब फंस जाता है पैसा नही दे सकता है बस वो आरोपी बन जाता है।

डोडाचूरा और अफीम से करोड़पति बनने की चाह में जेल में बंद सेकड़ो जिंदगियां

डोडाचूरा अफीम की काली कमाई से कुछ तस्करों ने चमक धमक की अपनी एक ऐसी दुनिया बना रखी है जिसकी वजह से युवा वर्ग धीरे-धीरे भटकता जा रहा है और एक अच्छे मोबाइल थोड़े से पैसे और अच्छी लाइफस्टाइल के झूठे सपने देखते हुए वह तस्करी कैसे दलदल में कब उतर जाता है उसे पता ही नहीं चलता और कई बार पहली बार तस्करी करने निकलने वाला वह युवा पुलिस की गिरफ्त में आ जाता है ऐसे में वह अपनी बाकी बची जिंदगी सलाखों के पीछे निकाल देता है और पीछे छोड़ जाता है रोता बिलखता हुआ एक परिवार जो सिर्फ यह आस लगा कर बैठता है कि जाने कब उनका बेटा वापस उनके पास होगा। आखिर ऐसे कितने मासूम और छोटे बच्चे नीमच मन्दसौर प्रतापगढ़ चित्तौड़गढ़ और उदयपुर की जेलो में बंद है।

क्षेत्रीय विधायको ने कभी इस मामले में विधानसभा में नहीं किया कोई सवाल ..? :

डोडाचूरा और अफीम के इस मायाजाल के मामले में क्षेत्रीय विधायको ने कभी कोई पहल नहीं की, ना ही कभी इस विषय में जानने की कोशिश की। आखिर इतने बड़े मुद्दे पर स्थानीय विधायको ने क्यों चुप्पी साधी हुई है...? क्यों वे इस मामले को गभीरता से लेकर फर्जी और झूठे प्रकरण दर्ज करने वाले पुलिस कर्मियो के खिलाफ नहीं होते..? विधायको को चाहिए की विधान सभा में मजबूती से इस विषय को रखे की जो पुलिसकर्मी अवेध रूप से इस प्रकार फर्जी प्रकरण बनाते है उनकी बाकि की पुलिस सेवा समाप्त कर देनी चाहिए ताकि अन्य लोगो को भी सबक मिले। वही पुलिसकर्मी भी अब जनप्रतिनिधियो से नहीं डरते वो खुलकर उन्हें हिस्सेदार बताते है। कुछ पुलिसकर्मी तो यहाँ तक कहते है की हम सभी तक हिस्सा पहुचाते है। सबको बाँटना पड़ता है। मतलब साफ़ है कि पुरे कुँए में भांग घुली हुई है।

कुछ थाने और चौकियों पर बेठे लालची प्रवर्ति के आरक्षकों और सम्बंधित अधिकारियो ने प्रशासन की कार्य प्रणाली को किया शर्मसार

एडीपीएस प्रकरणों में पुलिसकर्मी अब पुलिसिंग छोडकर व्यापारी बन गए है। उनका मुख्य उद्देश्य केवल एनडीपीएस करना और अवेध वसूली पर निकल जाना। कई थानो और चौकियों की तो यह हालत है की वहा समब्धित प्रभारी राजस्थान क्षेत्र या दूसरे जिले में ही घूमते रहते है। ऐसे में दूसरे प्रकरणों के लिए परेशान प्रार्थी जब थाने या चौकियों पर जाता है तो साहब का ना होने पर बेचारा बेरंग लोट जाता है क्योंकि साहब तो फलां फलां केस में 29 के आरोपियों को ढूढ़ने में लगे है।

कुछ पुलिसकर्मी जिला छोड़ने को तैयार नहीं चाहे नोकरी चली जाये पर जोड़ तोड़ कर ट्रान्सफर तो नहीं होने देते

नीमच जिले में कुछ आरक्षकों के मुह ऐसा स्वाद लगा है वो अब नीमच जिला छोड़ने को तैयार ही नहीं है। चाहे जो भी जुगाड़ लगाना पड़े वर्षो से टिके हुए इन आरक्षकों की अगर शिकायत भी हो जाती है तो ये लोग इस थाने से उस थाने घूम जाते है। या फिर लाइन चले जाते है। अब ऐसे में ये इतने प्रभावशाली हो गए है की ना तो ये वरिष्ठ अधिकारियो की सुनते है और ना ही अपने प्रभारियो की। ऐसे में लंबे समय से टिके ये आरक्षक चुनाव को भी काफी हद तक प्रभावित करते है। और नशे के सौदागरों के भी आका बन जाते है।

15 लाख से 1 करोड़ तक होते हैं सेटलमेंट..? :-

सूत्रो की माने तो आजकल चोकी और थानो पर ऐसे डोडाचूरा दीवाने बैठे है जो लक्ष्य लेकर बेठे है की बस एक चोकी या थाने से 2-3 करोड़ कमाकर लाइफ सेट करनी है। ऐसे में जैसे ही कोई फसा की दलाल लाबी हुई सक्रीय बोली शुरू होती है 30 से 35 लाख की और सेटलमेंट आराम से 20 से 25 लाख में हो जाता है। कई जगहों पर 1 -1 करोड़ भी ये पुलिसकर्मी डकार जाते है। हाल ही में एक चोकी पर ऐसा ही प्रकरण हुआ जाना 13 लाख में सेटलमेंट किया क्योंकि जिस आरोपी को छोड़ा गया दुर्भाग्य से वो एक आरक्षक का रिश्तेदार निकला

राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना का भी बेबाक बयान

चुनावी सरगर्मी में नीमच हेडलाइंस से इंटरव्यू के दौरान राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने भी साफ़ तौर पर यह कहा था की हमारे राजस्थान के कई जिलो में अफीम खाना और खिलाना एक प्रथा है जो सदियो से चली आ रही है। शादी ब्याह या अन्य आयोजन पर अफीम का उपयोग होता है। ऐसे में डोडापोस्त या अफीम के नाम पर धारा 8/29 का उपयोग कर अवेध रूप से होने वाली वसूली बंद होनी चाहिए। अगर वे सरकार में आये तो इस मामले को गंभीरता से उठाकर पुलिस की बेवजह होने वाली काली कमाई बंद करवाएंगे। उन्होंने यह भी कहा की एमपी व राजस्थान में डोडाचूरा, पुलिस की अवेध कमाई का सबसे बड़ा जरिया बन चुका है।

तात्कालिक एसपी ने भी डोडाचूरा मामले के गंभीर विषय पर दिया था बेबाक बयान

नीमच जिले के तात्कालिक एसपी और वर्तमान डीआईजी मनोज कुमार सिंह ने भी अपने एक बयान में आधिकारिक तौर पर स्पस्ट किया था कि डोडाचूरा में मार्फिन की मात्रा 0.1% से भी कम होती है। ऐसे में अगर एनडीपीएस की धारा से डोडाचूरा बहाल कर दिया जाए तो जेलो में बंद सेकड़ो अपराधी रातोरात बाहर कर दिए जायेंगे। उनके यह बयान प्रमुखता से प्रकाशित भी हुआ। परंतु सरकार ने इस गंभीर विषय पर भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

भारतीय सेना पर देश और दुनिया को है गर्व : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आमजन और सेना के बीच जुड़ाव को प्रोत्साहित करेगी आर्मी मैराथन,मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आर्मी मैराथन विजेताओं को पुरुस्कार वितरित किए,मुख्यमंत्री, फिटनेस-एकता और देशभक्ति के लिए "फिट इंडिया-रन विथ इंडियन आर्मी" मैराथन में हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पूरे देश और दुनिया को भारतीय सेवा पर गर्व है। बेहद अनुशासित इकाई के रूप में सेना ने अपनी विशेष पहचान बनाई है। अपनी क्षमता और योग्यता से दुनिया की कई चुनौतियों का समाधान कर भारतीय सेना ने कठिनतम समय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। देश को आजादी मिलने के समय, विश्व के कई देश स्वतंत्र हुए लेकिन भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित है, इस पर सभी भारतवासियों को गर्व है। भारतीय सेना का अनुशासन, सजकता, स्फूर्ति और तत्परता ही इस गौरव का आधार है। साहस और शक्ति से संपन्न भारतीय सेना ने हर राजनीतिक परिस्थिति में अपनी सीमा और अनुशासन में रहते हुए मूल भूमिका का निर्वहन किया और देश हित में श्रेष्ठतम योगदान दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, फिटनेस-एकता और देश भक्ति के लिए "फिट इंडिया रन विथ इंडियन आर्मी" के आदर्श वाक्य के साथ द्रोणाचल में आयोजित आर्मी मैराथन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैराथन विजेताओं को पुरस्कार वितरित भी किऐ। इस अवसर पर उत्साह और जोश से भरपूर भांगड़ा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सेना के अधिकारियों ने

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

बेटा-बेटी समान अधिकार और सम्मान के हकदार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा सीमा पर तैनात सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाने की की पहल सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 1949 में जनरल के.एम. करियप्पा के भारतीय सेना के पहले कमांडर इन चीफ के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की याद में 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है। इस क्रम में सुदर्शन चक्र कोर द्वारा आर्मी मैराथन आयोजन की पहल सराहनीय है। उन्होंने इसकी निरंतरता बनाए रखने की अपील की और अधिक से अधिक लोगों से मैराथन में सहभागी होने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षमता और योग्यता में बेटा-बेटी बराबर है और उनके अधिकार भी समान है। अतः आर्मी मैराथन में विजेता बेटियों को समान राशि के ही पुरस्कार प्रदान किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हॉफ मैराथन ओपन केटेगरी के अंतर्गत पुरुष वर्ग के विजेता श्री रोहित वर्मा को 1 लाख रुपये, रनर अप श्री हरीश को 50 हजार और तृतीय स्थान पर रहे श्री हुकुम को 25 हजार रुपये का चैक और मध्यप्रदेश पर्यटन का कूपन पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया। महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त सुश्री भारती नैन, द्वितीय स्थान पर रहीं सुश्री किरण साहू और तृतीय स्थान पर रहीं सुश्री प्रीति खण्डेलवाल को पुरस्कृत किया।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि सेना और आमजन के बीच जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित आर्मी मैराथन में भोपालवासियों की सहभागिता उत्साहवर्धक रही। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा खेल और युवा कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी दी। मेजर जनरल श्री एस.के. श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी।

उदयपुर पुलिस ने सटोरियों का अंतरराज्यीय गिरोह पकड़ा

अनिनाश जाजपुरा, नीमच

नीमच। भारत-इंग्लैंड के बीच टी-20 सीरीज में 31 जनवरी के मैच पर सट्टा लगाने वाले एक अन्तरराज्यीय गिरोह को उदयपुर पुलिस ने पकड़ा है। इनको शहर के एक फ्लेट से गिरफ्तार किया और उनसे 5 लेपटॉप और 30 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

आवाजाही बढ़ी तो शक हुआ

उदयपुर एसपी योगेश गोयल ने बताया कि सुखेर पुलिस और डीएसटी उदयपुर की टीम को उदयपुर में बाहर से आए संदिग्ध लोगों व अवैध कार्य करने वालों पर निगरानी रखना प्रारम्भ किया था। इस बीच 31 जनवरी को डीएसटी टीम प्रभारी श्याम सिंह को सूचना मिली कि सुखेर थाना क्षेत्र के नवरत्न कॉम्पलेक्स क्षेत्र में मध्यप्रदेश के रहने वाले लोगों की आवाजाही बढ़ी है। सूचना पर सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण और डीएसटी टीम प्रभारी श्याम सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने नवरत्न कॉम्पलेक्स स्थित एक कॉम्पलेक्स में दबिश दी।

सट्टा लगा रहे थे आरोपी

एसपी योगेश गोयल ने बताया कि पुलिस वहां पहुंची तो फ्लैट में सात व्यक्ति भारत और इंग्लैंड की क्रिकेट टीमों के विरूद्ध खेले जाने वाले क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाते मिले। सभी लोग मोबाइल पर कॉल करने वाले ग्राहकों को हार-जीत का भाव बताकर रुपए का दांव लगवा रहे थे तथा कम्प्यूटर में उक्त सट्टेबाजी का हिसाब रख रहे थे। एसपी गोयल ने बताया कि सभी टी-20 क्रिकेट के मैच पर ओवर व रन पर रुपयों का दांव लगा कर षड्यंत्रपूर्वक गेम खिला रहे थे जिससे एक को अनुचित हानि व अन्य को अनुचित लाभ कारित करना पाया गया जो कृत्य धारा 318 (4), 61 (2) बीएनएस, 66 डी आई टी एक्ट व 3/4 राजस्थान जुआ अधिनियम का अपराध होने से आरोपियों के के कब्जे से सट्टेबाजी में उपयोग में लिये जा रहे 5 लैपटॉप तथा 30 मोबाईल फोन, अन्य इलेक्ट्रोनिक उपकरण और हिसाब की पर्चियां जब्त की गई। पुलिस ने उन बुकियों से सट्टे का 76 लाख रुपए से अधिक का हिसाब किताब भी जब्त किया। बाद में पुलिस ने आरोपियों को थाने पर लाकर पूछताछ कर गिरफ्तार किया। ये आरोपी नीमच और

निम्बाहेडा क्षैत्र के कुख्यात सट्टेबाज होकर उदयपुर में किराये पर फ्लैट लेकर सट्टेबाजी कर रहे थे।

पुलिस ने इनको गिरफ्तार किया

सौरभ पुत्र संतोष मित्तल निवासी बघाना नीमच मध्यप्रदेश
दीपक पुत्र दुर्गा प्रसाद मित्तल निवासी बघाना नीमच मध्यप्रदेश
अजीम खान पुत्र अब्दुल अजीज पठान निवासी निम्बाहेडा, चित्तौडगढ रितेश पुत्र रमनलाल जैन निवासी महु रोड, नीमच मध्यप्रदेश लालचन्द पुत्र बालमुकन्द खटीक निवासी पडदा मनासा मध्यप्रदेश प्रकाश पुत्र बंशीलाल अहीर निवासी बघाना नीचम मध्यप्रदेश असरफ खान उर्फ भैया पुत्र मोहम्मद हुसैन निवास बघाना नीमच मध्यप्रदेश

पुलिस टीम में ये शामिल थे

सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण, डीएसटी प्रभारी श्याम सिंह रत्नू, एएसआई सुनील बिश्नोई, हैड कांस्टेबल नारायण सिंह, रामकुमार, जगदीश मेनारिया, भंवरलाल, करतार सिंह, कांस्टेबल चन्द्रप्रकाश, मुकेश कुमार, जितेन्द्र दीक्षित, भारत सिंह, अचलाराम, प्रकाश सिंह, धनराज, साईबर सैल कांस्टेबल लोकेश रायकवाल शामिल थे।

स्वामित्व योजना से गांव और गरीब होंगे सशक्त, विकसित भारत का सफर होगा सुहाना : प्रधानमंत्री श्री मोदी

प्रॉपर्टी राइट्स 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौती का हल, 100 लाख करोड़ से अधिक की आर्थिक गतिविधियों का रास्ता खुलेगा, ग्राम स्वराज जमीन पर उतरेगा, ग्राम पंचायतें आर्थिक दृष्टि से होंगी सशक्त

स्वामित्व केवल भू-अधिकार नहीं बल्कि स्वाभिमान का अधिकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि स्वामित्व योजना से गांव और गरीब सशक्त होंगे और विकसित भारत का सफर सुहाना होगा। भारत में पिछले लगभग 5 वर्ष में डेढ़ करोड़ ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का स्वामित्व पत्र (प्रॉपर्टी कार्ड) दिया गया है। आज 65 लाख से अधिक हितग्राहियों को प्रॉपर्टी कार्ड दिया जा रहा है। इस प्रकार देश के लगभग सवा दो करोड़ ग्रामीणों को उनके घर का पक्का कानूनी दस्तावेज मिला है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शनिवार को दिल्ली से स्वामित्व योजना अंतर्गत हितग्राहियों को संपत्ति अधिकार पत्रों के ई-वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ कर देशभर के 50 हजार से अधिक गाँवों में 65 लाख प्रॉपर्टी कार्डों का वितरण किया, जिनमें मध्यप्रदेश के 15 लाख 63 हजार हितग्राही शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के साथ संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिवनी जिले से कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ के एक सर्वे के अनुसार क्लाइमेट चेंज, पानी की समस्या, स्वास्थ्य की समस्या और महामारी की चुनौतियों के साथ ही प्रॉपर्टी राइट्स 21वीं सदी की एक बहुत बड़ी चुनौती है। विश्व के अनेक देशों में गरीबों के पास प्रॉपर्टी राइट्स नहीं है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि प्रॉपर्टी राइट्स नहीं होने से उनके पास "डैड कैपिटल" है। उस पर वे कोई लेनदेन नहीं कर सकते, कोई आर्थिक गतिविधि संभव नहीं होती। घर की मिल्कियत के विवाद और दबंगों द्वारा अतिक्रमण का खतरा बना रहता है। स्वामित्व योजना के माध्यम से हमने इस चुनौती का हल निकाल लिया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा पहले की सरकारों ने इस समस्या का कोई ठोस हल नहीं निकाला। वर्ष 2014 में जब हमारी सरकार बनी तब हमने इस योजना को प्रारंभ किया। ड्रोन के माध्यम से जमीनों की मैपिंग कराई गई और गरीबों की संपत्ति के कागज तैयार किए गए। देश में लगभग 6 लाख गांव है, इनमें से आधे से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वे पूरा हो चुका है। सवा दो करोड़ ग्रामीणों को प्रॉपर्टी कार्ड मिल गए हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। लगभग 100 लाख करोड़ से ज्यादा की आर्थिक गतिविधियों का रास्ता खुलेगा।प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि स्वामित्व योजना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गरीबों को संपत्ति के अधिकार पत्र मिल जाने से ग्राम पंचायतें आर्थिक दृष्टि से सशक्त होंगी और ग्राम स्वराज जमीन पर उतरेगा। विभिन्न आपदाओं के बेहतर प्रबंधन और ग्रामीणों को समय पर क्लेम मिलने में भी आसानी होगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि हमारा भारत गांव में बसता है। गांव का विकास देश का विकास है। स्वामित्व योजना और भू-आधार ग्राम विकास के आधार बनेंगे। देश में 23

करोड़ भू-आधार नंबर जारी किए जा चुके हैं। भू-अभिलेखों का डिजिटाइजेशन किया जा रहा है।प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैंक सखी, बीमा सखी, लखपति दीदी, ड्रोन दीदी आदि योजनाएं नारी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। देश में सवा करोड़ से ज्यादा लखपति दीदियां बन गई है। कई राज्यों में स्वामित्व योजना के अंतर्गत संपत्ति अधिकार पत्रों में पत्नियों के नाम भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना की रजिस्ट्री में भी महिलाओं के नाम शामिल किए गए हैं।

सम्पत्ति कार्ड करेगा आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिना किसी भेदभाव के लोगों को उनकी सम्पत्ति के स्वामित्व का अधिकार दिया है। यह स्वामित्व का अधिकार सिर्फ भू-अधिकार ही नहीं बल्कि उनके स्वाभिमान का अधिकार है। इससे वे आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त होंगे।

समाज के चारों स्तंभ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनकल्याण अंतर्गत समाज के चार स्तंभ महिला सशक्तिकरण, युवा शक्ति, किसानों और गरीब कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में हैं। प्रदेश सरकार महिला, युवा, गरीब और किसानों की जिंदगी बदलने के लिए लगातार काम कर रही हैं। सरकार ने युवा मिशन और गरीब कल्याण मिशन प्रारंभ किया है। इससे युवाओं के लिए रोजगार का प्रबंधन करने कीदिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 2.50 लाख पदों पर भर्ती की जायेगी, जिसमें सभी श्रेणियों के पद भरे जायेंगे। गरीब मिशन के अंतर्गत सभी गरीब परिवार और निम्न आय वर्ग वाले लोगों के लिए पक्के मकान होंगे।

पानी की एक-एक बूंद का उपयोग कर किसानों को बनाएं खुशहाल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण अंतर्गत खेती को लाभ का धंधा बनाया जायेगा, खेतों में सिंचाई की क्षमता बढाई जायेगी। हर खेत में पानी पहुंचाने का काम किया जायेगा और हर हाथ को काम दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि पारस पत्थर से सोना बनता है या नहीं यह तो पता नहीं लेकिन सूखे खेतों में पानी पहुंचने से अवश्य ही सोने रूपी फसल तैयार होंगी। हर खेत में माईक्रोलिफ्ट ऐरिगेशन के माध्यम से पानी पहुंचाया जायेगा और पानी की एक-एक बूंद का उपयोग कर किसानों को खुशहाल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2003-04 में प्रदेश में सिर्फ 7 लाख हेक्टेयर में ही सिंचाई होती थी, अब 48 लाख हेक्टेयर से अधिक सिंचाई का रकबा हो गया है। आने वाले 5 सालों में एक करोड़ हेक्टेयर कृषि रकबे को सिंचित करने का लक्ष्य है।

बहेगी विकास की गंगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में सुशासन के साथ नागरिक सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। प्रदेश के विकास केलिए लगातार कल्याणकारी योजनाऐं क्रियान्वित की जा रही है, जिनके माध्यम से प्रदेश में विकास की गंगा बहेगी। सरकार लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, अटल पेंशन योजना, किसान सम्मान निधि योजना, भू-स्वामित्व अधिकार योजना के साथ अन्य कल्याणकारी योजनाऐं चलाकर जनकल्याण की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात की सुविधाओं का विस्तार करते हुए अब गांव-गांव परिवहन के लिए बसें चलाने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में लगातार काम कर रही है। रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती के अवसर पर जबलपुर व संग्रामपुर में केबिनेट की बैठकें कर उन्हें सम्मान दिया गया। इसी प्रकार से रानी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती के दृष्टिगत आने वाले समय में सुशासन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय होंगे। दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश सरकार का नवाचार है कि गौ-पालकों को अनुदान की राशि देने के साथ दूध उत्पादन पर बोनस भी दिया जायेगा। गौ-पालन के प्रोत्साहन के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी। किसानों को धान का बोनस खेत की फसलों के ड्रोन सर्वे के आधार पर दिया जायेगा।

प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण जहां-जहां गए, वहां-वहां बनेंगे तीर्थ स्थल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 33 करोड देवी- देवताओं में हमारी संस्कृति समाहित है। अयोध्या में 500 साल बाद भगवान श्रीराम जिस प्रकार विराजमान हुए, उसी प्रकार प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण ने जहां-जहां गमन किया वहां-वहां तीर्थ स्थल बनाये जायेंगे। उन्होंने "बहुजन हिताय, सर्वजन सुखाय" की अवधारणा के आधार पर बिना किसी भेदभाव के सबको साथ लेकर चलने की प्रतिबद्धता जाहिर की, साथ ही कहा कि अमरकंटक, महेश्वर, उज्जैन, चित्रकूट आदि धार्मिक स्थलों का विकास वहां की परंपराओं के अनुरूप किया जाये।

जिला स्तर पर भी करेंगे इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश औद्योगिक विकास की ओर अग्रसर है। हमने फरवरी 2025 में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पूर्व 7 स्थानों पर रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव की हैं, जिनके सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। संभागीय इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव के बाद हम जिला स्तर पर भी कॉन्क्लेव करेंगे।

धनौरा में बनेगा महाविद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 190 करोड़ के 72 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। उन्होंने कहा कि धनौरा में शासकीय महाविद्यालय बनाया जायेगा। संजय सरोवर भीमगढ में फ्लोटिंग सोलर पैनल स्थापित किये जायेंगे। कांचना मंडी में नहर प्रणाली के कार्य को पूरा कराया जायेगा। सिवनी में इसी वर्ष गो-शाला बनाई जाएगी, जिसमें निराश्रित गायों को संरक्षित किया जायेगा। मेडिकल कॉलेज के सेकण्ड फेस का कार्य शुरू किया जायेगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वामित्व योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में हितग्राहियों को सम्पत्ति कार्ड का वितरण किया। पूरे प्रदेश में इस कार्यक्रम के माध्यम से 15.63 लाख हितग्राही लाभांवित हुये। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण आबादी सर्वे के लिए स्वामित्व योजना वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई थी। केन्द्र सरकार की स्वामित्व योजना अंतर्गत ग्रामीण आबादी का जीआईएस प्रणाली द्वारा भू-मापन कर अधिकार अभिलेख तैयार किया जाता है। इस योजना से ग्रामीण संपत्ति का रिकार्ड तैयार होता है, जिससे ग्रामीण लाभांवित होते हैं।राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी श्री करण सिंह वर्मा ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने हितग्राहियों को सम्पत्ति कार्ड दिये जाने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन भी किया। विधायक सिवनी श्री दिनेश मुनमुन राय, बरघाट विधायक श्री कमल मर्सकोले और केवलारी विधायक श्री रजनीश सिंह ठाकुर ने क्षेत्र के विकास के लिए प्रस्ताव रखें।

यातायात सुधार मुहिम के तहत फुटपाथ पर किए गए कब्जे को हटाया गया

यातायात में बाधक दुकानों के शेड, अतिक्रमण, ओटले और अन्य बाधाएं हटाई गई- फुटपाथ पर रखे सामान भी किए गए जप्त

इन्दौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर आज शनिवार को भी सघन रूप से इंदौर शहर में यातायात को सुगम बनाने के लिये मुहिम चलाकर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा पुलिस, नगर निगम, यातायात पुलिस आदि के सहयोग से की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में यातायात में बाधक दुकानों के शेड, अतिक्रमण, ओटले और अन्य बाधाएं हटाई गई। फुटपाथ पर रखे सामान भी बड़ी मात्रा में जप्त किए गए। इंदौर में यातायात सुधार के लिये चलाई जा रही मुहिम के तहत संयुक्त कार्रवाई की गई। झोन क्रमांक 17 के अंतर्गत बाणगंगा ब्रिज से के.के. यादव पेट्रोल पम्प तक यातायात में बाधक 2 ट्रक सामान जप्त किया गया। साथ ही 60 से अधिक टीन शेड और 28 से अधिक चढ़ाव हटाये गये। कुल 86 टू व्हीलर एवं कार जप्त की गई। एसडीएम श्री ओम नारायण सिंह बड़कुल एवं जोनल अधिकारी श्री नरेंद्र कुरील एवं ट्रैफिक टी.आई. श्रीमती सीमा भण्डारी, नगर निगम स्टाफ एवं पुलिस बल उपस्थिति रहा। रिमूवल की टीम द्वारा होमगार्ड के बल के साथ यातायात को सुचारू रूप से व्यवस्थित किया गया। रोड के दूसरी तरफ करीब 200 लोगों को चेतावनी दी गई और दुकानदारों को अवैध कब्जे को हटाने का समय दिया गया। आम जन स्वेच्छा से भी अतिक्रमण हटाने लगे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर लागू स्वामित्व योजना के तहत इंदौर जिले के ग्रामीणों को मिली बड़ी सौगात

जिले में एक ही दिन में लगभग 62 हजार ग्रामीणों को मिला मालिकाना हक,मंत्री द्वय श्री विजयवर्गीय और श्री सिलावट की विशेष उपस्थिति में जिला स्तरीय समारोह सम्पन्न

इंदौर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू हुई स्वामित्व योजना के तहत इंदौर जिले के हजारों ग्रामीणों को बड़ी सौगात मिली। जिले में एक ही दिन में लगभग 62 हजार ग्रामीणों को मालिकाना हक प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्चुअली कार्यक्रम के माध्यम से इन ग्रामीणों के साथ ही पूरे देश के 50 हजार से अधिक गांवों के 65 लाख ग्रामीणों को सिंगल क्लिक के माध्यम से डिजिटली भू-अधिकार दस्तावेज अंतरित किये। इसमें जिले के 213 गांवों के 61 हजार 969 ग्रामीण शामिल है, जिन्हें अपनी जमीन का मालिकाना हक मिला और वे विधिवत रूप से अपनी जमीन के मालिक बन गये। जिले का मुख्य कार्यक्रम राजेन्द्र नगर क्षेत्र में स्थित लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवगीय और जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर विधायक श्री मधु वर्मा, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री रवि रावलिया, पार्षद श्री प्रशांत बड़वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे। कार्यक्रम में मंत्री द्वय श्री विजयवर्गीय और श्री सिलावट ने स्वामित्व योजना के तहत लाभान्वित ग्रामीणों को प्रतिकात्मक भू-अधिकार प्रमाण-पत्रों का वितरण भी किया। उन्होंने ने लाभान्वितों को शुभकामनाएं भी दी।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने इस योजना को एक क्रांतिकारी पहल बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की यह अभिनव योजना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे नागरिकों को अपनी जमीन का मालिक बनने का पीढ़ियों का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।कार्यक्रम में विधायक श्री मधु वर्मा ने कहा कि यह योजना ग्रामीणों के लिये वरदान है। ग्रामीणजन बरसों से इंतजार कर रहे थे कि वे अपनी जमीन के मालिक बनेंगे। आज उनका इंतजार समाप्त हुआ। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में शामिल 29 गांवों के लोगों को भी अपनी जमीन का मालिकाना हक मिलेगा। इसके लिये कार्रवाई तेजी से जारी है। कार्यक्रम को श्री रवि रावलिया ने भी सम्बोधित किया। बताया गया कि जिले में 213 गांवों के 61 हजार 969 ग्रामीणों को भू-अधिकार पत्र स्वामित्व योजना में मिले है। इससे जहां एक और संपत्ति संबंधी विवादों में कमी आयेगी। वहीं दूसरी और भू-स्वामियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ भी आसानी से मिलेगा और ऋण लेने में भी उन्हें आसानी होगी।

खंडवा जिले में 1 लाख 4 हजार 711 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का भुगतान

6 वीं के 3 हजार 24 व 9वीं के 5 हजार 786 विद्यार्थियों को निःशुल्क सायकलों का वितरण

इन्दौर। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण इंदौर संभाग द्वारा खंडवा जिले में स्कूल शिक्षा विभागकी विगत वर्ष की उपलब्धियों के विषय में बताया गया है कि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के साथ निःशुल्क सायकलों व पुस्तकों का वितरण किया गया है। समग्र छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत खंडवा जिले में कक्षा 1 ली से 12 वीं तक के 1 लाख 4 हजार 711 पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा चुका है। शेष 17 हजार 784 विद्यार्थियों को भुगतान होना बाकी है। साथ ही, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-2023 में 20 हजार 582 विद्यार्थियों की प्रोफाइल जनरेट की जा चुकी हैं। 15 हजार 910 की छात्रवृत्ति स्वीकृत की जा चुकी हैं। वर्ष 2023-24 में 1382 विद्यार्थियों की प्रोफाइल जनरेट की जा चुकी हैं। 14 हजार 332 विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति स्वीकृत की जा चुकी है। निःशुल्क सायकल वितरण योजना अंतर्गत कक्षा 6 वीं के 3 हजार 24 विद्यार्थियों को सायकल का वितरण किया जा चुका है तथा कक्षा 9 वीं के 5 हजार 786 विद्यार्थियों को भी सायकलों का वितरण किया जा चुका है। पाठ्य पुस्तक वितरण योजना के अंतर्गत कक्षा 9 वीं से 12 वीं के 4 लाख 27 हजार 517 विद्यार्थियों को भी पुस्तकों का वितरण किया गया है। आईसीटी योजना के अंतर्गत 59 शालाओं में 16 कम्प्युट स्थापित किये गये है। स्मार्ट क्लास रूम योजना के अंतर्गत 25 शालाओं में दो कम्प्युटर, दो स्मार्ट टीवी एवं 36 शालाओं में इंटर एक्टिव पैनल लगाये गये है। खंडवा जिले में शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने के लिये 3 हजार 243 शिक्षकों को टेबलेट क्रय करवाये गये है। कक्षा 10 वीं हेतु प्रदन्या नामक मॉड्यूल पुस्तक का निर्माण भी विषय विशेषज्ञों द्वारा कराया गया है। जिससे विद्यार्थियों को अध्यापन में सहजता का अनुभव हो। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों हेत विषय विशेषज्ञों के माध्यम से कक्षावार वीडियो का निर्माण विभाग के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया जाता है, जिससे अध्यापन कार्य किया जा सके। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार व अच्छे कार्यों के लिये अवार्ड व पुरस्कार भी खंडवा जिले को मिले है।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इंदौर के एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का लोकार्पण

इन्दौर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, के मुख्य न्यायाधिपति श्री सुरेश कुमार कैत द्वारा, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इंदौर के एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया, माननीय न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला, माननीय न्यायाधिपति श्री सुबोध अभयंकर, माननीय न्यायाधिपति श्री प्रणय वर्मा, माननीय न्यायाधिपति श्री प्रकाश चन्द्र गुप्ता, माननीय न्यायाधिपति श्री दुप्पला वेंकट रमण, माननीय न्यायाधिपति श्री संजीव कलगांवकर, माननीय न्यायाधिपति श्री प्रेम नारायण सिंह, माननीय न्यायाधिपति श्री बिनोद कुमार द्विवेदी, श्री अनूप कुमार त्रिपाठी (प्रिंसिपल रजिस्ट्रार), श्री नवीन पाराशर (ओ.एस.डी.), श्री नीरज मालवीय (ओ.एस.डी.) व जिला न्यायालय इंदौर के न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम में एडिशनल एडवोकेट जनरल, डिप्टी एडवोकेट जनरल, असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल, इंदौर संभाग के कमिश्नर श्री दीपक सिंह जिला कलेक्टर इंदौर श्री आशीष सिंह, जिला न्यायालय के न्यायिक अधिकारीगण व अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण व वरिष्ठ अधिवक्तागण व अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

सौ दिवसीय निक्षय एवं आयुष्मान अभियान में एक सप्ताह मे प्रगति लाए- श्री चंद्रा

नीमच कलेक्टर ने की सौ दिवसीय निक्षय एवं आयुष्मान अभियान की समीक्षा

अविनाश जाजपुरा |नीमच

जिले में टी.बी.मुक्त भारत अभियान के तहत चलाए जा रहे सौ दिवसीय निक्षय अभियान एवं आयुष्मान भारत अभियान के तहत सभी सीएचओ एक सप्ताह में प्रगति लाए। बहुत ही कम प्रगति वाले सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा ने 100 दिवसीय निक्षय अभियान एवं 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुर्जगों के आयुष्मान कार्ड बनाने के अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद को दिये।कलेक्टर श्री चन्द्रा ने टाउनहाल नीमच में शनिवार को आयोजित स्वास्थ्य विभाग की बैठक में आयुष्मान आरोग्य मंदिर वार अभियान की विस्तार से समीक्षा की और निक्षय आई.डी. बनाने में लापरवाही बरतने वाले सीएचओ केविरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि आगामी एक सप्ताह में आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर विशेष शिविर आयोजित कर क्षय रोग के प्रति संवेदनशील लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण करे तथा उनकी निक्षय आई.डी. बनाए। साथ ही ओ.पी.डी. में आने वाले मरीजो की भी स्क्रिनिंग सुनिश्चित करे। उन्होने निर्देशित किया, कि 30 जनवरी के पश्चात इन दोनो अभियानों की प्रगति की पुनः समीक्षा की जावेगी। जिसमें न्यूनतम प्रगति पाये जाने पर संबंधित सी.एच.ओ. के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर ने 70 से अधिक आयुवर्ग के आयुष्मान कार्ड की प्रगति की समीक्षा में निर्देश दिये कि शेष हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड 30 जनवरी तक बनाकर लक्ष्य पूर्ण करे।इस अवसर पर कलेक्टर ने अच्छा कार्य करने वाले सी.एच.ओ. की प्रशंसा भी की तथा उनके अनुभव भी साझा किये। बैठक मेंएडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविन्द डामोर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा.दिनेश प्रसाद,जिला क्षय अधिकारी डा.मनीष यादव, सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सीएचओ एवं स्वास्थ्य विभाग का अमला भी उपस्थित था।

स्वामित्व योजना, गांवों को विकास का मजबूत केंद्र बनाएगी-प्रधानमंत्री श्री मोदी

विधायक श्री परिहार ने नीमच में स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को सम्पत्ति कार्ड वितरित किए

अविनाश जाजपुरा |नीमच

स्वामित्व योजना देश व प्रदेश के गांवों को विकास का मजबूत केंद्र बनाएगी। सरकार ग्राम स्वराज को मूर्तरूप देने का प्रयास कर रही है। देश में लैण्ड रिकार्ड का डिजीटीकरण किया जा रहा है। अबतक 23 करोड़ से अधिक भू-आधार जारी किए गऐ हैं। भूमि के 98 प्रतिशत डीजीटल नक्शे उपलब्ध है। यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को स्वामित्व योजना के तहत आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम को वर्चुअली सम्बोधित करते हुए कही। इस कार्यक्रम का राज्य, जिला स्तर, उपखण्ड व पंचायत स्तर पर भी सीधा प्रसारण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय कार्यक्रम सिवनी तथा जिला स्तरीय कार्यक्रम टाउनहाल नीमच में आयोजित किया गया। विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मनीषा धाकड़की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में अतिथियों ने प्रतीक स्वरूप स्वामित्व योजना के 12 लाभार्थियों को अधिकार अभिलेख (सम्पत्ति कार्ड) वितरित किए। विधायक श्री परिहार ने अपने उदबोधन में स्वामित्व योजना के सफल क्रियान्वयन पर उपस्थितजनों और लाभार्थियों को शुभकामनाएं दी। स्वामित्व योजना के केंद्रीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने म.प्र.के सिवनी, राजस्थान केश्री गंगानगर, महाराष्ट्र के नागपुर एवं जम्मू काश्मीर के साम्बा जिले में उपस्थित लाभार्थियों से वर्चुअली संवाद कर सम्पति कार्ड मिलने से हुए लाभ और लाभार्थियों के जीवन में इससे आए बदलाव की जानकारी ली। प्रारंभ में विधायक श्री परिहार एवं अतिथियों ने मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एसडीएम डॉ.ममता खेडे, संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रीती संघवी, तहसीलदार श्री यशपाल मुजाल्दा, श्री प्रेमशंकर पटेल, नायब तहसीलदार सुश्री मोनिका जैन, सुश्री प्रियंका आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, सांसद प्रतिनिधि श्री वीरेन्द्र पाटीदार, जनपद सदस्य श्री रतनलाल मालावत, श्री नीलेश पाटीदार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं स्वामित्व योजना के लाभार्थी उपस्थित थे। आभार सुश्री प्रीती संघवी ने माना। कार्यक्रम का संचालन श्री अरुण सोलंकी ने किया।

कलेक्टर ने आंत्रीमाता मेले का निरीक्षण कर लिया जायजा

नीमच कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा ने शुक्रवार को मनासा क्षैत्र के सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल आंत्रीमाता जी में मेले का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पंचायत को इस मेले में दुकानों से होने वाली आमदनी, मेले में की गई विभिन्न व्यवस्थाओं आदि की जानकारी ली। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा ने शुक्रवार को आंत्रीमाता जी मंदिर में आंत्रीमाता जी के दर्शन कर, पूजा अर्चना की और जिले वासियों की सुख समृद्धि की प्रार्थना की। कलेक्टर ने आंत्रीमाता जी मंदिर से मोटर बोट के जरिए रेतम नदी के दूसरे छोर पर स्थित श्री अन्नुनाथ जी महाराज के समाधि स्थल पर भी पहुंच कर दर्शन किए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, एसडीएम श्री पवन बारिया, सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीशचंद्र मालवीय, उपसंचालक कृषि श्री भगवानसिंह अर्गल, तहसीलदार श्री बी.के. मकवाना व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर बड़कुआ में प्रगतिशील किसान कछावा के खेतों में फसलों का अवलोकन किया

अविनाश जाजपुरा |नीमच

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को मनासा क्षेत्र के गांव बड़कुआ में प्रगतिशील किसान श्री मदनलाल कछावा के खेत पर जाकर उनके द्वारा उन्नत कृषि तकनीक से औषधीय फसलों, अश्वगंधा, सफेद चिया सीड्स, इस लाल किनोवा, लहसुन, प्याज आदि फसलों को मौके पर अवलोकन कर किसान से फसलों की लागत, उत्पादन एवं लाभ के बारे में जानकारी ली।कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने प्रगतिशील किसान श्री कछावा द्वारा जैविक खाद निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया और उप संचालक कृषि को निर्देश दिए, कि वे जिले के अन्य किसानों को श्री मदनलाल कछावा के खेत का भ्रमण करवाकर औषधीय फसलों की उन्नत खेती के बारे में जागरूक करें। किसान श्री कछावा ने बताया, कि उन्होने 2 बीघा में अश्वगंधा की फसले लगाई है, जिस पर लगभग 25 हजार रूपये का खर्च आया है। अश्वगंधा का उत्पादन लगभग 10 क्विंटल होने की संभावना है। इससे उन्हें अच्छे दाम मिलेगे और लगभग चार से पांच लाख रूपये की आमदनी होगी।इस भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री चन्द्रा ने अधिकारियों

के साथ-साथ चपलाना में अति प्राचीन कल्पवृक्ष का अवलोकन किया और ग्राम सरपंच एवं ग्रामीणों से कल्पवृक्ष का महत्व, धार्मिक महत्व, विशेषताएं आदि के बारे में चर्चा की। कलेक्टर ने कल्पवृक्ष के समीप स्थित पुरानी जीर्णशीर्ण बावड़ी के दुरूस्त करवाने के लिए भी निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, एसडीएम श्री पवन बारिया, तहसीलदार श्री बी.के.मकवाना व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सभी पात्र मेधावी विद्यार्थियों को जल्द ही मिलेंगे लैपटॉप : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी पात्र मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी देने का निर्णय लिया है। शासकीय विद्यालयों में बोर्ड परीक्षा में टॉप करने वाले बच्चों को उनकी पसंद के अनुसार इलेक्ट्रिक या पेट्रोल वाली स्कूटी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि टेंडर निकालकर स्कूटी दी जाएगी, यह पूर्णतः निराधार है। जो पात्र हैं उन्हें स्कूटी अवश्य मिलेगी। उन्होंने कहा कि जल्द ही हमारी सरकार पात्र मेधावी विद्यार्थियों को भी जल्द ही लैपटॉप भी वितरित करेगी। उन्होंने कहा है कि मेधावी छात्र-छात्राएं स्कूटी और लैपटॉप मिलने के बाद अपना भविष्य बनाने और उच्च शिक्षा पाने के लिए और अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। उन्होंने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना कर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह बात कही।

केन्द्रीय बजट 2025-26 मध्यम वर्ग के लिए बड़ी सौगात : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बजट में गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के समग्र विकास के साथ ही स्टार्ट-अप, इनोवेशन और एआई के लिए विशेष प्रावधान, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्रांतिकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी तथा केन्द्रीय वित्त मंत्री का माना आभार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट 2025-26 विकसित भारत के संकल्पों की सिद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कल्याणकारी, सर्व-स्पर्शी और समावेशी बजट देश के गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के समग्र विकास के साथ स्टार्ट-अप्स, इनोवेशन तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विभिन्न क्षेत्रों को समाहित करते हुए, अंत्योदय की भावना और नवोन्मेष की नव-दृष्टि से परिपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट में 2025-26 में 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय को कर मुक्त करने का निर्णय अभिनंदनीय है। बीते एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने समृद्धि के जो नए आयाम स्थापित किए हैं, उनमें देश के मध्यम वर्ग का परिश्रम और सामर्थ्य सम्मिलित है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में लिया गया यह निर्णय मध्यम वर्ग की आशाओं और आकांक्षाओं को उड़ान देने के साथ उन्हें सशक्त बनाने में निर्णायक सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देशवासियों के कल्याण और भारत को आत्मनिर्भर बनाने और मध्यम वर्ग को आयकर में राहत देने वाले क्रांतिकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री का प्रदेशवासियों की ओर से आभार माना।

विकसित भारत का रोड़मैप है केंद्रीय बजट : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2025-26 का बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने का रोड़मैप है। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि 12 लाख रूपये तक की सालाना आय पर आयकर न लगाकर एक बड़े वर्ग को राहत दी है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार का क्रांतिकारी कदम है। आज प्रस्तुत केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि यह बजट हर नागरिक के सपनों का बजट है। यह पूरी तरह प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के ज्ञान के मंत्र पर आधारित बजट है, जो गरीब कल्याण, युवा कल्याण, नारी शक्ति और किसानों की समृद्धि पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि बजट में कई ऐसे अनूठे प्रावधान किए गए हैं, जिससे मध्यप्रदेश जैसे तेजी से आगे बढ़ते राज्य को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बजट से विकास की प्रक्रियाओं में तेजी आएगी और समावेशी विकास मजबूत होगा। निजी क्षेत्र को नई ऊर्जा मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने विशेष पूंजीगत सहायता को 1.50 लाख करोड़ रूपये से निरंतर रखने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे मध्यप्रदेश को विशेष लाभ होगा। पूंजीगत सहायता का रचनात्मक उपयोग करने में मध्यप्रदेश का अच्छा प्रदर्शन रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि यह बजट मुख्य रूप से कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को मजबूती देने वाला बजट है। भारत की विकास यात्रा के यही चार मुख्य स्तंभ है। इससे मध्यप्रदेश को भारत की अर्थव्यवस्था में योगदान देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन चारों क्षेत्रों में मध्यप्रदेश ने अभूतपूर्व काम किया है। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उन जिलों में कृषि क्षेत्र का विस्तार होगा, जो कई कारणों से पीछे रह गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने दलहन में आत्म-निर्भरता मिशन प्रारंभ करने की पहल का भी स्वागत करते हुए कहा कि दलहन उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में आगे है। इसका फायदा मध्यप्रदेश को मिलेगा। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड में ऋण की सीमा 3 लाख रूपये से बढ़कर 5 लाख रूपये करने का भी स्वागत करते हुए कहा कि इससे लाखों किसानों को मदद मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए ऋण गारंटी कवर 5 करोड़ रूपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रूपये करने और स्टार्ट-अप के लिए 10 से 20 करोड़ रूपये बढ़ाने का स्वागत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में सूक्ष्म और लघु उद्योगों का निरंतर विस्तार हो रहा है। स्टार्ट-अप बढ़ रहे हैं। उन्हें इस पहल से फायदा होगा।उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के लिए चिकित्सा शिक्षा सीटों को 1.1 लाख तक बढ़ाने की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि अगले 5 सालों में 75 हजार सीटों को जोड़ने से मध्यप्रदेश में भी चिकित्सा शिक्षा का परिदृश्य बदल जाएगा। प्रदेश में मेडिकल कॉलेज की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने 36 जीवन रक्षक औषधीय और दवाइयां को बुनियादी सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट प्राप्त दावों की सूची में शामिल करने के प्रस्ताव का स्वागत किया है और कहा है कि इससे गंभीर रोग से जुड़े लोगों को राहत मिलेगी।

कलेक्टर ने पांच व्यक्तियों को छह माह के लिए जिलाबदर किया

उज्जैन,कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह ने नीलगंगा थाना क्षेत्र के कालू उर्फ करण उर्फ सावन पिता राकेश उर्फ चिना नायक, खाचरौद थाना क्षेत्र के समद लाला पिता जावेद लाला, झारड़ा थाना क्षेत्र के ईश्वरसिंह पिता लालसिंह, महाकाल थाना क्षेत्र के याकुब उर्फ गंजा पिता मोहम्मद एजाज, कोतवाली थाना क्षेत्र के दुर्गा उर्फ दुर्गाप्रसाद पिता नारायणदास सूर्यवंशी को उज्जैन एवं उससे लगे सीमावर्ती जिले देवास, इन्दौर, शाजापुर, रतलाम, मन्दसौर, धार एवं आगर-मालवा की राजस्व सीमाओं से छः माह की अवधि हेतु निष्कासित किया है, साथ ही आदेश दिए है कि उक्त पांचों व्यक्ति 48 घंटे के अंदर दर्शित जिले की सीमाओं से बाहर चलें जाए एवं अपने आचरण में सुधार करें और इन जिलों की सीमाओं में छः माह तक प्रवेश न करें एवं वापिस न लौटे। यदि अनावेदकों के विरूद्ध कोई प्रकरण उज्जैन जिले में स्थित न्यायालय में चल रहा हो तो वे नियत पेशी पर उपस्थित हो सकेंगें, परन्तु इसके पूर्व अनावेदकों को संबंधित थाना प्रभारी को लिखित में सूचना देनी होगी । न्यायालय में पेशी होने के तुरन्त पश्चात् इस न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित किया जावेगा।

सीईओ जिला पंचायत के द्वारा बड़नगर क्षेत्र की ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया

उज्जैन,श्रीमती जयति सिंह, मुख्य कार्यपानन अधिकारी महोदया जिला पंचायत उज्जैन द्वारा जनपद पंचायत बड़नगर क्षेत्र की ग्राम पंचायतो का भ्रमण किया गया जिसमें सर्वप्रथम ग्राम पंचायत रणवा में प्रगतिरत सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निरीक्षण कर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए व नवनिर्मित गोशाला, डकपॉन्ड का निरीक्षण कर ग्राम पंचायत किलोली में प्रगतिरत गौशाला को एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए साथ ही क्रियाशील ग्राम पंचायत अंतर्गत पंचायत आमला के पंचायत भवन व नक्षत्र वाटिका का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन में वीसी व अन्य सुविधाओं के पूर्णता होने पर तारीफ की गई। इसके पश्चात ग्राम राऊदियाकला में अमृत सरोवर 2.0 हेतु चयनित स्थान का निरीक्षण किया गया उक्त निरीक्षण के पश्चात जनपद स्तरीय सचिव व सहायक सचिव की समीक्षा बैठक ली गई जिसमें स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास, सीएम हेल्पलाइन व मनरेगा की वन टु वन समीक्षा की गई समीक्षा बैठक में निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत में व्याप्त गंदगी और प्लास्टिक फैलाव होने पर घोर नाराजगी व्यक्त की गई व प्रति शनिवार स्वच्छता दिवस का आयोजन कर 10 से 12 लोगों की टोली के साथ विशेष रूप से प्लास्टिक सफाई कर प्लास्टिक कलेक्शन कर उसे बेचकर उसकी एंट्री पंचायत दर्पण पर करने के निर्देश दिए गए व आगामी भ्रमण पर ग्रामों में गंदगी मिलने पर संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मनरेगा अंतर्गत लेबर बजट प्राप्त करने हेतु 45 दिवस की कार्ययोजना बना कर लेबर बजट प्राप्त करने का समय देते हुए 80% से कम लेबर बजट प्राप्त करने वाली पंचायत की समीक्षा की गई जिसमें सीजावता, जाफला ग्राम पंचायत में सबसे कम लेबर बजट प्राप्त करने पर घोर नाराजगी व्यक्त की गई एवं प्रधानमंत्री आवास अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध समय सीमा में आवास पूर्ण करने, आवास अंतर्गत सर्वे कार्य समय सीमा पर पूर्ण करने तथा पात्रता हेतु दिवार लेखन का कार्य 2 दिवस में पूर्ण कर ग्राम पंचायतवार फोटोग्राफ की पीडीएफ बनाकर वरिष्ठालय को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायत कोठडी, सलवा, नावदा, नारेलाकला मकड़ावन, असलावदा के संबंधित सचिव व सहायक सचिव की अनुपस्थिति पर नोटिस व एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए गए । साथ ही प्रत्येक 15 दिवस में एक बार ग्राम पंचायत की समस्त नालीयो की सफाई करने के निर्देश देते हुए प्लांटेशन हेतु स्थान चयन कर प्लांटेशन करने के विशेष निर्देश दिए गए हैं ।

निक्षय मित्र बने और टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान कर पुण्य का काम करें : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने 3 करोड़ की लागत से निर्मित पिपलिया मंडी सर्किट हाउस का लोकार्पण किया

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने पिपलिया मंडी में 3 करोड़ 14 लाख 80 हजार रुपए की लागत से निर्मित नवीन विश्रामगृह एवं दो नग आई टाइप आवास गृह का लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे भारत में टीबी मुक्त भारत अभियान चल रहा है। इसके लिए सभी निक्षय मित्र बने। टीबी मरीजों को गोद ले और मरीजों को फूड बास्केट प्रदान कर पुण्य का काम करें। इस कार्य में हम सभी को सहयोग करना है।लोकार्पण अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, श्री राजेश दीक्षित, जनपद अध्यक्षा श्रीमती इंदिरा, उपाध्यक्ष श्री भरत सिंह, मल्हारगढ़ जनपद अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा पाटीदार सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, विकासखंड स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, बड़ी संख्या में आम नागरिक, पत्रकार मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि देश की जनता की ताकत को आधार बनाकर देश को विश्व गुरु के स्थान पर लाने का संकल्प सरकार ने लिया है। प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया है कि 2047 में देश विश्व की सबसे बड़ी ताकत होगी। 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होंगे। इसके लिए सरकार ने आगामी 25 साल का रोड मैप बनाया। 25 साल बाद देश कैसा होगा यह सरकार ने संकल्प लिया। आर्थिक रूप से देश संपन्न होगा विश्व की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति होगी। मंदसौर में औद्योगिक निवेश हो इस पर लगातार कोशिश की जा रही है। छुट्टी हुई सड़कों को बजट में लिया जा रहा है। कोई भी परिवार बिना मकान के नहीं रहेगा। सभी को समान अधिकार प्रदान किया जा रहे हैं। सरकार युवा, गरीब, किसान, महिलाओं पर विशेष तौर पर काम कर रही हैं। हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं। जिससे आसानी से गरीब व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके। पूरे देश में एक जैसी व्यवस्था हो, किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं हो, इस पर सरकार ने काम किया है। आयुष्मान कार्ड ने गरीबों को जिंदगी प्रदान की है। उनके जीवन को बचाया है। मल्हारगढ़ सुक्ष्म सिंचाई परियोजना पर काम चल रहा है। इससे एक-एक खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचेगा। अब किसान एक साल में तीन फसल की पैदावार कर सकेगा। जिससे किसानों के पास पैसा आएगा, पैसा बाजार में जाएगा उससे देश समृद्ध होगा।जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती पाटीदार द्वारा कहा गया कि विकास का काम सरकार ने लगातार किया है। सबका साथ सबके विकास के मूल मंत्र के आधार पर सरकार ने काम किया है। अंत्योदय के सिद्धांत को अपनाया है। रोटी, कपड़ा, मकान हर आधारभूत सुविधाएं गरीब व्यक्तियों प्रदान की है। शिक्षा और स्वास्थ्य में अभूतपूर्व विकास हुए हैं। जन्म से मृत्यु तक की सरकार ने योजनाएं बनाई है।

श्री राजेश दीक्षित द्वारा कहा गया कि हर गांव को सड़कों से जोड़ने का काम सरकार ने किया। सरकार ने सड़कों का जाल बिछाया है। मल्हारगढ़ क्षेत्र में 36 डैम बनाए गए हैं। तीन कॉलेज बनाए गए हैं। 122 सड़क बनाई गई है। बड़े-बड़े ब्रिज, मेडिकल कॉलेज, शैक्षणिक संस्थान बनाए गई हैं। सरकार राष्ट्र के लिए काम करती है, भारत विश्व गुरु बने उस संकल्प पर काम कर रही हैं।

स्विफ्ट डिजायर कार हुई चकनाचूर, ट्रक के टायर हुए अलग

जेतपुरा फंटे पर हुआ गंभीर सड़क हादसा, हादसा इतना भयानक था की ट्रक के पीछे के दोनों टायर अलग हो गये वही स्विफ्ट डिजायर कार पूरी तरह चकनाचूर हो गयी | हादसे में पांच लोग घायल हो गए वही एक को गंभीर हालत में रेफर किया गया

अविनाश जाजपुरा | नीमच

नीमच जिले के जैतपुरा फंटे पर गुरुवार रात करीब 9 बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ, हादसा इतना भयानक हुआ की ट्रक भी बुरी तरह चकनाचूर हो गयी वही ट्रक के टायर अलग हो गये वही स्विफ्ट डिजायर कार पूरी तरह चकनाचूर हो गयी | जानकारी के अनुसार, मनासा से नीमच आ रही स्विफ्ट डिजायर कार को जैतपुरा फंटे पर एक ट्रक ने क्रासिंग के समय जोरदार टक्कर मार दी। हादसे को देख मौके पर हड़कंप मच गया | सुचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया |

इस दुर्घटना में कार सवार निहारिका लखेरा (20 वर्ष), राजकुमार फकीरचंद लखेरा (35 वर्ष) और सत्यनारायण भागीरथ लखेरा (45 वर्ष) निवासी मनासा गंभीर रूप से घायल हो गए। वही ट्रक चालक तथा उसका साथी विक्रम राजपूत व राजेंद्र राजपूत निवासी नीम का थाना राजस्थान भी घायल हो गए, राजकुमार फकीरचंद लखेरा को गंभीर हालत में उदयपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी |

जाको राखे साइयां मार सके ना कोई

कहते है न जिसके ऊपर ऊपर वाले का हाथ होता है उसे कोई मार नहीं सकता ऐसा ही इस हादसे में हुआ क्यों की हादसा इतना भयानक था की कार पूरी तरह चकनाचूर हो गयी वही ट्रक पलटी खा गयी, कार की हालत देख तो अंदाजा लगाया जा सकता है की इसके अंदर बैठे लोग भी दब गए होंगे | लेकिन कार के अंदर बैठे 3 व्यक्ति जिसके एक युवती भी शामिल थी इनको चोटे आई है वही एक की हालत गंभीर है | लेकिन हादसा इतना भयानक था, शुक्र है कोई जनहानि नहीं हुई |

जापान की बड़ी कम्पनियाँ म.प्र. में व्यापार करने को हुई तैयार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री की जापान यात्रा को मिले सुखद परिणाम,व्यापार, संस्कृति और सहयोग पर रहा जोर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मुझे खुशी है कि जापान की बड़ी कम्पनियाँ मध्यप्रदेश में आकर अपने व्यवसाय और व्यापार को और अधिक बढ़ाने के लिये तैयार हैं। मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहाँ से उत्पादों को न केवल भारत में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक भी आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इसका लाभ जापानी कंपनियों को तो मिलेगा ही साथ ही प्रदेश में औद्योगिक विकास को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पैनासोनिक और ब्रिजस्टोन जैसी कम्पनियों सहित जापानी निवेशकों ने मध्यप्रदेश में निवेश के लिये सहमति जताई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी 4 दिवसीय जापान यात्रा के दौरान व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान के उद्योग, संस्कृति और तकनीक को करीब से समझने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का वातावरण बदल रहा है।

बौद्ध धर्म और संस्कृति से जुड़ाव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान में कई बौद्ध धार्मिक स्थलों के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि "हमारे यहां धार्मिक स्थलों की यात्रा करने की परंपरा है। जापान की बौद्ध संस्कृति भगवान सूर्य और गौतम बुद्ध से भी जुड़ी हुई है, जिससे हमें अपनी साझा विरासत को समझने का अवसर मिला।"

जापान की औद्योगिक नीति और मध्यप्रदेश में संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापानी कंपनियां निवेश के फैसले लेने में बेहद सतर्क रहती हैं और गहन अध्ययन एवं शोध के बाद ही आगे बढ़ती हैं। जापान यात्रा के दौरान हमने जिन प्रमुख उद्योगपतियों से मुलाकात कि सभी ने सकरात्मक रूख अपनाते हुए मध्यप्रदेश में निवेश करने की बात कही। उन्होंने बताया कि रेडीमेड गारमेंट्स से जुड़े उद्यमियों से भी चर्चा हुई, जिन्होंने मध्यप्रदेश में निवेश की संभावना को लेकर रुचि दिखाई है।

बुलेट ट्रेन और भविष्य की संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान की बुलेट ट्रेन में सफर किया और इसकी उन्नत तकनीक की सराहना की। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद से मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन परियोजना की बात कही है। ऐसी ही अन्य परियोजनाओं पर काम हो रहा है। जापान की सहायता से भारत में भी भविष्य में इसी तरह की अत्याधुनिक रेल परियोजनाओं को साकार किया जा सकता है।"

जापानी लोगों का भारत के प्रति प्रेम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापानी लोगों की मेहमाननवाजी की भी सराहना की। उन्होंने कहा, "यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि जापान के लोग न केवल अपने देश से प्रेम करते हैं, बल्कि भारत के प्रति भी उनके मन में विशेष सम्मान और आत्मीयता है।"

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान में भारतीय दूतावास और वहां के अधिकारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा मध्यप्रदेश और जापान के बीच व्यापारिक, सांस्कृतिक और तकनीकी सहयोग को नई ऊंचाई देने में सहायक होगी।

पारंपरिक जापानी स्थापत्य और बौद्ध संस्कृति का प्रतीक है किंकाकूजी स्वर्ण मंदिर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान यात्रा के चौथे दिन क्योटो स्थित विश्व प्रसिद्ध किंकाकूजी (स्वर्ण मंदिर) का भ्रमण किया। पारंपरिक जापानी स्थापत्य और बौद्ध संस्कृति का प्रतीक यह मंदिर अपनी सोने की परतों से ढंकी भव्य संरचना और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया और जापानी संस्कृति में इसकी ऐतिहासिक महत्ता को करीब से समझा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर के सामने स्थित क्योकाची तालाब के किनारे कुछ समय बिताया, जहां मंदिर का प्रतिबिंब एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। उन्होंने कहा कि "ऐसी ऐतिहासिक धरोहरें सिर्फ स्थापत्य कला का उदाहरण नहीं होतीं, बल्कि वे एक सभ्यता की आत्मा को दर्शाती हैं। जापान ने अपनी संस्कृति को सहेजने का जो प्रयास किया है, वह प्रशंसनीय है।"

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जापान यात्रा सिर्फ सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने जापानी धरोहर संरक्षण, पर्यटन विकास और वास्तुकला के नवाचारों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश भी अपनी ऐतिहासिक धरोहरों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है और जापान से इस दिशा में बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जापान यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच निवेश के साथ सांस्कृतिक और औद्योगिक संबंधों को भी और अधिक सशक्त बनाना है। भ्रमण के दौरान उन्होंने जापान की परंपरागत और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाए रखने की नीति को भी सराहा।

जापान में ऐतिहासिक टेम्पल्स में दर्शन के साथ किया कैसल का किया भ्रमण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान दौरे के चौथे दिन क्योटो में ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत को समझने और मध्यप्रदेश के साथ संभावित सहयोग के नए अवसरों पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से प्रसिद्ध निजो-जो कैसल, शेंजुशेंगेन्डो और टोजी टेम्पल का भ्रमण कर दर्शन किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्योटो स्थित निजो-जो कैसल का अवलोकन किया, जो जापान की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर और स्थापत्य कला का प्रतीक है। उन्होंने इस दौरान जापान की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उसके प्रबंधन से जुड़े पहलुओं को भी जाना। इसके साथ ही, उन्होंने शेंजुशेंगेन्डो मंदिर में दर्शन किए, जो अपनी अनूठी वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान और मध्यप्रदेश के बीच सांस्कृतिक और औद्योगिक संबंध पहले से ही सुदृढ़ हैं इन्हेंऔर अधिक प्रगाढ़ करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए आयामतलाशे जा रहे हैं, जिससे पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान की ऐतिहासिक संरचनाओं और उनके संरक्षण के अनुभव से सीखकर मध्यप्रदेश के पर्यटन और धरोहर स्थलों के विकास में नवाचार लाया जा सकता है। उन्होंने इस दौरे को प्रदेश के विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव की धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह, आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राजस्व महा अभियान के तहत राजस्व प्रकरणों के निराकरण में नीमच जिला प्रदेश में अव्वल

अविनाश जाजपुरा | नीमच

राजस्व महा अभियान के तहत राजस्व प्रकरणों के निराकरण में नीमच जिला प्रदेश में पहले स्थान पर रहा है। सभी राजस्व अधिकारियों ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में बेहतर कार्य किया है। राजस्व महाअभियान के सभी पैरामीटर्स पर निरंतर कार्य किया जाकर, राजस्व प्रकरणों का तत्परतापूर्वक निराकरण निरंतर जारी रहेगा। यह जानकारी कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में राजस्व महाअभियान की प्रगति की समीक्षा एवं निर्माण विभागों द्वारा संचालित कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक में एडीएम श्रीमती गामड ने दी। बैठक में एसडीएम जावद सुश्री प्रीती संघवी, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिह धार्वे सहित सभी निर्माण विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम कुसुम योजना के तहत खेतों में सौलर पम्प स्थापित करवाएः- श्री चंद्रा

बैठक में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मध्यप्रदेश प.क्षे.वि.वि.कं.के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए, कि वे ऐसे किसान जिनके खेतों में विद्युत लाईन नहीं है और ऐसे किसान जो अस्थाई विद्युत कनेक्शन लेकर विद्युत पम्प से सिंचाई कर रहे है, उनकी जानकारी संकलित कर, उन्हें पीएम कुसुम योजना के तहत खेतों में सौलर पम्प स्थापित करने हेतु प्रेरित करें और सौलर पम्प लगवाए।

जिले में 3 से 8 फरवरी तक आयुष्मान भारत योजना, टीकाकरण, कुपोषण निवारण, कुष्ठ नियंत्रण हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि सभी पंचायतों के नोडल जिला अधिकारी 3 से 8 फरवरी 2025 तक संबंधित गांवों का भ्रमण कर, आयुष्मान भारत योजना, टीकाकरण कार्यक्रम, कुपोषण निवारण के लिए सेम एवं मेम श्रेणी के बच्चों के चिन्हाकंन तथा कुष्ठ नियंत्रण के लिए हितग्राहियों का चयन कर उन्हे लाभांवित करवाएं।

बैठक में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा में बताया गया, कि नीमच बायपास का सर्वे कार्य पूर्ण हो गया है। कलेक्टर ने भूअर्जन के प्रस्ताव बनाकर एसडीएम को प्रस्तुत करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण को दिए। लोक निर्माण कार्यपालन यंत्री ने बताया कि अठाना बायपास निर्माण का कार्य एक सप्ताह में पूर्ण हो जाएगा। जिले में 73 सड़क निर्माण कार्यो में से 24 सड़कों का काम पूरा हो गया है। 19 सड़कों का कार्य 2 माह में पूरा हो जाएगा। 7 सड़कों के निर्माण के लिए वन अनुमति अपेक्षित है और 2 अन्य स्वीकृत सड़कों का निर्माण कार्य भी शीघ्र प्रारंभ कर दिया जाएगा।

नीमच जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने पदभार संभाला

जि.पं.अधिकारी-कर्मचारियों की परिचायत्मक बैठक ली

अविनाश जाजपुरा। नीमच

नीमच जिला पंचायत नीमच के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर भारतीय प्रशासनिक सेवा 2018बैंच के अधिकारी श्री अमन वैष्णव ने शनिवार को पद भार ग्रहण कर लिया है।श्री अमन वैष्णव आयुक्त नगर पालिका निगम,ग्वालियरके पद से स्थानांतरित होकर शासन द्वारा नीमच जिला पंचायत सीईओं पदस्थ हुए है।झांसी उत्तरप्रदेश निवासी श्री वैष्णव 2018 बेंच के आई.ए.एस. अधिकारी है। वे धार , एसडीएम नरसिंहगढ़(राजगढ़) जिला पंचायत सीईओं झाबुआ ,रतलाम ,एवं एडीएम अनुपपुर के पद पर सेवाएं दे चुके है। श्री वैष्णव नगर निगम आयुक्त ग्वालियर के पद से नीमच जि.पं.सीईओं पदस्थ हुए है। श्री वैष्णव की प्रारंभिक शिक्षा झांसी में हुई। उन्होने हिन्दू कॉलेज दिल्ली से बी.ए. आनर्स की शिक्षा प्राप्त की है। वे मात्र 22 वर्ष की आयु में आईए.एस में चयनित होकर मसूरी में प्रशिक्षण प्राप्त कर धार जिले में प्रशिक्षु आईएएस के रूप में पदस्थ रहे है। नवागत जिला पंचायत सीईओं श्री वैष्णव ने शनिवार को जिला पंचायत कार्यालय में पदभार ग्रहण करने के बाद जिला पंचायत के सभी अधिकारी - कर्मचारियो की परिचायत्मक बैठक ली और पंचायत एवं ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की जानकारी ली। उन्होने जिला पंचायत में स्वीकृत एवं रिक्तपदों की जानकारी ली और रिक्त पदों की पूर्ति के लिए प्रस्ताव शासन को भिजवाने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओं ने जिला पंचायत से संबंधित न्यायालीन प्रकरणों की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी प्रकरणों में जवाब- दावा पेश करना सुनिश्चित करें। उन्होने पंचायत प्रकोष्ठ को निर्देश दिए कि भवन अनुज्ञा के लिए सभी ग्राम पंचायतों को आनबोर्ड करवाए। आर्डिट रिपोर्ट की ऑनलाइन इंट्री सुनिश्चित करें। मनरेगा में लेबर नियोजन बढ़ाए। इस मौके पर जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओं श्री अंरविद डामोर , जिला पंचायत के सभी परियोजना अधिकारी सहित अन्य अधिकारी – कर्मचारी उपस्थित थे ।

जिला स्तरीय कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच उद्यान विभाग द्वारा राज्य पोषित योजना के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन गत दिवस कृषि विज्ञान केन्द्र नीमच में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक नीमच श्री दिलीपसिंह परिहार ने कृषि वैज्ञानिक डॉ.सी.पी.पचोरी, उप संचालक उद्यान श्री अतर सिंह कन्नौजी, डॉ.पी.एस.नरूका, श्री सत्येन्द्र शर्मा सहित अन्य अधिकारी, कृषकों की उपस्थिति में मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। इस मौके पर विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार ने किसानों को उद्यानिकी विभाग की फल क्षेत्र विस्तारए सब्जी क्षेत्र विस्तार, मसाला क्षेत्र विस्तार आदि योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने एवं उन्नत तकनीकी से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उप संचालक उद्यान श्री अतर सिंह कन्नौजी ने उपस्थित अतिथियों एवं कृषकों का स्वागत किया और विभागीय अनुदान योजनाओं की जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कृषि विज्ञान केन्द्र प्रमुख , डॉ.सी.पी.पचोरी ने कृषकों को फल क्षेत्र विस्तार, सब्जी क्षेत्र विस्तार एवं मसाला क्षेत्र विस्तार को बढाने हेतु प्रोत्साहित किया। साथ ही मृदा परीक्षण, जैविक/प्राकृतिक खेती एवं फसल चक्र, जैविक विधियों से कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में बताया। कृषि वैज्ञानिक डॉ.पी.एस.नरूका ने कृषकों उद्यानिकी फसलों की मार्केटिंग एवं गुणवत्ता नियंत्रण के बारे में जानकारी दी। डॉ.गर्विता रूनवाल ने बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं दुधारू पशुओं पर केसीसी तथा कृत्रिम गर्भाधान योजनाओं की जानकारी दी। एल.डी.एम. श्री सत्येन्द्र शर्मा ने बैंक ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई। जिला रिसोर्स पर्सन श्री सुभाषचन्द्र शर्मा ने पीएम.एफएमई योजना के तहत डीपीआर तैयार करने एवं बैंक ऋण प्राप्त करने हेतु आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी।कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषकगण श्री भागीरथ नागदा (ग्राम बासनिया) श्री घनश्याम रावत (ग्राम रातीतलाई) श्री राधेश्याम मेघवाल (ग्राम खेमपुरा) उपस्थित थे। इस मौके पर किसानों को अन्य कृषकों के यहॉ भ्रमण कराया तथा उन्नतशील खेती के अनुभवों को कृषकों के साथ साझा किया। कार्यक्रम के समापन पर श्री विदेश वसुनिया ने आभार व्यक्त किया।

नीमच में तहसीलदार ने किया जनपद पंचायत सीईओ का अपहरण

अविनाश जाजपुरा। नीमच

नीमच में फिल्मी स्टाईल से जावद जनपद पंचायत के सीईओ आकाश धार्वे का अपहरण हुआ। जैसे ही अपहरण की खबर पुलिस को लगी तो तुरंत पुलिस टीम अलर्ट मोड पर आ गई। कंट्रोल रूम से मध्यप्रदेश और राजस्थान के जिले की पुलिस को खबर पहुंचाई गई कि एक काले रंग की स्कार्पियो में सीईओ को बैठाकर अज्ञात व्यक्ति अपहरण कर ले गए। उज्जैन पुलिस भी अलर्ट मोड पर थी, नागदा में नाकेबंदी के दौरान स्कार्पियों को रोक लिया और मौके जमा भीड भी स्कार्पियों पर टूट पडी। पुलिस ने आक्रोशित भीड के चंगुल से संदिग्ध लोगों को छुडाया और थाने लेकर आए। अहपरण क्यों हुआ, यह सवाल सभी के जहन में है। अपहरण के पीछे सीईओ आकाश धर्वे की लव स्टोरी सामने आई है। बताया जा रहा है कि सीईओ आकाश धुर्वे को वर्ष 2015 में उन्हीं के गांव गंगधार जिला धार मध्यप्रदेश की एक युवति से प्यार हो गया था, कुछ साल तक प्रेम प्रसंग चला और ब्रेकअप हो गया। फिर से 2023 में सीईओ और उस युवती का प्यार परवान पर चढा और अंतत बुधवार रात को युवती अपने परिजनों के साथ नीमच आ धमकी और सीईओ आकाश धार्वे के घर हंगामा होने लगा। मौके पर पुलिस पहुंची और सभी समझाया और मामला शांत कराया। इधर सुबह प्रेमिका के परिजनों ने सीईओ आकाश धार्वे का गोमाबाई नेत्रालय से सामने से अपहरण कर काली स्कार्पियों में बिठकार गांव ले जाने लगे। मामले की जानकारी मिलते ही नीमच पुलिस एक्टिव हुई और नागदा से सीईओ को सुरक्षित बचा लाई।

एक तहसीलदार, 5 पटवारियों ने किया अपहरण

नीमच के एसपी अंकित जायसवाल ने बताया कि सीईओ धारवे के भाई ने सुबह फोन पर अपहरण की सूचना दी। तुरंत कार्रवाई करते हुए नागदा पुलिस के सहयोग से सीईओ को छुड़वा लिया गया। आरोपियों में बेटमा तहसीलदार जगदीश सिंह रधंवा, पटवारी प्रमोद दास, अजय सिंह, अजय उच्छावल, पिंकी सिंह के साथ 13 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

नागदा से अपहरकर्ताओं को लाया गया थाने।

सीईओ धार्वे बोले- मुझे ब्लेकमेल कर रहे थे

इस मामले में अब सीईओ आकाश धार्वे ने कहा उन्हें ब्लेकमेल किया जा रहा था, युवती से उनकी बातचीत थी, इसी आधार पर उन्हें ब्लेकमेल किया जा रहा था।सीईओ ने पुलिस तत्काल कार्यवाही के लिए धन्यवाद दिया।

अपहरण कर ले जा रहे थे गांव की पंचायत में

पुलिस प्रशासन की माने तो पूरे मामले में प्रेम-प्रसंग का मामला सामने आया है। सीईओ आकाश धार्वे का तहसीलदार जगदीश रंधवा के रिश्ते में लगने वाली बहन से प्रेम-प्रसंग लंबे समय से चल रहा था लेकिन शादी नहीं हो रही थी। इसी मामले में बात करने तहसीलदार पटवारी साथी और बहन के साथ देर रात नीमच पहुंचा और उसे गांव चल पंचायत में फैसला करने को कहा लेकिन सीईओ आकाश धार्वे ने दरवाजा नहीं खोला, जब सीईओ रात को बाहर नहीं आए तो सुबह अपहरण की साजिश कर उसे जबरने गांव की पंचायत ले जाने के लिए काले रंग की स्कार्पियों में डाल दिया और अपहरण कर ले जाने लगे। बाद में पुलिस हत्थे चढ़ गए।

कैंट थाने पर बैठे सभी अपहरणकर्ता।

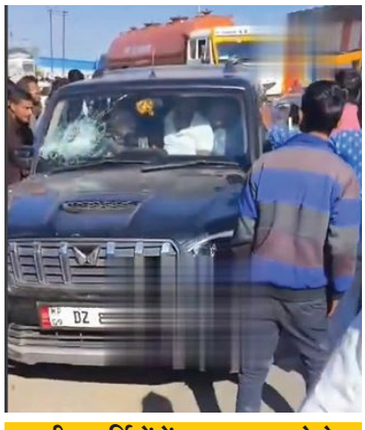

इसी स्कार्पियों में अपहरण कर ले थे सीईओ को।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा बैठे गांव की चौपाल पर और सुनी ग्रामीणों की समस्या

नीमच। जिले में समुदाय विशेष के उत्थान और कल्याण के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे पंख अभियान के तहत कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को बांछड़ा बाहुल्य ग्राम किशनपुरा में ग्राम चौपाल पर ग्रामीणों से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों को स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी और उन्हें इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

आगामी बोर्ड परीक्षाओ में शतप्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हो- कलेक्टर

कलेक्टर ने किया जावी उ.मा.वि.का निरीक्षण

नीमच आगामी बोर्ड परीक्षाओं में शतप्रतिशत विद्यार्थी अच्छी ग्रेड हांसिल कर उत्तीर्ण हो, प्री बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों का विश्लेषण कर, कमजोर बच्चों को चिंहित कर उन पर विशेष फोकस करें और प्रयास करें, कि बोर्ड परीक्षाओं में सभी विद्यार्थी ए ग्रेड के साथ सफलता प्राप्त करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने शुक्रवार को नीमच विकासखण्ड के ग्राम जावी के शा.उ.मा.वि.के निरीक्षण दौरान प्राचार्य, बीईओ एवं जिला शिक्षा अधिकारी को दिए।कलेक्टर ने शा.उ.मा.वि.की कक्षा 10वीं में पहुच कर, विद्यार्थियों से चर्चा की और प्री बोर्ड परीक्षा के परिणाम, प्राप्तांक आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर एसडीएम श्री संजीव साहू, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.एम.मांगरिया भी उपस्थित थे।

प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक विकास के साथ यात्री सुविधाओं में मील का पत्थर साबित होगा रेल बजट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में पेश केन्द्रीय बजट में मध्यप्रदेश के लिए रेलवे सुविधाओं के लिए 14 हजार 745 करोड़ रुपए के बजट आवंटन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त कर मध्यप्रदेश के नागरिकों की ओर से धन्यवाद दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार मध्यप्रदेश को रेलवे से संबंधित विकास कार्यों के लिए इतनी अधिक राशि का अवंटन हुआ है। केन्द्रीय रेल मंत्री ने मध्यप्रदेश में शत-प्रतिशत रेल विद्युतिकरण पर प्रसन्नता व्यक्त की है। मध्यप्रदेश से रेल मंत्रालय को पूरा सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत वर्ष मध्यप्रदेश को इंदौर- मनमाड रेल लाइन और इंदौर से दाहोद गुजरात तक धार होकर जाने वाली रेल परियोजना की स्वीकृति के कार्य हुए हैं। मध्यप्रदेश के नागरिकों को सभी दिशाओं में रेल नेटवर्क, यात्रियों के लिए माल भाड़े से जुड़ी सुविधा, रेल्वे ब्रिज और स्टेशनों के विकास की सौगात निरंतर मिल रही है। यह उत्साहवर्धक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है रेल बजट 2025-26 प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ यात्री सुविधाओं के विस्तार में मील का पत्थर साबित होगा। इस वर्ष मध्य प्रदेश को रेलवे बजट में अभूतपूर्व सौगातें मिली हैं। इस बजट से न केवल रेलवे नेटवर्क का विस्तार होगा बल्कि राज्य में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। रेलवे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार से मध्यप्रदेश के आर्थिक विकास को एक नई दिशा मिलेगी। इसके लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्रीय रेल मंत्री श्री वैष्णव का मैं हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए घोषित रेल बजट 2025-26 में राज्य को रेल अवसंरचना विकास के लिए अभूतपूर्व सौगातें दी गई हैं। इस बजट में 14,745 करोड़ रुपये का भारी भरकम बजटीय आवंटन किया गया है, जो राज्य के रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रेल बजट 2025-26 में 31 नई रेल परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनकी कुल लंबाई 5,869 किलोमीटर है और इन पर 1,04,987 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी और यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। 80 रेलवे स्टेशन विकसित होंगे अमृत स्टेशन के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए मध्य प्रदेश के 80 स्टेशनों को 'अमृत स्टेशन' के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिन पर 2,708 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन स्टेशनों में अकौड़िया, आमला, अनुपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बनापुरा, बरगवां, ब्योहारी, बेरछा, बैतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, ब्यावरा, छिंदवाड़ा, डबरा, दमोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासौदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, इंदौर जंक्शन, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नारदेव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनी मुड़वारा, कटनी साउथ, खाचरोद, खजुराहो जंक्शन, खंडवा, खिरकिया, लक्ष्मीबाई नगर, मैहर, मक्सी जंक्शन, मंडला फोर्ट, मंदसौर, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा जंक्शन, नैनीपुर जंक्शन, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नरसिंहपुर, नेपानगर, नीमच, ओरछा, पांढुर्ना, पिपरिया, रतलाम, रीवा, रुथियाई, सांची, संत हिरदाराम नगर, सतना, सागर, सीहोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, श्यामगढ़, श्योपुर कलां, शिवपुरी, श्रीधाम, शुजालपुर, सिहोरा रोड, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन शामिल हैं। स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं के तहत रानी कमलापति, ग्वालियर, खजुराहो, सतना, इंदौर, बीना और जबलपुर जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के पुनर्विकास पर 1,950 करोड़ रुपये की लागत से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में रेलवे सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। 'कवच' तकनीक के अंतर्गत 3,572 किलोमीटर रेल मार्ग पर सुरक्षा कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 1,422 किलोमीटर पर कार्य प्रगति पर है। यह तकनीक ट्रेन संचालन के दौरान दुर्घटनाओं को रोकने में मदद करेगी और यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाएगी। मध्यप्रदेश में विद्युतीकरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। राज्य में 2,808 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण पूरा किया जा चुका है, जिससे मध्यप्रदेश 100 प्रतिशत विद्युतीकृत राज्य बन चुका है। इसके अलावा, राज्य में 2,456 किलोमीटर नई पटरियों का निर्माण किया गया है, जो डेनमार्क के पूरे रेल नेटवर्क के बराबर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों के बेहतर अनुभव के लिए मध्यप्रदेश में 4 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, जो राज्य के 14 जिलों को जोड़ती हैं ।

युवक को लगा करंट, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, ग्रामीणों ने किया ग्रिड का घेराव

अनिनाश जाजपुरा। नीमच

नीमच जिले में लाइनमैन की लापरवाही के कारण एक युवक को करंट लग गया। सेमली मेवाड़ा गांव में सोमवार शाम को बिजली आपूर्ति बाधित होने पर ग्रामीणों ने लाइनमैन को सूचना दी। लाइनमैन ने बाहर होने का हवाला देते हुए ग्रामीणों को ही लाइन ठीक करने की सलाह दे दी और ग्रिड से बिजली बंद करने का परमिट ले लिया। इसी दौरान सेमली मेवाड़ा निवासी तूफान सिंह (पिता बलवंत सिंह) बिजली ठीक करने के लिए पोल पर चढ़ गए। अचानक ग्रिड से बिजली प्रवाह शुरू कर दिया गया, जिससे तूफान सिंह करंट की चपेट में आकर नीचे गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन तत्काल उन्हें नीमच के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उनका इलाज जारी है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने हनुमंतिया पवार स्थित विद्युत ग्रिड का घेराव कर नारेबाजी और हंगामा किया। जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से बात कर दोषी लाइनमैन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

विद्युत विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए लापरवाह लाइनमैन मनोहर को निलंबित कर दिया है। साथ ही पीड़ित के इलाज का पूरा खर्च लाइनमैन द्वारा वहन किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस आश्वासन के बाद ग्रामीणों का आक्रोश शांत हुआ और उन्होंने घेराव समाप्त कर दिया।

मनासा-कंजार्डा मार्ग पर चलते टेम्पो में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, ड्रायवर ने कूद कर बचाई जान

अनिनाश जाजपुरा। नीमच

नीमच जिले के मनासा-कंजार्डा मार्ग पर रावतपुरा गांव के पास एक चलते टेम्पो में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। टेम्पो में पशुओं का आहार लदा हुआ था और वह मनासा से कंजार्डा की ओर जा रहा था। घटना उस समय हुई, जब टेम्पो वन क्षेत्र में घाट चढ़ रहा था। अचानक शॉर्ट सर्किट होने से वाहन में आग लग गई और देखते ही देखते धुआं निकलने लगा। चालक ओम प्रकाश (निवासी कच्छी मोहल्ला, मनासा) ने तत्काल वाहन से कूदकर जान बचाई। आसपास के ग्रामीणों और वाहन चालकों ने आग बुझाने का प्रयास किया। गुर्जर समाज के ग्रामीण दूध की टंकियों में पानी भरकर मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक टेम्पो का अगला हिस्सा पूरी तरह जल चुका था। सूझबूझ दिखाते हुए लोगों ने टेम्पो में लदे लगभग 40 कट्टे पशु आहार को समय रहते बाहर निकाल लिया, जिससे माल को नुकसान होने से बचाया जा सका। कंजार्डा पुलिस चौकी प्रभारी नीलेश सोलंकी ने बताया कि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

14 फीट लंबे मगरमच्छ को किया गया रेस्क्यू

नीमच जिले में मनासा उपवन मंडल क्षेत्र के हाडी पिपलिया गांव में शनिवार रात को एक मगरमच्छ घुस आया। दो क्विंटल वजनी और 14 फीट लंबा मगरमच्छ गांव की गलियों में घूमता दिखा। ग्रामीणों ने वन विभाग की टीम को सूचना दी। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़कर गांधी सागर जलाशय में छोड़ा। देवकन्या बाई ने बताया कि गांव के कुत्तों ने अचानक जोर-जोर से भौंकना शुरू कर दिया। बाहर निकलकर जब देखा तो मगरमच्छ गलियों और घरों के आस-पास घूम रहा था। यह मगरमच्छ संभवत गांव के पास की दो नदियों में से किसी एक से निकलकर गांव में पहुंचा था।

निरोग्यम नीमच स्वास्थ्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण अभियान है-परिहार

'निरोग्यम नीमच अभियान'' नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा की अभिनव पहल है-श्री चौहान

विधायक श्री परिहार एवं जि.प.अध्यक्ष श्री चौहान ने नीमच में किया निरोग्यम नीमच अभियान का शुभारंभ

अविनाश जाजपुरा| नीमच

नीमच जिला प्रशासन द्वारा जिले के नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए प्रारंभ 21 दिवसीय ''निरोग्यम् नीमच अभियान'' बहुत ही महत्वपूर्ण अभियान है। यह बात नीमच विधायक श्री दिलीपसिह परिहार ने मंगलवार 4 फरवरी को जिला चिकित्सालय नीमच में निरोग्यम् नीमच वृहद जागरूकता रैली को रवाना कर, निरोग्यम् नीमच अभियान के शुभारंभ अवसर पर कही। इस मौके पर विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिंह चौहान, नीमच न.पा.अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने हरी झण्डी दिखाकर, वृहदनिरोग्यम् नीमच जागरूकता रैली को रवाना कर, निरोग्यम् नीमच अभियान का शुभारंभ किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान ने निरोग्यम् नीमच अभियान की सराहना करते हुए कहा, कि यह अभियान जिले के नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन की अभिनव पहल है। इसके माध्यम से जिले के सभी नागरिकों को स्वास्थ्य कार्यक्रमों का लाभ सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा हैं। निरोग्यम् नीमच जागरूकता रैली जिला चिकित्सालय नीमच से प्रारंभ होकर शहर में सब्जी मण्डी, कमल चौक, घण्टाघर, नयाबाजार, बारादरी , फ्वारा चौक, सहित विभिन्न मार्गो से होकर पुनः जिला चिकित्सालय आकर रैली का समापन हुआ। रैली में आंगनवाडी, आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य अमला एवं छात्र-छात्राएं शामिल थे।इस मौके पर एसडीएम नीमच श्री संजीव साहू, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र पाटील, डॉ.मनीष यादव, डॉ.आर.के.खाद्योत, डॉ.संगीता भारती, डॉ.विजय भारती व अन्य चिकित्सकगण, स्वास्थ्य कर्मचारी व अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मनासा में विधायक श्री मारू ने किया ''निरोग्यम नीमच अभियान'' का शुभारंभ

जिले के उपखण्ड मुख्यालय मनासा में ''निरोग्यम नीमच अभियान'' का शुभारंभ विधायक मनासा श्री अनिरूद्ध मारू ने एसडीएम श्री पवन बारिया, बीएमओ डॉ.बी. एल.भायल की उपस्थिति में किया। इस मौके पर विधायक ने वृहद निरोग्यम नीमच जागरूकता रैली को झण्डी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है, कि निरोग्यम् नीमच अभियान में 100 दिवसीय मिशन अभियान, आयुष्मान भारत सुपोषण अभियान, मिशन इंद्रधनुष, कुष्ठ रोग नियंत्रण कार्यक्रम, जन्मजात विकृति वाले बच्चों का डोर-टू-डोर सर्वे कर, शेष हितग्राहियों का चिन्हांकन कर, शतप्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित किया जावेगा। जरूरतमंदों को आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाकर आवश्यकतानुसार फूड बास्केट भी वितरित की जावेगी।

देश में पहला मामला जब सरपंच ने सरपंची का दे दिया ठेका

500 रुपए के स्टांप पर दिया गया था सरपंच का ठेका, प्रशासन आया हरकत में- सरपंच को पद से हटाया जाएगा

अविनाश जाजपुरा। नीमच

मनासा के गांव दाता के सरपंच ने अपनी संरपची ही ठेके पर दे दी। बकायदा 500 रुपए के स्टांप पर सरपंची ठेके पर दी गई। इसका खुलासा होने के बाद प्रशासन हकरत में आया और सीईओ को नोटिस जारी करने के बाद सरपंच को पद से हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। जिस पद को पाने के लिए चुनाव में लाखों रुपए खर्च कर देते हैं, जब इसी पद को गिरवी रख दिया जाए तो बड़ी चौंकाने वाली बात होगी । जी हां नीमच जिले की मनासा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत दांता मैं ऐसा ही हुआ है दांता पंचायत की सरपंच कैलाशी बाई ने सुरेश नामक व्यक्ति को 500 के स्टांप पर अपना सरपंच पद ठेके पर दे दिया वही एग्रीमेंट में गाव के सदाराम और मन्नालाल के साइन है साथ ही ठेके पर लेने वाले सुरेश के साइन के साथ पंचायत के सरपंच की सील भी लगी हुई है । मामला जब सामने आया तो नीमच से लेकर दिल्ली तक हलचल मचा दी, माना जा रहा है कि यह देश का ऐसा पहला मामला है जहां पर किसी सरपंच ने अपना पद ठेके पर दे दिया ।

मनासा तहसील की ग्राम पंचायत दांता की महिला सरपंच कैलाशीबाई ने अपने पद की 'ठेकेदारी' कर डाली। उन्होंने सरपंची पद को 500 रूपए के स्टांप पर बाकायदा एक समझौते के तहत सुरेश को सौंप दिया। कॉन्ट्रैक्ट में यह तक लिखा गया कि जब तक सरपंच पद पर कैलाशीबाई बनी रहेंगी, तब तक पंचायत के सभी कार्य सुरेश करेंगे।

प्रोजेक्ट का दिया हवाला- ठेकेदार करेगा कार्य

ग्राम पंचायत दांता में 24 जनवरी 2025 को सरपंच कैलाशीबाई और सुरेश के बीच एक कॉन्ट्रैक्ट पत्र लिखा गया। इसमें स्पष्ट रूप से पंचायत से जुड़े तमाम कार्यों जैसे मनरेगा (MNREGA), प्रधानमंत्री आवास योजना, वाटरशेड प्रोजेक्ट आदि की जिम्मेदारी सुरेश को दी गई। इसमें यह भी तय किया गया कि जहां भी हस्ताक्षर की जरूरत होगी, सरपंच सिर्फ सुरेश की सहमति से ही साइन करेंगी।

पद से हटेकी सरपंच- कार्यवाही शुरू

मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, तो प्रशासन हरकत में आया और सरपंच को पद से हटाने का नोटिस जारी कर दिया गया। पूरे मामले में जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव ने बताया की सरपंच को पद से पृथक करने के लिए नोटिस जारी किया है

मानवीय दृष्टिकोण, भावनात्मक सहयोग उपचार को करता है आसान - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

एम्स भोपाल में 2 दिवसीय पेलियेटिव केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम में हुए शामिल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि कैंसर की सही समय में जाँच पर पूर्ण निदान सहजता से संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गौरवशाली नेतृत्व में आज आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है। चिकित्सकीय संस्थानों का उन्नयन किया जा रहा है। अधोसंरचना विकास के साथ अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा की चिकित्सा क्षेत्र में संसाधनों के साथ चिकित्सकीय मैनपॉवर का मानवीय रवैया, भावनात्मक सहयोग उपचार को आसान करता है। मरीजों और परिजनों में संतोष का भाव जागृत करता है। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सभी अधिकारियों कार्मिकों में मानवीय संवेदनाओं की समझ और उसका प्रगटीकरण अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्व कैंसर दिवस पर एम्स भोपाल में आयोजित 2 दिवसीय पेलियेटिव केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कैंसर का निदान सहज और सुलभ बनाने के लिये केंद्रीय बजट में हर ज़िले में कैंसर केयर सेंटर बनाने का ऐतिहासिक प्रावधान किया गया है। साथ ही कैंसर दवाओं को किफायती दरों में उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। आयुष्मान भारत योजना से हर नागरिक आज उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं सहजता से प्राप्त कर पा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन में स्वस्थ भारत महत्वपूर्ण आयाम है। इसके लिये केन्द्र और राज्य सरकार पूर्ण समर्पण से प्रयास कर रही हैं। इसे साकार करने हेल्थ मैनपावर की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि चिकित्सक का दायित्व केवल उपचार करने तक सीमित नहीं है। उपचार के साथ और उपचार के बाद मरीज़ को जो मानसिक और भावनात्मक सहयोग चिकित्सक या अस्पताल स्टाफ से मिल सकता है, वो उसकी रिकवरी को और तेज़ करने में सहायक होता है। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों और नर्सिंग ऑफिसर से प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाने का आह्वान किया।

असंचारी रोगों के बेहतर प्रबंधन के लिए "टेस्ट और ट्रीट" अवधारणा पर किया जा रहा है कार्य

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। मेडिकल कॉलेजों में संभागीय मुख्यालयों में लाइनैक मशीन, पेट स्कैन, ब्रेकी थेरेपी एयर कैथ लैब जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि हृदय रोग, कैंसर जैसे असंचारी रोगों का समुचित निदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि इन रोगों के बेहतर प्रबंधन के लिए "टेस्ट और ट्रीट" अवधारणा पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मियों से आह्वान किया कि पूरे समर्पण से मिशन मोड में सेवा भाव से कार्य करें। संसाधनों के साथ समर्पित प्रयास से मध्यप्रदेश शीघ्र ही स्वास्थ्य मानकों में अग्रणी राज्य बनेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विगत दिवस जबलपुर, भोपाल और इंदौर में ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अंग रिट्रीवल एवं प्रत्यारोपण कर बहुमूल्य जीवन के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले चिकित्सकीय और सहायक चिकित्सकीय स्टाफ की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा ऐसे समर्पित प्रयासों से चिकित्सकीय कार्मिको का मान बढ़ता है और समाज में अपने प्रतिष्ठित स्थान के साथ वे न्याय करते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रशिक्षण प्रदान करने वाले मास्टर ट्रेनर और रिसोर्स पर्सन को सम्मानित किया। अध्यक्ष एम्स प्रो. डॉ. सुनील मलिक ने पैलिएटिव केयर के विभिन्न आयामों और महत्व पर प्रकाश डाला।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने असंचारी रोगों के बढ़ते दबाव और प्रबंधन के लिए किये जा रहे प्रयासों की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और एम्स के संयुक्त तत्वाधान में किया गया है। एम्स के वरिष्ठ चिकित्सक, प्रोफेसर्स और विषय विशेषज्ञों ने पैलिएटिव केयर की जिम्मेदारियों और दायित्वों की चिकित्सकों और नर्सिंग ऑफिसर को विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

क्या है पेलिएटिव केयर..

पेलिएटिव केयर गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए विशेष चिकित्सा देखभाल है। पेलिएटिव केयर का उद्देश्य मरीज़ में दर्द या अन्य कोई शारीरिक, मानसिक या सामाजिक समस्याओं की पहचान और सही मूल्यांकन कर उसकी पीड़ा को कम करने में मदद करना है। इसके लिए ऐसे मरीज़ों के परिजनों को भी परामर्श और तकनीकी कौशल को बढ़ाने की ज़रूरत है ताकि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद घर पर उसकी बेहतर देखभाल हो सके। साथ ही साथ अस्पताल में बार-बार भर्ती होने की संभावनाओं को न्यूनतम किया जा सके।पेलिएटिव केयर कार्यक्रम में कैंसर विभाग, रेडियोथैरेपी, एनेस्थिशिया, मेडिसिन एवं सायकेट्री विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण है। लेकिन इसके साथ ही फंटलाईन डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ को भी इसकी समझ ज़रूरी है, क्योंकि इन्हीं लोगों के पास सबसे पहले कोई मरीज़ अपनी तकलीफ को लेकर पहुंचता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनियाभर में 5 करोड़ 68 लाख लोगों को पेलिएटिव केयर की आवश्यकता है। इनमें से लगभग 2 करोड़ 57 लाख लोग जीवन के अंतिम पड़ाव पर हैं। वैश्विक स्तर पर 14 प्रतिशत लोगों को ही पेलिएटिव केयर उपलब्ध है।

8वें वेतन आयोग के बाद कितनी बढ़ जाएगी सैलरी? इस तरीके से सरकार करती है कैलकुलेट

केंद्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है. इससे केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनर्स को फायदा होगा. 8वें वेतन आयोग की लंबे समय से मांग की जा रही थी.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है, जिसकी जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 16 जनवरी को दी. वेतन आयोग का ऐलान कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के बाद किया गया. सरकार ने दिवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (DA) बढ़ाकर 53 परसेंट कर दिया. केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का DA जनवरी में फिर से बढ़ने वाला है. फिलहाल कर्मचारियों और पेंशनर्स को सातवें वेतन आयोग के तहत सैलरी व पेंशन मिल रही है, जिसे 1 जनवरी 2016 में लागू किया गया था.

पीएम मोदी को कर्मचारियों के प्रयास पर गर्व

8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 2026 से लागू होंगी. ईटी वेल्थ ऑनलाइन ने इस पर एक्सपर्ट्स से बात कर यह जानने की कोशिश की कि पिछले वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार के कर्मचारियों को औसतन कितनी वेतन वृद्धि की उम्मीद करनी चाहिए. इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर कहा, ''हम सभी सरकारी कर्मचारियों के प्रयासों पर गर्व करते हैं, जो एक विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करते हैं. 8वें वेतन आयोग पर कैबिनेट के फैसले से उनकी जीवन की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ कंजप्शन को भी बढ़ावा मिलेगा.''

इतनी सैलरी हाइक की कर सकते उम्मीद

SKV Law Offices के सीनियर एसोसिएट निहाल भारद्वाज ने द इकोनॉमिक टाइम्स से बात करते हुए कहा, ''पिछले वेतन आयोगों के तहत हुई वृद्धि के आधार पर सरकारी कर्मचारी 8वें वेतन आयोग के तहत औसतन 25-30 परसेंट तक सैलरी हाइक की उम्मीद कर सकते हैं. 6वें वेतन आयोग (1 जनवरी, 2006 -2016 तक) में फिटमेंट फैक्टर 1.86 के तहत 40 परसेंट वेतन वृद्धि हुई थी, जबकि 7वें वेतन आयोग (1 जनवरी, 2016-2026) ने फिटमेंट फैक्टर 2.57 रखा था, जिससे लगभग 23-25 परसेंट तक सैलरी बढ़ी थी.''

2.86 फिटमेंट फैक्टर रहने की संभावना

वहीं कुछ एक्सपर्ट्स 8वें वेतन आयोग में न्यूनतम बेसिक सैलरी में 186 परसेंट तक की जबरदस्त वृद्धि होने की उम्मीद कर रहे हैं. इससे मिनिमम बेसिक सैलरी मंथली 51,480 रुपये हो जाएगी. इस बार फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 2.86 तक करने की संभावना जताई जा रही है.

कैसे करेंगे सैलरी हाइक को कैलकुलेट?

वहीं कुछ एक्सपर्ट्स 8वें वेतन आयोग में न्यूनतम बेसिक सैलरी में 186 परसेंट तक की जबरदस्त वृद्धि होने की उम्मीद कर रहे हैं. इससे मिनिमम बेसिक सैलरी मंथली 51,480 रुपये हो जाएगी. इस बार फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 2.86 तक करने की संभावना जताई जा रही है.

केंद्र सरकार फिटमेंट फैक्टर के जरिए सैलरी में हाइक को कैसे कैल्कुलेट करते हैं इसे एक उदाहरण से समझ सकते हैं. मान लीजिए कि अभी आपकी बेसिक सैलरी मंथली 40,000 रुपये है और 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर को 2.5 रखा गया है. इसके आधार पर आपकी बेसिक सैलरी बढ़कर मंथली 1 लाख रुपये हो जाएगी. हालांकि, शुरुआती अवधि में महंगाई भत्ता नहीं मिलेगा क्योंकि आमतौर पर वेतन आयोग इसके लिए रिकमेंडेशंस करता है. इसके अनुसार महंगाई भत्ता आने वाले समय के वेतन में जुड़ जाता है. वेतन आयोग की रिकमेंडेशंस के आधार पर दूसरे अलाउंस में भी बदलाव हो सकता है.

भारतीय संस्कृति और सृजनात्मकता का जीवंत प्रतीक है विशाल रंगोली: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शौर्य स्मारक में 18 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में प्राकृतिक रंगों से बनाई गई स्वामी विवेकानंद पर 3D रंगोली,स्वामी विवेकानंद जयंती और युवा शक्ति मिशन के शुभारंभ पर हुई अनूठी पहल,गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुई रंगोली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद की जयंती और प्रदेश में युवा शक्ति मिशन के शुभारंभ पर शौर्य स्मारक में 18 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में बनाई गई स्वामी जी की विश्व की सबसे बड़ी 3D रंगोली, भारतीय संस्कृति और सृजनात्मकता का जीवंत प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अद्भुत कौशल और अतुलनीय कला से समृद्ध हमारी युवा बेटियों की यह पहल प्रत्येक युवा को हमारे प्रदेश का नाम गर्व से ऊंचा करने की निरंतर प्रेरणा देती रहेगी। इस विशिष्ट रंगोली को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शौर्य स्मारक में बनाई गई रंगोली के अवलोकन के बाद उक्त विचार व्यक्त किए। चार हजार किलोग्राम प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर 225 x 80 फीट क्षेत्र में बनाई गई इस रंगोली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के चित्र को भी बखूबी दर्शाया गया। रंगोली के माध्यम से धरती को सुरक्षित और संरक्षित करने के लिये युवाओं के संकल्प और उत्साह को भी प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस विशिष्ट रंगोली के गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने का सर्टिफिकेट ऑफ़ एक्सीलेंस प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने रंगोली का चित्र भेंट किया। उल्लेखनीय है कि यह विशिष्ट रंगोली इंदौर की रंगोली कलाकार शिखा शर्मा जोशी और उनकी टीम द्वारा बनाई गई। सुश्री शिखा नेपाल और थाईलैंड में उत्कृष्टा पुरस्कार जीत चुकी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुश्री शिखा और उनकी टीम के अन्य कलाकारों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं की। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक श्री भगवान दास सबनानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शहर और गाँवों में लगाए गए लगभग साढ़े पांच सौ शिविर

इंदौर जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार नागरिकों की समस्याओं के निराकरण और शासकीय सुविधाओं का लाभ देने के लिए शहर और गाँवों में लगभग साढ़े पांच सौ शिविर लगाये गए। इन शिविरों में नागरिकों द्वारा कुल 77 हजार 762 आवेदन दिये गए। इनमें से 73 हजार 839 नागरिकों के आवेदन स्वीकृत किये गए। शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान का जिले में 26 जनवरी तक क्रियान्वयन किया जाएगा। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिले में जनकल्याण अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिले में 11 दिसम्बर से जनकल्याण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों में तथा शहरों में वार्डवार शिविर निर्धारित तिथियों में लगाये जा रहे हैं। अभी तक जिले में 539 शिविर आयोजित किए जा चुके है। इनमें से इंदौर शहर के वार्डों में 85 शिविर लगाए जा चुके है। इसी तरह जनपद पंचायत देपालपुर में 108, सांवेर जनपद में 81, महू जनपद में 78, इंदौर जनपद में 67 शिविर लगाए गए हैं। इसी प्रकार सभी आठों नगर परिषदों में 15-15 शिविर आयोजित किए गए हैं। उक्त शिविरों में कुल 77 हजार 762 आवेदन प्राप्त हुए है, इनमें से 73 हजार 839 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है। अपात्रता होने से 316 आवेदन निरस्त किए गए है। शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। बताया गया कि जनकल्याण अभियान में आमजन से जुड़ी 63 शासकीय सेवाओं का लाभ नागरिकों तक सीधा पहुँचाया जा रहा है। साथ ही 45 हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत भी नागरिकों के प्रकरण तैयार किए जा रहे है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यह अभियान राज्य शासन का अतिमहत्वपूर्ण अभियान है, इस अभियान को पूर्ण गंभीरता से लिया जाए, अधिक से अधिक नागरिकों को इस अभियान के माध्यम से लाभ दिया जाए। अभियान के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जाये। उन्होंने अभियान के तहत सीएम हेल्पलाइन के अधिक से अधिक प्रकरणों को भी समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। बताया गया कि शिविरों में आवेदकों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृत की जा रही है। जिले में श्रमिकों का पंजीयन विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आवेदकों के नए कार्ड बनाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के तहत प्रकरण तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही पशु पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के ड्रायविंग लायसेंस बनाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा कॉलेजों में शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में लगभग 5 हजार 847 से अधिक लर्निंग लायसेंस बनाकर जारी किए गए हैं। आयुष्मान भारत योजना में आयुष्मान कार्ड से वंचित 22 हजार 895 आवेदकों को आयुष्मान कार्ड बनाकर दिए गए। अभियान में नये 2 हजार 176 हितग्राहियों को समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1173 हितग्राहियों को राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन तथा 880 विधवाओं को राष्ट्रीय विधवा पेंशन स्वीकृत की गई।

कलेक्टर ने भिक्षावृत्ति प्रतिबंध का पालन कराने एवं कार्यवाही करने तथा चिन्हित लोगों को आश्रय स्थल प्रतिस्थापित करने गठित किया दल

भोपाल ट्रैफिक सिग्नल, चौराहों, धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भिक्षावृत्ति पर रोक लगाए जाने के लिए कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 अंतर्गत धारा 163 का आदेश जारी कर भोपाल जिले के समस्त राजस्व सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की भिक्षावृत्ति को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने दल गठित कर भिक्षावृत्ति को रोके जाने एवं कार्यवाही करने तथा चिन्हित लोगों को आश्रय स्थल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कोलार प्रतिस्थापित करने के लिए श्री आर के सिंह संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग, श्री रणवीर कुमार, अपर आयुक्त नगर निगम, श्री सुनील सोलंकी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास एवं श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। गठित जिला स्तरीय दल अपने अधीनस्थ अमलों की डयूटी लगाई जाकर शहर के प्रमुख स्थलों, ट्रैफिक सिग्नल, धार्मिक स्थलों पर भ्रमण कर भिक्षावृत्ति करने एवं भिक्षा देने वालों की वीडियोग्राफी / फोटोग्राफी कराते हुए संबंधित के विरूद्ध पुलिस विभाग के सहयोग से नियमानुसार कार्यवाही कराना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही चिन्हित भिक्षुकों को आश्रय स्थल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोलार में प्रतिस्थापित कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

दिव्यांगजनों हेतु सुगम्य शहर भ्रमण कार्यक्रम

उज्जैन,। मध्यप्रदेश शासन, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा केंद्र सरकार के पहल पर दिव्यांगजनों हेतु सुगम्य शहर भ्रमण कार्यक्रम प्रारंभ किया हैं। इसके तहत दिव्यांगजनों को सरकारी भवनों, नगर पालिका कार्यालयों, पुस्तकालयों एवं आम पर्यटक स्थलों का भ्रमण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया जिससे दिव्यांगजनों के लिए सुगम्यता संबंधी मुद्दों की जमीनी हकीकत को समझने में मदद मिल सके। इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता करते हुए मध्यप्रदेश विकलांग सहायता समिति से 20 दिव्यांग बच्चों एवं युवाओं को उज्जैन शहर में शासकीय चरक चिकित्सालय, रेल्वे स्टेशन, जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, मोतिलाल नेहरू नगर पोस्ट ऑफिस, पासपोर्ट सेवा केन्द्र, इण्डियन कैफे हाउस तथा सब्जी मंडी आदि का भ्रमण करवाया गया। इससे दिव्यांग बच्चों का उत्साहवर्धन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग के श्री सतीश कुमार सोलंकी नें हरी झंडी दिखा कर किया तथा भ्रमण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानों पर अपनी उपस्थिती दी। उक्त जानकारी समिति संचालक फादर जीजो जॉर्ज नें दी।

राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिला पंचायत कार्यालय में हुआ प्रशिक्षण

हॉटस्पॉट को चिह्नित कर, लार्वा पनपने के सभी स्रोतों का गहन और नियमित सर्वे किया जाए - सीएमएचओ भोपाल

स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिला पंचायत कार्यालय भोपाल में प्रशिक्षण सह समीक्षा बैठक का आयोजन मंगलवार को किया गया। जिसमें मलेरिया विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं को वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, मलेरिया स्लाइड और स्मीयर प्रिपरेशन, माइक्रोस्कोपिक जांच, रिपोर्टिंग, मच्छरों की रोकथाम के लिए एडल्टिसाइड्स और लार्वा साइड्स,जागरूकता गतिविधियों, सामुदायिक सहभागिता के बारे में जानकारी दी गई।

इस दौरान भोपाल जिले में वेक्टर बोर्न डिजीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत वर्ष 2024 में किए गए कार्यों की समीक्षा क्षेत्रवार समीक्षा की गई। साथ ही डेंगू, चिकनगुनिया के हॉटस्पॉट के अनुरूप वर्ष 2025 का एक्शन प्लान एवं रणनीति तैयार की गई। वेक्टर जनित बीमारियों की जानजागरुकता के लिए कार्य कर रहे एंबेड परियोजना के समन्वयक डॉ. संतोष भार्गव द्वारा मच्छरों के प्रजनन और जीवन चक्र के बारे विस्तारपूर्वक बताया गया।

प्रशिक्षण में बताया गया कि भारत देश मलेरिया मुक्ति के रास्ते पर है एवं वर्ष 2030 तक जीरो मलेरिया लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयास किए जा रहे है। वेक्टर जनित रोगों की जांच और उपचार की सुविधा शासकीय अस्पतालों में निशुल्क दी जा रही है। वाहक जनित रोगों के प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी निजी स्वास्थ्य संस्थाओं को स्वास्थ्य विभाग को तुरंत अवगत करवाने के निर्देश दिए गए हैं। मलेरिया नियंत्रण के लिए शीघ्र जांच एवं पूर्ण उपचार, घर-घर भ्रमण कर बुखार रोगियों की मलेरिया जांच हेतु सर्विलेंस, कीटनाशक युक्त मच्छरदानी का वितरण, कीटनाशक छिड़काव, लार्वा नियंत्रण के लिए गतिविधियां, प्रशिक्षण एवं सपोर्टिव सुपरविजन किया जा रहा है। मलेरिया की शीघ्र जांच के लिए आशा कार्यकर्ताओं को जांच किट उपलब्ध कराई गई है।

प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हिमांशु जैसवार ने कहा कि सर्विलेंस कार्य का सुदृढ़ीकरण किया जाना आवश्यक है। मैदानी स्टाफ सर्वे के दौरान ऐसी कालोनियों एवं घरों की जानकारी का डेटा बेस तैयार करें जहां नियमित रूप से लार्वा पाया जा रहा हो। प्रशिक्षण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि सर्वे करने की तकनीक में बदलाव के साथ ऐसे स्थानों पर सर्वे करना आवश्यक है जहां पर लार्वा पनपने की संभावना होती है। उन्होंने कहा कि एयर कंडीशनर से गिरते हुए पानी को बाल्टी या बर्तन में इकठ्ठा किया जाता है, लेकिन कई दिनों तक उसे खाली नहीं किया जाता है। ऐसे में लार्वा पनपने की संभावना बनी रहती है।

सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों का करे निराकरण - संभागायुक्त श्री सिंह

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने समाधान ऑनलाइन, सीएम हेल्पलाइन पर 100 दिवस से लंबित शिकायतों का शीघ्र संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने किसानों को फसल कटाई के पश्चात पराली न जलाने हेतु जागरूक करने एवं उससे होने वाली दुष्परिणामों से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया। श्री सिंह ने भारत सरकार द्वारा 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन निक्षय अभियान हेतु भोपाल संभाग अंतर्गत सीहोर एवं विदिशा जिलों द्वारा किए गए स्क्रीनिंग की प्रगति जानी एवं 100 दिवसीय इस अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए । श्री सिंह ने राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम की समीक्षा की एवं स्कूलों में आयोजित होने वाले शिविरों की समीक्षा की।श्री सिंह ने आज कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त कमिश्नर श्री विनोद यादव, राजस्व उपायुक्त श्रीमती किरण गुप्ता एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में समय-सीमा अंकित पत्रों का निराकरण करने तथा आगामी बैठक में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। श्री सिंह ने आगामी समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए चिन्हित सीएम हेल्पलाइन विषयों पर लंबित शिकायतों की समीक्षा की एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 100 दिवस से लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निराकरण करें।किसान कल्याण तथा कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान किसानों को सोयाबीन उपार्जन के अंतर्गत त्वरित भुगतान एवं उपार्जित फसल का शीघ्र परिवहन किए जाने के निर्देश दिए गए। किसानों द्वारा पराली जलाने को सख्ती से रोका जाए तथा पराली जलाने पर वैधानिक कार्यवाही भी की जाए। श्री सिंह ने मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में जिलेवार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों प्रगति की समीक्षा की। श्री सिंह ने 50 से अधिक लंबित योजनवार आवेदनों की समीक्षा की। श्री सिंह ने हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ सभी को प्रदान करने के निर्देश दिए।

बुरहानपुर जिले में 34 हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूल में आईसीटी लैब की स्थापना

विद्यार्थियों को ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अध्यापन की सुविधा प्रदान

इन्दौर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण इंदौर द्वारा बुरहानपुर जिले में स्कूल शिक्षा विभाग की विगत वर्ष की उपलब्धियाँ की जानकारी देते हुए बताया गया है कि विद्यार्थियों हेतु विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन समय सीमा में किया गया है। बुरहानपुर जिले में संचालित 34 हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी स्कूलों में आई.सी. टी. लैब की स्थापना की गई है, जिसके तहत प्रत्येक शाला को 10 कंप्यूटर, एक प्रिंटर, एक एल.ई.डी. टीवी तथा एक डिजिटल पैड प्रदान किए गए हैं।स्मार्ट क्लास योजना के अंतर्गत जिले में 17 हाई स्कूल/हाई सेकेंडरी स्कूलों में दो-दो इंटरएक्टिव पैनल व दो बालिका छात्रावासों में एक-एक इंटरएक्टिव पैनल प्रदान कर, विद्यार्थियों को ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से अध्यापन की सुविधा प्रदान की गई है। इसी प्रकार शिक्षक-शिक्षिकाओं को ऑनलाइन शिक्षा सुविधा से जुड़ने के लिए प्रति शिक्षक 10 हजार रुपये के मान से टैबलेट क्रय हेतु राशि प्रदान की गई, जिसके तहत 452 शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा टैबलेट क्रय किए गए। साथ ही रोजगारोन्मुखी शिक्षा भी प्रदान की जा रही है। जिले में शिक्षा में नवाचार व गतिविधि आधारित शिक्षा के अंतर्गत 05 विद्यालयों में पी.एम. श्री योजना के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान होकर अनेक अकादमिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जिले में संचालित 04 सी.एम. राइज विद्यालयों में से 03 सीएम राइज विद्यालयों के भवन लगभग पूर्णतः की ओर है, जिनमें सर्व सुविधायुक्त शिक्षा का संचालन शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। पिछले वर्ष शाला स्तर पर खेलकूद के आयोजन भी किए गए थे। संभाग हेतु जिले में 672 खिलाड़ियों का विभिन्न खेलों में चयन भी किया गया था, जिसमें 91 खिलाड़ियों का राज्य स्तर का चयन हुआ है। जिले के 02 खिलाड़ियों का एथलेटिक व भारोत्तलन में राष्ट्रीय स्तर पर भी चयन हुआ है। नवाचार एवं अच्छे कार्य के लिए अवार्ड तथा पुरस्कार भी मिले हैं।अगले वर्ष की योजनाओं का क्रियान्वयन भी समय सीमा में किए जाने का लक्ष्य है।

कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना व सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना से क्षिप्रा में प्रवहमान होगा अविरल जल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने 32 मीटर गहरे बामोरा ग्राम स्थित शाफ्ट-3 में उतरकर निर्माणाधीन टनल का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने की राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों के उल्लेखनीय योगदान व राष्ट्र प्रेम की भावना की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को क्षिप्रा शुद्धिकरण के लिए निर्माणाधीन कान्ह क्लोज डक्ट डायवर्जन परियोजना का उज्जैन के ग्राम बामोरा स्थित 32 मीटर गहरे शाफ्ट-3 की निर्माणाधीन टनल में उतरकर कार्य का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता, समय सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत कान्ह क्लोज डक्ट डायवर्जन परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस योजना से हमारे कई वर्षों का संकल्प मूर्त रूप लेगा। इस परियोजना से कान्ह का दूषित जल क्षिप्रा के किसी भी तट पर नहीं मिलेगा। कान्ह नदी का पानी शुद्धिकरण के बाद गंभीर नदी के डाउन-स्ट्रीम तक पहुंचाया जाएगा जिससे किसानों को भी सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी भी मिल पाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टनल में कार्यरत श्रमिकों से संवाद कर कुशलक्षेम जानी

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने टनल में उतरकर कार्यरत श्रमिकों से संवाद कर उनकी कार्यशैली, जीवन चर्या व कार्य का समय और उनकी कुशलक्षेम जानी। श्रमिकों ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव की सहृदयता व संवेदनशील व्यवहार देखकर उनसे खुलकर चर्चा की। श्रमिकों ने कहा कि वह माता क्षिप्रा को स्वच्छ करने वाली इस परियोजना के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर देश के लिए अपना योगदान दे रहे हैं। इस बात पर मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने श्रमिकों के देश निर्माण में उल्लेखनीय योगदान व देश प्रेम की भावना की सराहना की। इसके पूर्व एसीएस डॉ. राजेश राजौरा के द्वारा मुख्यमंत्री डॉ.यादव, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटील, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल व नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव को योजना संबंधी सोमवार तक के कार्य प्रगति की जानकारी दी। कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का भूमि-पूजन भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा जून 2024 में किया गया था। यह परियोजना सितंबर 2027 तक पूर्ण होगी। इसमें कार्य करने वाली एजेंसी द्वारा 15 वर्षों का संचालन तथा रख-रखाव का प्रावधान किया गया है। इससे क्षिप्रा नदी होकर सतत् प्रवहमान होगी। स्वच्छ व निर्मल इसमें कान्ह नदी का दूषित जल नहीं मिलेगा। उक्त परियोजना की कुल लंबाई 30.15 किमी होगी, जिसमें 12 किमी लम्बी टनल होगी व 18.15 किमी कट एंड कवर भाग होगा। कान्ह डायवर्जन क्लोज डक्ट परियोजना निर्माणाधीन है जिसके कट एंड कवर भाग में खुदाई एवं पीसीसी कार्य, टनल भाग में चार शाफ़्ट के माध्यम से वर्टिकल एवं हॉरिजॉन्टल खुदाई का कार्य एवं कास्टिंग यार्ड में प्री-कास्ट सेगमेंट की कास्टिंग का कार्य प्रगतिरत है। परियोजना के शुरुआती 6.90 कि. मी. कट एंड कवर भाग में खुदाई एवं पीसीसी कार्य प्रगतिरत है। परियोजना अंतर्गत उपयोग में लाए जाने वाले प्री-कास्ट सेगमेंट की कास्टिंग का कार्य ग्राम गंगेडी में स्थित कास्टिंग यार्ड में जारी है। प्री-कास्ट सेगमेंट्स को कास्टिंग यार्ड से परियोजना के एलाइनमेंट तक पहुंचाने एवं पीसीसी बेड पर रखने तथा आपस में जोड़ने का कार्य जल्द ही प्रारंभ होगा। परियोजना के टनल भाग अंतर्गत चार शाफ़्ट क्रमशः ग्राम पालखेड़ी, चिंतामन जवासिया, बामोरा एवं देवराखेड़ी में स्थित है। शाफ़्ट नंबर 01 एवं 02 में वर्टिकल खुदाई का कार्य प्रगतिरत है|

काले नोट दिखाकर महाराष्ट्र के व्यक्ति के साथ की लाखो की ठगी

सायबर सेल ने किया 10 लाख रुपये की ठगी का पर्दाफाश, चार आरोपी गिरफ्तार

अविनाश जाजपुरा| नीमच

सायबर सेल नीमच ने एक बड़े अन्तर्राज्यीय ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक व्यक्ति को रुपये डबल करने का झांसा देकर 10 लाख रुपये की ठगी की थी। गिरफ्तार आरोपियों में शेरबादशाह उर्फ संजु, बब्बर हुसैन, सुल्तान खान और राजेश जाट शामिल हैं, जो मंदसौर, प्रतापगढ़ और बिल्लोद क्षेत्रों से हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के भास्कर पांडुरंग नाईक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके परिचित रावसाहेब बारकुबुट्टे और मनोज मोरे ने उसे बताया था कि मंदसौर और नीमच में कुछ लोग रुपये डबल करते हैं। इस लालच में आकर भास्कर 11 जनवरी 2025 को नीमच पहुंचा, जहां आरोपियों ने उसे काले नोटों के बंडल दिखाए और कहा कि वे उसकी रकम को दोगुना कर देंगे। इसके बाद आरोपियों ने 10 लाख रुपये लेकर फरार हो गए।

गिरफ्तार किए गए आरोपी

1- शेरबादशाह पिता राजु मल मुसलमान, मोखमपुरा, थाना हतुनिया, जिला प्रतापगढ़ (राज.)
2 - बब्बर हुसैन पिता बाबु खान, बिल्लोद, थाना नाहरगढ़
3 - सुल्तान खान पिता सत्तार खान, मोखमपुरा, थाना हतुनिया, जिला प्रतापगढ़ (राज.)
4 - राजेश पिता लक्ष्मीनारायण जाट, रलायता, थाना वायडीनगर, मंदसौर

इस तरह ठगी की वारदात को अंजाम -

आरोपीगण ठगी की वारदात को अंजाम देने के लिये दूरस्थ क्षेत्रों के भोले भाले लोगो को अपना शिकार बनाकर उन्हे रूपयें दो गुना करने का लालच देते थे। आरोपीगण अपने शिकार को असली नोट को टिंचर में डुबोकर काले नोट कर उसे दिखाते थे, जब उक्त व्यक्ति द्वारा काले नोट के संबंध में आरोपीगणों से पुछा जाता था तो ये उस काले नोट को गर्म पानी से धोकर या चुने से साफ करके एस नोट को बाजार में चलाकर षिकार को पूर्ण रूप से अपने झांसे में ले लेते थे।

इस मामले का खुलासा करने में सायबर सेल की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें निरीक्षक मनोज सिंह जादौन, उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह, प्रधान आरक्षक प्रदीप शिंदे और उनकी टीम ने कड़ी मेहनत से आरोपियों का पता लगाया और उन्हें गिरफ्तार किया।

सरवानिया महाराज में दुकानों पर खाद्य विभाग की कार्यवाही

तीनों दुकानों से लिए छह सैंपल- साफ-सफाई के दिए निर्देश

नीमच। खाद्य विभाग द्वारा सरवानिया महाराज पर 3 फर्म के निरीक्षण कर तीनों फर्म से कुल 6 नमूने जांच हेतु लिए गए । जिसमे से फर्म महावीर ट्रेडर्स दरवाजे के सामने सरवानिया महाराज से दो नमूने एक अनिक सौरभ घी पैक व एक नमूना व्हील डेसिकेटेड कोकोनट पाउडर पैक,फर्म जैन किराना नीमच सिंगोली रोड सरवानिया महाराज से दो नमूने एक श्रीधी घी पैक व एक नमूना अव्वल मिर्ची पाउडर पैक व फर्म राजमल दिलीप कुमार नीमच सिंगोली रोड सरवानिया महाराज से दो नमूने एक नमूना अवीक घी पैक व एक नमूना पटना धानिया पाउडर पैक के,इस प्रकार आज कुल 6 नमूने जांच हेतु लिए गए जिनको जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला को भेजे जाएंगे ।

पतंग की डोर के साथ कट कई मासूम बच्चे की जिंदगी की डोर

ट्रेन की चपेट में आने से राहुल की हुई दर्दनाक मौत

अविनाश जाजपुरा| नीमच

पतंग उड़ाने के दौरान एक बच्चे की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना एकता कॉलोनी के पास स्थित शिव घाट के पास रेलवे पटरी पर हुई। मृतक बच्चे की पहचान राहुल (12 वर्ष), पिता लाला भील, के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, राहुल पतंग उड़ा रहा था और अचानक उसकी पतंग रेलवे पटरी पर गिर गई। पतंग को उठाने के लिए वह पटरी पर चला गया, उसी समय तेज़ रफ्तार ट्रेन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में राहुल की मौके पर ही मौत हो गई। राहुल अपनी मम्मी पापा के साथ एकता कॉलोनी रह रहा था और मूलनिवासी सिंगोली का था | सूचना मिलते ही बघाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मृतक राहुल के शव को जिला अस्पताल भेजा। अस्पताल में परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कर परिजनों को सोपा |

राहुल को काम सुनाई देता था-

पुलिस और परिवार के अनुसार, राहुल को सुनने में थोड़ा कमजोर था जिसके कारण उसे ट्रेन की आवाज़ नहीं सुनाई दी और वह हादसे का

शिकार हो गया। घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल बना हुआ है |

कहां बनती हैं मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ियां? निर्मला सीतारमण की तरह आप भी कर सकती हैं ट्राई

निर्मला सीतारमण की रंगीन मधुबनी कलाति वाली बॉर्डर वाली साड़ी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक सुंदर मिश्रण लग रहा है. मधुबनी कला बिहार के मिथिला क्षेत्र की एक पारंपरिक लोक कला है, जिसकी विशेषता जटिल ज्यामितीय पैटर्न, पुष्प आकृतियां और प्रकृति और पौराणिक कथाओं का चित्रण है. यह कला रूप अपने जीवंत रंगों, नाजुक रेखाओं और प्रतीकात्मक चित्रण के लिए जाना जाता है.

मधुबनी डिजाइन वाली साड़ी पहनकर निर्मला न केवल फैशन स्टेटमेंट बना रही हैं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दे रही हैं और इस पारंपरिक कला को जीवित रखने वाले कारीगरों का समर्थन भी कर रही हैं. जब वित्त मंत्री मिथिला कला संस्थान में क्रेडिट आउटरीच गतिविधि के लिए मधुबनी गईं, तो उनकी मुलाक़ात दुलारी देवी से हुई और बिहार में मधुबनी कला पर उनके साथ सौहार्दपूर्ण विचार-विमर्श हुआ. दुलारी देवी ने वित्त मंत्री को साड़ी भेंट की और बजट के दिन इसे पहनने के लिए कहा. मधुबनी चित्रकला, जिसे मिथिला चित्रकला भी कहते हैं, बिहार के मिथिला क्षेत्र की एक प्रमुख कला परंपरा है. यह चित्रकला मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा बनाई जाती है और इसमें प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जाता है. मधुबनी कला (जिसे मिथिला कला के रूप में भी जाना जाता है) भारत और नेपाल के मिथिला क्षेत्र में प्रचलित चित्रकला की एक शैली है. इसका नाम भारत के बिहार के मधुबनी जिले के नाम पर रखा गया है. बिहार के इन जगहों पर बनाया जाता है मधुबनी पेंटिंग वाली साड़ी जैसे जितवारपुर, रांटी और रसीदपुर मधुबनी कला की परंपरा और विकास से जुड़े तीन सबसे उल्लेखनीय शहर हैं. इस पेंटिंग की सबसे खास बात यह है कि इसकी सदस्य सभी महिलाएं है. इस पेंटिंग जिस तरीके से कलर का इस्तेमाल किया जाता है सभी नैचुरल लगती हैं. पेंट प्राकृतिक रंगों और पिगमेंट जैसे गेरू और लैंपब्लैक का उपयोग करके क्रमश लाल भूरे और काले रंग के लिए किया जाता है. चित्रों की विशेषता उनके आकर्षक ज्यामितीय पैटर्न हैं.

लहंगे के साथ कैरी करें ऐसे पर्स, स्टाइल देखकर सहेलियां भी देखती रह जाएंगी

शादी का सीजन आते ही महिलाएं अपने लुक को खूबसूरत बनाने की तैयारी में जुट जाती हैं। वो इसके लिए ट्रेंड के हिसाब से ही आउटफिट खरीदती हैं और उसी के हिसाब से मेकअप और ज्वेलरी का चयन करती हैं। इस सीजन में ज्यादातर महिलाओं को लहंगा पहनना पसंद आता है, क्योंकि ये काफी आरामदायक होता है।

ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं कि लहंगे के साथ कैरा पर्स कैरी करना चाहिए। दरअसल, यदि आप लहंगे के साथ गलत पर्स कैरी करेंगी तो आपका लुक बिगड़ सकता है। ऐसे में लहंगे के साथ जैसे बैग्स अच्छे लगते हैं, उन्हीं में से कुछ चुनें, ताकि आपका लुक सबसे अच्छा दिखे।

क्लच बैग

क्लच बैग छोटे, स्टाइलिश और ट्रेडिशनल आउटफिट्स के साथ परफेक्ट लगते हैं। ऐसे में शादी में लहंगे के साथ जरी वर्क, एम्ब्रॉयडरी, बीड्स या सीक्विन वर्क वाले क्लच चुनें। गोल्ड, सिल्वर, या पेस्टल शेड्स में क्लच लहंगे के साथ खूबसूरत लगते हैं।

पोटली बैग

ट्रेडिशनल और रॉयल लुक के लिए पोटली बैग्स प्यारे लगते हैं। ये एथनिक आउटफिट्स के साथ बहुत ही क्लासी और ट्रेडिशनल लुक देते हैं। ऐसे में लहंगे के साथ हैंडमेड कढ़ाई, गोटा-पट्टी, मिरर वर्क या जरदोजी वर्क वाले पोटली बैग चुनें। यह छोटे और हल्के होते हैं, जिससे कैरी करने में भी आसान रहते हैं।

मिनी साइड स्लिंग बैग

लहंगे के साथ मॉडर्न टच देना है तो ये बेस्ट विकल्प है। इसके लिए गोल्डन, सिल्वर या ब्लिंग इफेक्ट वाले स्लिंग बैग चुनें। पर्ल-डिटेलिंग या चेन-हैंडल वाले स्लिंग बैग लहंगे के साथ स्टाइलिश लगते हैं। हल्के लहंगे या पार्टीवियर आउटफिट्स के साथ यह बहुत अच्छा लगेगा।

बॉक्स क्लच

ट्रेंडी और क्लासी लुक के लिए ये बेहतर विकल्प है। ये छोटे लेकिन स्टाइलिश होते हैं और ट्रेडिशनल और मॉडर्न लुक का परफेक्ट बैलेंस देते हैं। ऐसे में आप एम्ब्रॉयडरी, स्टोन, मिरर वर्क या सिल्क बॉक्स क्लच चुनें। इंडो-वेस्टर्न लहंगे के साथ बॉक्स क्लच बहुत रॉयल लुक देता है।

वेलवेट या सिल्क पाउच बैग

क्लासिक और रॉयल कैरी करना है तो ये बेस्ट रहेगा। इसके लिए रेड, मरून, गोल्डन, या डीप ब्लू शेड्स में बैग चुनें। गोल्डन या सिल्वर जरी वर्क वाले पाउच बैग एथनिक लुक को चार चांद लगा देंगे।

इन बातों का रखें ध्यान

बैग का चुनाव हमेशा लहंगे के वर्क और कलर के हिसाब से करें। हैवी लहंगे के साथ छोटा और क्लासी बैग अच्छा लगेगा। अगर आपका लहंगा सिंपल है, तो ज्यादा वर्क वाला बैग चुनें ताकि यह लुक को बैलेंस कर सके। लहंगे के साथ सही पर्स चुनकर अपना लुक और भी ग्रेसफुल बनाएं।

JEE Main: IIIT, NIT के अलावा ये टॉप-20 कॉलेज लेते हैं जेईई मेन स्कोर पर एडमिशन

जेईई मेन (JEE Main) और जेईई एडवांस्ड (JEE Advanced) देश की सबसे लोकप्रिय प्रवेश परीक्षाओं में से एक है। हर साल लाखों स्टूडेंट्स इस इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होते हैं। उनका सपना होता है आईआईटी (IIT), एनआईटी (NIT), ट्रिपल आईटी (IIIT) जैसे देश के सर्वश्रेष्ण व प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन पाना। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन कॉलेजों के अलावा भी कई ऐसे टॉप संस्थान हैं जो जेईई मेन स्कोर के आधार पर इंजीनियरिंग कोर्सेज में एडमिशन लेते हैं। हम यहां आपको ऐसे टॉप 20 कॉलेज के नाम बता रहे हैं। इनकी लिस्ट शिक्षा मंत्रालय द्वारा दी जाने वाली एनआईआरएफ रैंकिंग (NIRF Ranking) के आधार पर बनायी गयी है। यह देश की सर्वमान्य रैंकिंग है जो भारत सरकार द्वारा तय विभिन्न मानकों के आधार पर किसी संस्थान को दी जाती है।

Top Colleges for Engineering Degree

आईआईटी, एनआईटी जैसे संस्थानों के अलावा एनआईआरएफ रैंकिंग के आधार पर ये है टॉप 20 इंजीनियरिंग कॉलेजों की लिस्ट

अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई - एनआईआरएफ रैंक 14,वेल्लौर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VIT) - रैंक 15,जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता - रैंक 17,इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई - एनआईआरएफ रैंक 18,अमृता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग - रैंक 20,जामिया मिल्लिया इस्लामिया - रैंक 28,थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी - रैंक 29,बिट्स पिलानी (BITS Pilani) - रैंक 30,एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा - रैंक 32,इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम - रैंक 33,शिक्षा ओ अनुसंधान - रैंक 34,दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी - रैंक 36,शन्मुग्धा आर्ट्स साइंस टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च एकेडमी - रैंक 37,बीआईटी मेसरा, रांची (BIT Mesra) - रैंक 38,अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU) - 39,एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी - रैंक 41,कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (KIIT), भुवनेश्वर - रैंक 42,इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, हैदराबाद - रैंक 43,श्री शिवसुब्रमन्यम् नादर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कांचीपुरम - रैंक 44,मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) - रैंक 45

Top Colleges for Engineering Degree

: आईआईटी, एनआईटी जैसे संस्थानों के अलावा एनआईआरएफ रैंकिंग के आधार पर ये है टॉप 20 इंजीनियरिंग कॉलेजों की लिस्ट,अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई - एनआईआरएफ रैंक 14,वेल्लौर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (VIT) - रैंक 15,जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता - रैंक 17,इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई - एनआईआरएफ रैंक 18,अमृता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग - रैंक 20,जामिया मिल्लिया इस्लामिया - रैंक 28,थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी - रैंक 29,बिट्स पिलानी (BITS Pilani) - रैंक 30,एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा - रैंक 32,इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम - रैंक 33,शिक्षा ओ अनुसंधान - रैंक 34,दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी - रैंक 36, शन्मुग्धा आर्ट्स साइंस टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च एकेडमी - रैंक 37,बीआईटी मेसरा, रांची (BIT Mesra) - रैंक 38,अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU) - 39,एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी - रैंक 41,कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (KIIT), भुवनेश्वर - रैंक 42,इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, हैदराबाद - रैंक 43,श्री शिवसुब्रमन्यम् नादर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कांचीपुरम - रैंक 44,मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT) - रैंक 45

NEET UG 2025: टाई ब्रेकिंग क्राइटेरिया में फिर बदलावों

कोटा : मेडिकल प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEET UG) के जरिए ही देश की एमबीबीएस सीटों पर एडमिशन मिलता है. समान अंकों पर टाई-ब्रेकिंग क्राइटेरिया के जरिए रैंक का निर्धारण किया जाता है. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी समान अंकों पर रैंक निर्धारण करने के लिए टाई ब्रेकिंग क्राइटेरिया का उपयोग करती है. इस बार फिर टाई ब्रेकिंग क्राइटेरिया में बदलाव किया गया है. इसके तहत एक्सपर्ट कमेटी की गाइडेंस में रेंडम प्रोसेस के जरिए ऑल इंडिया रैंक दी जाने की बात कही गई है.

समान अंक पर भी नहीं मिलता कॉलेज : एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया कि एमबीबीएस सीटों पर एडमिशन की मारामारी रहती है. एक ही अंक पर सैंकड़ों की संख्या में रैंक आती है. कई बार समान अंक हजारों विद्यार्थियों तक के आ जाते हैं. समान रैंक होने के बावजूद भी कई कैंडिडेट्स को एडमिशन नहीं मिल पाता है. दूसरी तरफ समान अंक होने पर भी

दूसरे कॉलेज में कैंडिडेट्स को एडमिशन लेना पड़ता है. ऐसा एम्स जैसे बड़े संस्थान में भी होता है. कैंडिडेट्स को समान अंक होने के बावजूद एम्स की जगह दूसरे संस्थान में प्रवेश लेना पड़ता है. एम्स में 7500 रुपए के आसपास में पूरी एमबीबीएस हो जाती है, जबकि अन्य संस्थाओं में लाखों रुपए फीस होती है. ऐसे में समान अंक पर अलग रैंक होने के चलते कॉलेज में एडमिशन नहीं मिलने या निकला कॉलेज मिलने पर कई कैंडिडेट न्यायिक प्रक्रिया अपना लेते हैं.

टाई ब्रेकिंग क्राइटेरिया से विवाद भी हुए :

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने ट्राई ब्रेकिंग क्राइटेरिया में लगभग हर साल बदलाव किया है. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने साल 2024 में टाई बेकिंग क्राइटेरिया में कंप्यूटर से लॉटरी निकलने का नियम डाला था, लेकिन लगातार इस टाई ब्रेकिंग क्राइटेरिया की आलोचना हुई, जिसके बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने एक्सपर्ट की सलाह के चलते 2024 में ही इसमें फिर बदलाव कर दिया था. इसका रिवाइज्ड इंफॉर्मेशन ब्रोशर जारी किया गया था, जबकि ऑल इंडिया रैंक समान अंक आने पर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने पहले जारी किए गए अपने दोनों फार्मूले का उपयोग नहीं करते हुए 2023 के फार्मूले को लगा दिया है.

जयपुर में घूमने के लिए 23 बेहतरीन स्थान और करने के लिए कुछ यादगार चीजें

गुलाबी शहर के नाम से मशहूर जयपुर राजस्थान की राजधानी है और अपने विभिन्न आकर्षणों के लिए जाना जाता है। जीवंत शहर जयपुर में शाही और आर्किटेक्चरल भव्यता से लेकर स्ट्रीट फूड और रंगीन बाजारों तक देखने के लिए बहुत कुछ है।

जयपुर कैसे जाएं?

हवाई मार्ग सेः जयपुर हवाई अड्डा सिटी सेंटर से 12 किलोमीटर दूर सांगानेर में स्थित है। इसमें अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों टर्मिनल हैं और यह दुनिया भर के विभिन्न शहरों से अच्छी कनेक्टिविटी की सुविधा देता है और कई एयरलाइंस नियमित उड़ानें संचालित करती हैं। स्पाइसजेट, जेट एयरवेज, एयर इंडिया, ओमान एयर और इंडिगो जैसी लोकप्रिय एयरलाइंस की जयपुर के लिए दैनिक उड़ानें हैं।

ट्रेन सेः आरामदायक और एसी युक्त शताब्दी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों द्वारा जयपुर पहुंचा जा सकता है, जो इसे मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, उदयपुर, जोधपुर, जम्मू, कोलकाता, जैसलमेर, लुधियाना, हरिद्वार, पठानकोट, भोपाल, पटना, लखनऊ, बैंगलोर, हैदराबाद, चेन्नई और गोवा जैसे महत्वपूर्ण भारतीय शहरों से जोड़ती है। उल्लेखनीय ट्रेनों में पुणे जयपुर एक्सप्रेस, अजमेर शताब्दी, आदि एसजे राजधानी और जयपुर एक्सप्रेस शामिल हैं।

रोड सेः राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम (आरएसआरटीसी) जयपुर और राज्य के अन्य शहरों के बीच नियमित वोल्वो (वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित) और डीलक्स बसें चलाता है। आप जयपुर में नारायण सिंह सर्कल या सिंधी कैंप बस स्टैंड से बस पकड़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कोटा, अहमदाबाद, दिल्ली, उदयपुर, अजमेर और वडोदरा जैसे शहरों से कई बस सेवाएँ उपलब्ध हैं।

जयपुर में मेट्रो

आप जयपुर में घूमने के लिए जयपुर मेट्रो का भी उपयोग कर सकते हैं। जयपुर मेट्रो की एक लाइन न्यू अतिष मार्केट से बड़ी चौपड़ तक चलती है। दूसरी लाइन छोटी चौपड़ से मानसरोवर तक जाती है।

जयपुर घूमने का सबसे अच्छा समय

जयपुर और राजस्थान के अन्य जगहें घूमने के लिए सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च तक है जब तापमान रात में 8 डिग्री सेल्सियस से लेकर दिन के दौरान 32 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। गर्मियाँ काफी गर्म होती हैं, जिससे साइटसीइंग का मजा किरकिरा हो जाता है। मानसून गर्म और आर्द्र होता है, इसलिए यह घूमने के लिए आदर्श समय नहीं है। इस समय आयोजित होने वाले पतंग महोत्सव और जयपुर साहित्य महोत्सव के कारण जनवरी जयपुर घूमने के लिए अच्छा है। मार्च में होली से ठीक एक दिन पहले जयपुर में हाथी महोत्सव का आयोजन होता है।

जयपुर में घूमने के लिए 20 सबसे बेहतरीन जगह

जयपुर हमेशा से ही अपने इतिहास को लेकर काफी धनी रहा है और जब भी पर्यटक यहां आते हैं वह यहां पर ऐतिहासिक जगह देखना बिल्कुल नहीं भूलते हैं. अगर आप जयपुर में है तो आपको नीचे बताई गई 10 जगह जरूर देखनी चाहिए

जयपुर में घूमने वाली जगहेंः आमेर का किला

एक चट्टानी पहाड़ी पर स्थित राजसी आमेर किला, जयपुर का एक दर्शनीय पर्यटन स्थल है. 1592 ई. में महाराजा मान सिंह द्वारा निर्मित, आमेर का किला लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बनाया गया था. यह राजस्थान के शाही परिवार का निवास था. किले के गेट की ओर जाने वाले पत्थरों से बने रास्ते पर हाथी की सवारी करें. किले से डूबते सूरज का नजारा मनमोहक होता है. शाम के समय किले में लाइट एंड साउंड शो(Light and sound show) का आनंद लें जो राजपूत राजाओं के साहस और भव्यता की दास्तां बताता है. सुखमहल में शाम को मनोरंजक नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. शीश महल, दीवान-ए-आम और सुख महल की यात्रा करना न भूलें. पास की माओथा झील एक आकर्षक विशेषता है.

हवा महल

खूबसूरत नक्काशी दार झरोखों वाली यह इमारत बलुआ पत्थर से बनाई गई है. शायद ही ऐसा कोई होगा तो जयपुर जाकर हवामहल ना जाए. छत्ते के आकार में बना हवा महल जयपुर का एक मील का पत्थर है. 'हवाओं का महल' के रूप में भी जाना जाता है, यह पांच मंजिला इमारत 1799 में महाराजा सवाई प्रताप सिंह द्वारा शाही महिलाओं के लिए सड़क पर रोजमर्रा की जिंदगी और समारोहों को देखने के लिए बनाई गई थी, क्योंकि उन्हें बिना ढके सार्वजनिक उपस्थिति की अनुमति नहीं थी उनके चेहरे. इस महल में 953 खिड़कियां या चरखे हैं, जो जटिल डिजाइनों से सजाए गए हैं. हवा महल परिसर के भीतर एक संग्रहालय में लघु चित्रों और औपचारिक कवच जैसी प्रसिद्ध वस्तुएं हैं.

जंतर मंतर

जयपुर में जंतर मंतर दर्शनीय पर्यटन स्थल है, क्योंकि इसमें 27 मीटर की ऊंचाई के साथ दुनिया का सबसे बड़ा पत्थर धूपघड़ी यानी सनडायल (विराट सम्राट यंत्र) है।

इस स्थान का निर्माण पुराने समय में खगोलीय अतिथियों को देखने के लिए और सभी तरह की खगोलीय गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया गया था. पुराने समय में जब घड़ियां और कंपास नहीं होते थे उस समय पर जंतर मंतर में बने यह यंत्र बहुत ज्यादा उपयोग में लाए जाते थे. जयपुर के स्थित ऐतिहासिक स्थल का महत्व और ज्यादा इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि यह हमें अपने पुराने समय में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक और उनके काम करने के बारे में बहुत कुछ दिखाता है.

जंतर मंतर एक ऐसी ऐतिहासिक इमारत है जो सीधे तौर पर यह बताती है कि पुराने समय में भी जयपुर बहुत ज्यादा विकसित नगर था.महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय द्वारा 1734 में निर्मित जंतर मंतर, एक खगोलीय वेधशाला है. यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल भी है.

गलताजी मंदिर

सूर्य देव, हनुमान और बालाजी को समर्पित गलताजी मंदिर जयपुर में एक हिंदू तीर्थ स्थल है। विशाल मंदिर परिसर में शामिल हैं तीर्थस्थल, पवित्र तालाब, मंडप और प्राकृतिक झरने। नक्काशी से डिजाइन की गयी दीवारों पर सजी कलात्मक पेंटिंग्स मंदिर को भव्य हवेली जैसा रूप देती हैं। वैसे गलताजी मंदिर एक बड़े मंदिर परिसर, जिसमे अनेकों अन्य मंदिर भी हैं, का हिस्सा है।

अरावली पहाड़ियों में यह मंदिर एक संकरे पहाड़ के भीतर बना है। दीवारों और छतों को भित्तिचित्रों से सजाया गया है। छतरियों/छतरी का जटिल डिज़ाइन जालियां इसकी खूबसूरती बढ़ाती हैं। परिसर में बड़ी संख्या में आने वाले बंदरों की वजह से मंदिर को 'बंदर मंदिर' भी कहा जाता है. इसे स्थानीय तौर पर 'गलवार बाग' गलताजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इसे सूर्य देव के मंदिर के रूप में जाना जाता है

बिड़ला मंदिर

बिड़ला मंदिर, जिसे लक्ष्मी नारायणन मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, सफेद संगमरमर से बनाया गया है। इस भव्य मंदिर में भगवान विष्णु, देवी लक्ष्मी और अन्य हिंदू देवी-देवताओं की सुंदर रूप से गढ़ी गई मूर्तियां हैं जो नक्काशी का अनूठा नमूना हैं। गीता और उपनिषदों के प्राचीन उद्धरण इसकी दीवारों को सुशोभित करते हैं। यह आकर्षक मंदिर मोती डूंगरी पहाड़ी के तल पर एक ऊंचे मैदान पर स्थित है।

नाहरगढ़ किला

1734 में सवाई राजा जयसिंह द्वारा यह बहुत ही खूबसूरत और बेहतरीन किला बनाया गया. इस किले के निर्माण के मुख्य उद्देश्य के बारे में बात की जाए तो वह आमेर की सुरक्षा सुनिश्चित करना था. आज भी पर्यटक जब यहां पर आते हैं तो किले में इस्तेमाल की गई वास्तुकला उन्हें बहुत ज्यादा आकर्षित करती हैं.

नाहरगढ़ किले के ऐतिहासिक खंड के भीतर स्थित, नाहरगढ़ जैविक उद्यान बच्चों और वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक जरूरी जगह है. 2016 में, राम निवास जयपुर चिड़ियाघर को नाहरगढ़ जैविक पार्क में स्थानांतरित कर दिया गया था. नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में वन्यजीव सफारी के दौरान विभिन्न प्रकार के जानवरों को देखा जा सकता है. सबसे अधिक देखी जाने वाली प्रजातियों में रॉयल बंगाल टाइगर, लकड़बग्घा, तेंदुआ, मगरमच्छ, सुस्त भालू, हिमालयी काला भालू और पक्षियों की 200 से अधिक प्रजातियां शामिल हैं. एक बड़े स्थान में फैला यह पार्क ग्रेनाइट चट्टानों, पत्थर की चट्टानों और शुष्क पर्णपाती और उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों से बना है.

भारत में सर्दियों में घूमने के लिए सर्वोत्तम स्थान

क्या आप भारत की यात्रा की योजना बना रहे हैं? सर्दियों में घूमने के लिए भारत की ये 8 सबसे अच्छी जगहें हैं।

भारत के उपमहाद्वीपीय भूभाग में सर्दी का मौसम सुहाना होता है। ज़्यादातर। यूरोपीय या नॉर्डिक या यहाँ तक कि उत्तरी अमेरिका के ज़्यादातर देशों के विपरीत, भारत में बहुत ही सुंदर सर्दी होती है, बिना ठंड के देवताओं की कठोरता के। नवंबर से फरवरी-मार्च तक, सर्दी भारत को अपने प्यार भरे आलिंगन में जकड़ लेती है। जबकि देश के हिमालयी और उत्तरी क्षेत्रों में ज़्यादा ठंड, बर्फबारी और ओले पड़ते हैं, दक्कन और दक्षिणी क्षेत्रों में समुद्र के समुद्री प्रभाव के कारण मौसम नरम रहता है। ये क्षेत्र विशेष रूप से भारत में सर्दियों की छुट्टियों के मुख्य आकर्षण हैं क्योंकि ये मानसून में बहुत गीले और गर्मियों में बहुत गर्म होते हैं; लेकिन सर्दियों के दौरान ये एकदम सही होते हैं। इसलिए हल्की मीठी धूप और ठंडी हवाओं के लिए केरल , मुंबई , गोवा , राजस्थान आदि जगहों पर जाएँ। जबकि एक अच्छी सफ़ेद सर्दी के लिए, उत्तर की ओर औली , मनाली , गुलमर्ग या सोनमर्ग की ओर जाएँ। यहाँ पर और भी कई जगहें हैं जहाँ आप अपनी सर्दियों की छुट्टियाँ भारत में बिता सकते हैं।

ऑली

सर्दियों का एक अद्भुत नज़ारा, औली स्की-प्रेमियों का स्वर्ग भी है। उत्तराखंड की पहाड़ियों में ऊंचे स्थान पर स्थित , यह हिल स्टेशन देश का सबसे अच्छा स्की रिसॉर्ट शहर है, जिसे अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा शीर्ष पायदान पर रखा गया है। भले ही औली साल भर स्कीइंग के लिए एक गंतव्य है, क्योंकि यहाँ की ढलानों पर कृत्रिम रूप से काटी गई और पाउडर वाली बर्फ़ जमा रहती है, लेकिन दिसंबर से फ़रवरी के महीने यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और शहर के सबसे अच्छे बर्फ़ के रास्ते सामने लाते हैं। आप पास के गुरसन बुग्याल घास के मैदान पर जा सकते हैं, केबल कार की सवारी के लिए जा सकते हैं, मन पर्वत के खूबसूरत नज़ारों में अपनी आँखें भिगो सकते हैं या बस अपना सामान लेकर स्कीइंग करने जा सकते हैं! जनवरी यहाँ स्कीइंग की राष्ट्रीय चैंपियनशिप का महीना है।

नैनीताल

नैनीताल झीलों का हिल स्टेशन है, जो उत्तराखंड की एक और उपलब्धि है। सर्दियों के दौरान, हिमालय की ठंड नैनीताल को ढँक लेती है और झीलें बर्फ की तरह ठंडी हो जाती हैं। लेकिन इस जगह के बारे में अच्छी बात यह है कि यहाँ बहुत ज़्यादा ठंड नहीं पड़ती। इसलिए सबसे ठंडे दिन में भी आप आसानी से बाहर निकल सकते हैं, बर्फ में चल सकते हैं, बिना ठंड लगने या शीतदंश के डर के सभी सामान्य गतिविधियाँ कर सकते हैं। झीलें बोटिंग के लिए उपयुक्त नहीं हैं, इसलिए ज़्यादातर पर्यटक कैफ़े में आराम करना, मॉल रोड पर खरीदारी करना, स्नो व्यूपॉइंट पर जाना और अपने रिसॉर्ट का आनंद लेना पसंद करते हैं।

मनाली

मनाली गर्मियों के साथ-साथ सर्दियों के लिए भी एक गंतव्य है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कौन सी गतिविधियाँ करना चाहते हैं और आप किस तरह के दृश्य देखना चाहते हैं। कुछ पर्यटक अभी भी सर्दियों को गर्मियों से बेहतर मानते हैं, क्योंकि ज़ोरबिंग, स्कीइंग, टोबोगनिंग, पैराग्लाइडिंग जैसी साहसिक गतिविधियाँ और कुरकुरी सफ़ेद बर्फ में मज़ा लिया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में पहाड़ों पर ट्रेकिंग करना भी ज़्यादा खूबसूरत होता है क्योंकि ढलानें बर्फ से ढकी होती हैं और पहाड़ों की चोटियाँ बर्फ से ढकी होती हैं। चंद्रताल झील, हम्प्टा दर्रा और मणिकरण में सल्फर बाथ ज़रूर जाएँ।

कच्छ का महान रण

कच्छ का रण थार के रेगिस्तानी जंगल में 7000 वर्ग मील में फैला हुआ है। हालाँकि, ये आपके सामान्य रेतीले रेगिस्तान नहीं हैं, बल्कि लगभग रहस्यमय सफ़ेद नमक के रेगिस्तान हैं। वे चाँदी की तरह चमकते हैं। खास तौर पर पूर्णिमा की रात में। नवंबर से फरवरी तक सर्दियों के महीनों के दौरान, गुजरात राज्य यहाँ 'रण महोत्सव' मनाता है, जहाँ दुनिया के हर कोने से पर्यटक आते हैं। यहाँ मवेशियों का व्यापार, स्थानीय लोक प्रदर्शन, मैदानों में तारों के नीचे कैंपिंग, हस्तकला कार्यशालाएँ, रेगिस्तान सफ़ारी, रेगिस्तान बाइकिंग, नृत्य और पारंपरिक गुजराती, काठियावाड़ी, सौराष्ट्र और कच्छी भोजन की भरमार है। आप धोरडो गाँव के किनारों पर कई लग्जरी टेंट में से एक बुक कर सकते हैं और वहाँ से आसानी से त्यौहार तक पहुँच सकते हैं।

गोवा

गोवा भारत का पार्टी हब है , वह जगह जहाँ हर कोई जश्न मनाने के लिए जाता है; चाहे वह शादी हो या बैचलर पार्टी या ग्रेजुएशन या बेबीमून। गोवा के आसपास का सबसे शानदार बीच डेस्टिनेशन, सर्दियों में पसंद किया जाता है, भले ही इसका मज़ा लगभग सभी मौसमों में लिया जा सकता है। अक्टूबर से हाई सीज़न शुरू हो जाता है और दिसंबर तक हर बीच पर त्यौहार, बीच पार्टी, टैटू स्टूडियो, स्पेशल क्लब और वाटर स्पोर्ट्स पैकेज होते हैं। यात्री गर्म दोपहर और ठंडी शाम का आनंद लेते हैं, तापमान अच्छा और सुखद होता है और लगभग बारिश नहीं होती। गोवा फिल्म फेस्टिवल, गोवा कार्निवल, सनबर्न म्यूजिक फेस्ट; सभी सर्दियों में आते हैं। अपने व्यापक कैथोलिक समुदायों के कारण यह जगह क्रिसमस और नए साल के दौरान विशेष रूप से लोकप्रिय होती है।

केरल

केरल कथकली नृत्यों और ताड़ के पेड़ों वाले समुद्र तटों, बैकवाटर और आयुर्वेदिक मालिश, योग और स्पा, और चाय और मसालों की भूमि है। ढेर सारी लहरदार प्रकृति के साथ, केरल पूरी तरह से सर्दियों में घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। यहाँ गर्मियाँ बहुत गर्म और नम होती हैं जबकि बारिश आपको ज़्यादा कुछ करने का मौका नहीं देती। लेकिन सर्दी आते ही, आप केरल के हर पहलू को देखने और उसका आनंद लेने के लिए स्वतंत्र हैं; इसके समुद्र तटों से लेकर बैकवाटर राइड्स तक, रात भर हाउसबोट में ठहरने से लेकर कयाकिंग तक, मसालों से महकते पहाड़ और हरे-भरे चाय के बागान। यहाँ घूमने के लिए सबसे प्रमुख स्थलों में से कुछ हैं एलेप्पी (बैकवाटर), मुन्नार (हिल स्टेशन), कोवलम (समुद्र तट), वायनाड और साइलेंट वैली नेशनल पार्क।

राजस्थान

रेगिस्तानी राज्य राजस्थान का अनुभव भारतीय सर्दियों में सबसे बेहतरीन तरीके से किया जा सकता है। अक्टूबर से मार्च के महीनों के बीच, राजसी लोगों की भूमि किसी और की तरह जीवंत नहीं होती। रेगिस्तान का सूरज हल्का और दयालु होता है, हवाएँ समय-समय पर ठंडी और स्थिर होती हैं, और कई त्यौहार हर बार इस अवसर पर मनाए जाते हैं। आप उदयपुर की झीलों और महलों की खोज कर सकते हैं, जयपुर के शाही गुलाबी शहर को देख सकते हैं , नीले घरों के लिए जोधपुर जा सकते हैं , या जैसलमेर के रेत के टीलों में से किसी एक में एक तम्बू किराए पर ले सकते हैं । हर गतिविधि मौसम के साथ पूरी तरह से संतुलित है।

शिलांग

मेघालय की छोटी पहाड़ी राजधानी शिलांग लगभग पूरे साल घूमने लायक जगह है। हालांकि गर्मियों में यह बहुत बढ़िया रहता है, लेकिन सर्दियों के महीनों में यह झरनों और झीलों और मेगालिथ और धुंध से खिल उठता है। लोग यहाँ ठंडे मौसम, पहाड़ों में बादलों, कई जड़-पुल के जंगलों, साफ-सुथरे गांवों, जनजातियों और ट्रैकिंग और मछली पकड़ने जैसी अन्य साहसिक गतिविधियों के लिए आते हैं। गुफाओं और घाटियों को भी सर्दियों के दौरान सबसे अच्छी तरह से खोजा जाता है क्योंकि ठंड में शारीरिक परिश्रम उतना बुरा नहीं होता जितना गर्मी में होता है।

जैसलमेर

रेगिस्तान के बीच में बसे इस शहर को बसाने वाले राजा के नाम पर, जैसलमेर भारत-पाक सीमा के बहुत करीब है। थार की मृगतृष्णा में चमकता हुआ एक रत्न, जैसलमेर सर्दियों की छुट्टियों के लिए सबसे प्रसिद्ध है क्योंकि यहाँ साल के बाकी दिनों में बहुत गर्मी होती है। आप सूर्यास्त में ऊँट की सवारी कर सकते हैं, किसी शांत जगह पर शिविर लगा सकते हैं, लोक नृत्य और गायकों का प्रदर्शन देख सकते हैं या रेगिस्तान में तारों के नीचे नए साल का जश्न मना सकते हैं। शहर में कई किले और महल हैं जो आपकी छुट्टियों को बहुत ज़रूरी शाही स्पर्श देते हैं, साथ ही ऐसे बाज़ार भी हैं जो स्थानीय हस्तशिल्प, कपड़े, सामान और प्रसिद्ध 'नाम-ऑन-चावल' से जगमगाते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहन: लाभ और चुनौतियाँ

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इलेक्ट्रिक वाहनों (Electric Vehicles- EVs) का युग सही मायने में आ चुका है। शून्य उत्सर्जन के साथ EVs न केवल वायु प्रदूषण का प्रत्यक्ष उपचार हैं, बल्कि ये तेल आयात को कम करने में भी मदद करेंगे।हाल के वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन और बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कई प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माताओं ने EV तकनीक में भारी निवेश किया है और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये इलेक्ट्रिक मॉडल की एक विस्तृत श्रृंखला लॉन्च कर रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती उपलब्धता और विविधता इस धारणा को पुष्ट करती है कि सही मायने में Evs का युग आ गया है।EVs के अंगीकरण को गति देने में बैटरी प्रौद्योगिकी और अवसंरचना में प्रगति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अधिक कुशल और सस्ती बैटरियों के विकास ने इलेक्ट्रिक वाहनों की ड्राइविंग रेंज (driving range : प्रति चार्जिंग तय की जा सकने वाली दूरी) को बढ़ा दिया है, जिससे उपभोक्ताओं के लिये 'रेंज' संबंधी चिंता कम हो गई है। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों और घरेलू चार्जिंग समाधानों सहित चार्जिंग अवसंरचना के विस्तार ने चालकों के लिये EVs की सुविधा एवं अभिगम्यता में सुधार किया है।

इसके अलावा, दुनिया भर की सरकारों और नीतिनिर्माताओं ने जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने तथा उत्सर्जन को कम करने के साधन के रूप में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिये एक प्रबल प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

इलेक्ट्रिक वाहन (EVs) महत्त्वपूर्ण क्यों हैं?

पर्यावरणीय लाभः EVs में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाने और जलवायु परिवर्तन का मुक़ाबला कर सकने की क्षमता है।

जीवाश्म ईंधन इंजन से चालित वाहनों के विपरीत EVs शून्य टेलपाइप उत्सर्जन उत्पन्न करते हैं। EVs कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) और ऐसे अन्य प्रदूषकों को कम करने में मदद करते हैं जो वायु प्रदूषण, स्मॉग एवं 'ग्लोबल वार्मिंग' में योगदान करते हैं।इलेक्ट्रिक वाहन नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx), पार्टिकुलेट मैटर (PM) और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOCs) जैसे हानिकारक प्रदूषकों को कम करने में मदद करते हैं।इसका सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि स्वच्छ हवा श्वसन एवं हृदय रोगों के जोखिम को कम करती है।ऊर्जा विविधता और सुरक्षाः EVs तेल आयात पर निर्भरता कम करके ऊर्जा विविधता लाने में योगदान करते हैं।चूँकि बिजली ग्रिड को ऊर्जा स्रोतों के मिश्रण (a mix of energy sources) से संचालित किया जा सकता है, जिसमें सौर एवं पवन जैसे नवीनीकरणीय स्रोत शामिल हैं, EVs स्वच्छ एवं अधिक संवहनीय ऊर्जा विकल्पों की ओर परिवहन क्षेत्र के संक्रमण का अवसर प्रदान करते हैं। यह तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से संबद्ध भेद्यता को कम करता है और जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता को कम करके ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाता है।तकनीकी प्रगति और रोज़गार सृजनः EVs के विकास और अंगीकरण से बैटरी प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक ड्राइवट्रेन (electric

drivetrains) और चार्जिंग अवसंरचना में तकनीकी प्रगति को प्रेरणा प्राप्त हुई है।इन प्रगतियों से न केवल मोटर वाहन क्षेत्र को लाभ हो रहा है बल्कि इनसे व्यापक अनुप्रयोग भी संबद्ध हैं, जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के लिये ऊर्जा भंडारण और ग्रिड स्थिरता (grid stability)।इलेक्ट्रिक गतिशीलता बैटरी विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और चार्जिंग अवसंरचना क्षेत्र में रोज़गार एवं नवाचार का सृजन करती है।दीर्घावधिक लागत बचतः इलेक्ट्रिक वाहनों की परिचालन लागत कम होती है, क्योंकि बिजली आमतौर पर गैसोलीन या डीजल से सस्ती होती है।इसके अलावा, EVs में चलायमान अंगों (moving parts) की संख्या कम होती है और इन्हें कम रखरखाव की आवश्यकता होती है, जिसके परिणामस्वरूप समय के साथ सर्विसिंग एवं मरम्मत का खर्च कम रहता है।शहरों की भीड़भाड़ को कम करनाः इलेक्ट्रिक वाहन साझा गतिशीलता (shared mobility) और कॉम्पैक्ट डिज़ाइन को बढ़ावा देकर शहरों में भीड़भाड़ कम करने में मदद कर सकते हैं।साझा गतिशीलता का तात्पर्य है वाहनों के उपयोग को व्यक्तिगत संपत्ति के बजाय सेवा के रूप में उपयोग करना। इससे सड़क पर वाहनों की संख्या और पार्किंग की आवश्यकता को कम किया जा सकता है।कॉम्पैक्ट डिज़ाइन छोटे और हल्के वाहनों के उपयोग को संदर्भित करता है जो शहरी स्थानों में अधिक आसानी से संगत हो सकते हैं। यह भीड़भाड़ और उत्सर्जन को भी कम कर सकता है।कम अंतरा-शहर दूरी, दैनिक यात्रा और ऐसे अन्य परिवहन के लिये अभिनव एवं भविष्योन्मुखी स्मार्ट EVs को बड़ी बैटरी की आवश्यकता नहीं होगी। इसका अर्थ है कि बैटरी रिचार्ज के लिये कम समय लगेगा और कम लागत आएगी।

EVs के समक्ष विद्यमान चुनौतियाँ

उच्च आरंभिक लागतः पारंपरिक वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की अग्रिम लागत अपेक्षाकृत अधिक है। उच्च आरंभिक लागत कई संभावित खरीदारों के लिये इसे कम वहनीय बनाती है और EVs की मांग को सीमित करती है।यह लागत अंतर मुख्य रूप से EVs में उपयोग की जाने वाली महँगी बैटरी प्रौद्योगिकी के कारण है।सीमित चार्जिंग अवसंरचनाः भारत में चार्जिंग अवसंरचना अभी भी विकास के आरंभिक चरण में है और प्रमुख शहरों में ही केंद्रित है।एक सुदृढ़ एवं व्यापक चार्जिंग नेटवर्क की कमी EVs मालिकों के लिये असुविधा उत्पन्न करती है, विशेष रूप से उन लोगों के लिये जो अपार्टमेंट में रहते हैं या जिनके पास समर्पित पार्किंग सुविधा नहीं है।'रेंज एंग्जाइटी': रेंज एंग्जाइटी (Range Anxiety) का तात्पर्य है ड्राइविंग के दौरान बैटरी खत्म होने का भय या चिंता। सीमित ड्राइविंग रेंज EVs अंगीकरण की राह में एक प्रमुख चुनौती है। यद्यपि EVs रेंज में सुधार हो रहा है, फिर भी यह धारणा व्याप्त है कि EVs लंबी दूरी की यात्रा के लिये पर्याप्त रेंज की पेशकश नहीं कर सकते हैं, विशेष रूप से भारत जैसे विशाल दूरी वाले देश में।EVs की बैटरी समय के साथ खराब हो जाती है, जिससे रेंज में कमी आ सकती है।

बैटरी प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखलाः लिथियम-आयन बैटरी, जो EVs का एक प्रमुख घटक है, के उत्पादन के लिये विशिष्ट खनिजों एवं दुर्लभ मृदा तत्वों की आवश्यकता होती है।

भारत वर्तमान में बैटरी निर्माण के लिये आयात पर अत्यधिक निर्भर है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। EVs का चार्जिंग समय पारंपरिक वाहनों में ईंधन भरने के समय से अधिक है, जो उनकी सुविधा और उपयोगिता को प्रभावित करता है।

सीमित मॉडल विकल्पः वर्तमान में भारत में पारंपरिक वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सीमित है। विविध उपभोक्ता प्राथमिकताओं एवं आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये बाज़ार को वहनीय EVs सहित विभिन्न खंडों में अधिक विकल्पों की आवश्यकता है।

EVs अंगीकरण को बढ़ावा देने के लिये प्रमुख सरकारी पहलें

फेम योजना द्वितीय (Faster Adoption and Manufacturing of Electric Vehicles- FAME scheme II), जो EVs निर्माताओं और खरीदारों के लिये प्रोत्साहन प्रदान करती है। इन प्रोत्साहनों में सब्सिडी, कर छूट, अधिमान्य वित्तपोषण (preferential financing) और सड़क कर एवं पंजीकरण शुल्क से छूट शामिल हैं।नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान (National Electric Mobility Mission Plan- NEMMP), जो राजकोषीय प्रोत्साहन प्रदान करके वर्ष 2020 से वर्ष-दर-वर्ष हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रिक वाहनों की 6-7 मिलियन बिक्री हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित करता है।परिवर्तनकारी गतिशीलता और बैटरी भंडारण पर राष्ट्रीय मिशन (National Mission on Transformative Mobility and Battery Storage), जो EVs के अंगीकरण के लिये एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने और भारत में गिगा-स्केल बैटरी निर्माण संयंत्रों की स्थापना को समर्थन देने का लक्ष्य रखता है।

उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (PLI) योजना, जो इलेक्ट्रिक वाहनों और उसके घटकों के विनिर्माण के लिये प्रोत्साहन प्रदान करती है।

'वाहन स्क्रैपिंग नीति' (Vehicle Scrappage Policy), जो पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग और नए इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिये प्रोत्साहन प्रदान करती है।'गो इलेक्ट्रिक अभियान' (Go Electric campaign) का उद्देश्य EVs और EVs चार्जिंग अवसंरचना के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

भारत विश्व के उन कुछ देशों में से एक है जो वैश्विक EV30@30 अभियान का समर्थन करता है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 नए वाहनों की बिक्री में कम से कम 30% के इलेक्ट्रिक वाहन होने को सुनिश्चित करना है।

विद्युत मंत्रालय ने चार्जिंग अवसंरचना पर अपने संशोधित दिशानिर्देशों (MoP Guidelines) में निर्धारित किया है कि 3 किमी के ग्रिड में और राजमार्गों के दोनों किनारों पर प्रत्येक 25 किमी पर कम से कम ए चार्जिंग स्टेशन मौजूद होना चाहिये।आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने भी मॉडल भवन उपनियम, 2016 (Model Building Bye-laws- MBBL) में संशोधन किया है जहाँ आवासीय एवं वाणिज्यिक भवनों में EVs चार्जिंग सुविधाओं के लिये पार्किंग स्पेस के 20% को अलग रखने को अनिवार्य बनाया गया है।

भारत में EVs अंगीकरण के लिये आगे की राह

उपभोक्ताओं और निर्माताओं दोनों के लिये सब्सिडी, कर प्रोत्साहन एवं वित्तपोषण योजनाएँ प्रदान कर EVs अपनाने की आरंभिक लागत को कम करना।मूल उपकरण निर्माताओं (Original Equipment Manufacturers- OEMs), स्टार्ट-अप और अन्य हितधारकों के बीच नवाचार, प्रतिस्पर्द्धा एवं सहयोग को प्रोत्साहित कर EVs के विकल्प को बढ़ाना।

प्रोत्साहन और सहायक नीतियों के माध्यम से EVs एवं संबंधित घटकों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करना।EVs के लाभों और प्रदत्त प्रोत्साहनों के बारे में अभियान, पोर्टल और प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के माध्यम से जनता में जागरूकता का प्रसार करना। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, स्मार्ट ग्रिड और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों में निवेश के माध्यम से बिजली वितरण एवं आपूर्ति में सुधार लाना।फास्ट-चार्जिंग और बैटरी-स्वैपिंग तकनीकों एवं मानकों को विकसित करके EVs के चार्जिंग समय को कम करना।पर्याप्त गुणवत्ता और अभिगम्यता के साथ देश भर में सार्वजनिक एवं निजी चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क स्थापित कर EVs चार्जिंग अवसंरचना का विस्तार करना।EVs के रखरखाव और सर्विसिंग के लिये तकनीशियनों, मैकेनिक एवं डीलरों को प्रशिक्षण और प्रमाण-पत्र प्रदान कर EVs के लिये सेवा केंद्र एवं मरम्मत विकल्पों की वृद्धि करना।सार्वजनिक परिवहन प्राधिकरणों सहित सरकारी संस्थानों को अपने बेड़े में EVs अपनाने के लिये प्रोत्साहित करना। यह EVs के लिये बड़ी मांग पैदा करेगा, बाज़ार को प्रोत्साहित करेगा और इलेक्ट्रिक गतिशीलता की व्यवहार्यता प्रदर्शित करेगा।

परिवारों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने के लिए विशेषज्ञ सलाह

स्मार्टफोन, टैबलेट, लैपटॉप, और गेमिंग कंसोल जैसे उपकरण बच्चों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गए हैं, और इंटरनेट उनकी शैक्षिक और मनोरंजन जरूरतों का प्रमुख साधन है। हालांकि, इस डिजिटल विकास के साथ कई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं, जैसे साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शोषण, और अनुचित सामग्री की पहुंच। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें कानूनी ढांचे, माता-पिता का मार्गदर्शन और तकनीकी समाधान शामिल हों।इंटरनेट ने बच्चों को सीखने और खुद को व्यक्त करने के कई नए अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इसके साथ कई खतरों का सामना भी करना पड़ता है। साइबरबुलिंग, अनुचित सामग्री तक पहुंच, और गोपनीयता का उल्लंघन बच्चों के लिए सबसे प्रमुख समस्याएं बन गई हैं। विशेष रूप से, साइबरबुलिंग बच्चों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में तीन में से एक बच्चा साइबरबुलिंग का शिकार हुआ है, जिसके उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव देखे गए हैं।भारत जैसे देशों में, डिजिटल विभाजन का एक और पहलू उभर कर सामने आता है। केवल 40% लोग ही बुनियादी डिजिटल कौशल रखते हैं, जिससे न केवल बच्चों को डिजिटल खतरों से बचाना कठिन हो जाता है, बल्कि उन्हें उचित डिजिटल सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां बच्चों के पास अपनी व्यक्तिगत डिवाइस नहीं होती, वे परिवार के अन्य सदस्यों के साथ डिवाइस साझा करते हैं। यह स्थिति माता-पिता के लिए बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी रखना और उन्हें नियंत्रित करना मुश्किल बना देती है। इसके अलावा, यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर अनुचित सामग्री की आसान उपलब्धता ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है।बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसमें कानूनी ढांचे, तकनीकी समाधानों और माता-पिता की भूमिका को शामिल करना होगा। सबसे पहले, माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे इंटरनेट पर किस प्रकार की सामग्री देख रहे हैं और किन लोगों के संपर्क में हैं। इसके लिए डिजिटल साक्षरता महत्वपूर्ण है, जो बच्चों और उनके अभिभावकों को संभावित ऑनलाइन खतरों को समझने और उनसे बचने में मदद कर सकती है। भारत की डिजिटल इंडिया पहल इस दिशा में काम कर रही है, लेकिन इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।तकनीकी प्लेटफार्मों की भूमिका भी अहम है। तकनीकी कंपनियों को मजबूत अभिभावकीय नियंत्रण सुविधाएँ विकसित करनी चाहिए जो बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों की निगरानी करने में सहायक हों। उदाहरण के लिए, यूट्यूब किड्स जैसे प्लेटफार्मों पर अभिभावकीय नियंत्रण सुविधाएँ हैं, जो माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम को मैनेज करने और अनुचित सामग्री तक उनकी पहुंच को रोकने में मदद करती हैं। इसी प्रकार के और अधिक प्लेटफार्मों और सुविधाओं की आवश्यकता है, ताकि बच्चों को सुरक्षित डिजिटल अनुभव मिल सके।भारत और अन्य देशों में सरकारें बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर कई प्रकार के कदम उठा रही हैं। उदाहरण के तौर पर, यूके के आयु-उपयुक्त डिज़ाइन कोड (Age-Appropriate Design Code) ने बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्लेटफार्मों को आवश्यक सुरक्षा उपायों को लागू करने पर जोर दिया है। भारत में भी इसी प्रकार के दिशा-निर्देश लागू करने की आवश्यकता है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि तकनीकी प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए अलग-अलग आयु समूहों के अनुसार सामग्री और सुरक्षा उपायों को संशोधित करें।भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल जिम्मेदारी के प्रावधान शामिल किए जा सकते हैं। स्कूलों को बच्चों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के तरीके सिखाने के लिए अपने पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता को शामिल करना चाहिए। शिक्षा मंत्रालय और तकनीकी प्लेटफॉर्म के बीच सहयोग से बच्चों की डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने के व्यापक उपाय किए जा सकते हैं।बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए आयु सत्यापन एक और महत्वपूर्ण पहलू है। हालांकि, पहचान से संबंधित दस्तावेजों की आवश्यकता वाले आयु सत्यापन सिस्टम गोपनीयता से संबंधित मुद्दों को जन्म देते हैं। अकसर ये सिस्टम जरूरत से ज्यादा डेटा एकत्र करते हैं, जो बच्चों की गोपनीयता का उल्लंघन कर सकता है। भारत में, आधार कार्ड का उपयोग आयु सत्यापन के लिए किया जा रहा है, लेकिन इससे डेटा दुरुपयोग की चिंताएं भी बढ़ी हैं। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, सरकार को एक सुरक्षित और गोपनीयता-सम्मत आयु सत्यापन प्रणाली विकसित करनी चाहिए।बच्चों के डिजिटल अधिकारों की रक्षा करना भी महत्वपूर्ण है। इंटरनेट तक उनकी पहुंच को पूरी तरह से रोकना या सीमित करना उनके सीखने और विकास को बाधित कर सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म बच्चों की कौशल वृद्धि और रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए, इन प्लेटफॉर्मों तक बच्चों की पहुंच सुनिश्चित करना और साथ ही उन्हें सुरक्षित रखना आवश्यक है। शिक्षा का अधिकार केवल स्कूलों तक सीमित नहीं होना चाहिए; इसमें डिजिटल शिक्षा और सुरक्षा का भी समावेश होना चाहिए।डिजिटल युग में बच्चों की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए कानूनी ढांचे, तकनीकी समाधानों और माता-पिता के मार्गदर्शन की आवश्यकता है। बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को सुनिश्चित करना केवल सरकार का काम नहीं है; इसमें तकनीकी कंपनियों, अभिभावकों, और समाज के अन्य सदस्यों की भी अहम भूमिका होती है। इंटरनेट बच्चों के लिए सीखने का एक महत्वपूर्ण साधन हो सकता है, बशर्ते कि इसे सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से उपयोग किया जाए। हमें एक ऐसा डिजिटल वातावरण बनाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिसमें बच्चे सुरक्षित रहें, और साथ ही उनके विकास के अवसर भी न खोएं।

साइबर सुरक्षा दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, चाहे आप सार्वजनिक वाईफाई हॉटस्पॉट से जुड़ रहे हों या घर पर सोशल मीडिया पर स्क्रॉल कर रहे हों। जैसे, आप जो कुछ भी कर सकते हैं उसे सीखना महत्वपूर्ण है।साइबर सुरक्षा विषयों पर विशेषज्ञ लेखों और मार्गदर्शन के साथ अपने परिवार को सुरक्षित रखने का तरीका जानें।

साइबर सुरक्षा क्या है?

साइबर सुरक्षा का मतलब ऑनलाइन स्पेस में सुरक्षा है। इसलिए, यह आपके द्वारा अपने ऑनलाइन सामाजिक और वीडियो गेमिंग खातों पर उपयोग की जाने वाली सुरक्षा सेटिंग्स या आपके द्वारा अपने परिवार के उपकरणों पर उपयोग किए जाने वाले सॉफ़्टवेयर को संदर्भित कर सकता है। अच्छी साइबर सुरक्षा का मतलब है कि आपके परिवार की व्यक्तिगत जानकारी के गलत हाथों में पड़ने की संभावना कम है। इसलिए, आपके उपकरणों की सुरक्षा करने वाले सुरक्षा उपायों को लागू करना महत्वपूर्ण है।

विभिन्न प्रकार के साइबर हमलों और अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए आप जो सुरक्षा कर सकते हैं, उसके बारे में जानने के लिए इस गाइड का अन्वेषण करें।

साइबर सुरक्षा से संबंधित विषयों का अन्वेषण करें

साइबर सुरक्षा सूचना प्रौद्योगिकी और ऑनलाइन उपयोग के कई अलग-अलग हिस्सों को कवर करती है। फ़िशिंग से लेकर पायरेसी तक, जानने के लिए बहुत कुछ है। इसलिए, हमने आपके बच्चे की ऑनलाइन सुरक्षा में मदद करने के लिए अधिक गहराई से अन्वेषण करने के लिए कुछ विषयों को एक साथ रखा है।

साइबर हमलों के प्रकार

खराब साइबर सुरक्षा आपके उपकरणों को हमले के जोखिम में छोड़ देती है, जो कई चीजों की तरह लग सकता है। इसलिए यह आपके उपकरणों और सूचना सुरक्षा को विभिन्न तरीकों से प्रभावित कर सकता है। निम्नलिखित कुछ साइबर हमले हैं जिनकी चपेट में आपका परिवार आ सकता है:

बच्चों को साइबर सुरक्षा के बारे में सिखाएं

चाहे आप माता-पिता हों या घर पर देखभाल करने वाले हों या कक्षा में शिक्षक हों, निम्नलिखित संसाधन साइबर सुरक्षा सिखाने में आपकी मदद कर सकते हैं। संपूर्ण पाठ या सूचनात्मक मार्गदर्शिका के लिए, नीचे कोई विकल्प चुनें।

परिवारों के लिए लोकप्रिय साइबर सुरक्षा सॉफ्टवेयर

निम्नलिखित उत्पाद पूरे वेब से रेटिंग के आधार पर परिवारों के लिए सबसे लोकप्रिय साइबर सुरक्षा सॉफ़्टवेयर हैं। वे सभी नेटवर्क सुरक्षा के लिए अपने स्वयं के अनूठे तत्वों की पेशकश करते हैं।

50 हजार से शुरू करें ये 5 नायाब स्टार्टअप

पैसे कमाने का ख्वाब हर कोई देखता है पर अपने सपने वही पूरा कर पाता है जिसके पास एक अच्छी योजना हो। इसी के चलते आजकल हर कोई अपनी नौकरी छोड़ कर बिजनेस करना चाहता है। बढ़ते स्टार्ट-अप्स और सस्ते होते लोन्स के कारण युवा बिजनेस के ओर काफी आकर्षित हो रहे हैं। सबका सपना होता है कि वह अपनी खुद की कंपनी बनाएं और एक अच्छा नाम कमाएं। लेकिन काफी लोगों का मानना है कि बिजनेस शुरू करने के लिए लाखों या करोड़ों रुपयों की जरूरत पड़ती है। पर ऐसा नही है। आप 50 हजार रुपयों में भी एक बढ़िया बिजनेस शुरू कर सकते हैं, बस जरूरत है एक अच्छे आइडिया की। इस लेख में हम आपको बता रहे हैं ऐसे ही कुछ स्टार्टअप आइडिया, जिनमें लागत भी कम है और मेहनत भी।

ब्यूटी पार्लर शुरू कर कमा सकते हैं लाखों-

लड़कियों के साथ-साथ आजकल लड़कों को भी सजना-संवरना खूब भाता है। अगर आमदनी की बात करें तो ब्यूटी पार्लर एक अच्छा जरिया बन सकता है। सिर्फ महिलाओं के लिए ही नहीं, लड़कों के लिए खोले गए पार्लर भी अच्छी कमाई करते हैं। ब्यूटी प्रोडक्ट्स और पार्लर से जुड़ी कुछ मशीनें ला कर आप एक शानदार पार्लर खोल सकते हैं। इसकी शुरुआती लागत भी कम है और आमदनी जबरदस्त है।

ट्रैवल एजेंसी में लागत कम कमाई ज्यादा-

अगर आपको घूमने-फिरने को शौक है तो ये रहा एक बेल्ट करियर विकल्प। ट्रैवलिंग इंडस्ट्री में कई रोजगार पैदा किए हैं। ट्रैवल एजेंसी भी इसी का एक हिस्सा है। ग्राहक की जरूरत के हिसाब से ट्रैवल एजेंट्स टिकट से लेकर होटल बुकिंग्स, सभी करते हैं। ट्रैवल एजेंसी को शुरू करने के लिए कोई खास लागत नहीं लगती। एक बार बिजनस सेट हो जाए, उसके बाद इससे अच्छी खासी आमदनी होती है।

पर्सनलाइज्ड गिफ्ट शॉप खोले, मिलेंगे ये फायदे-

आजकल गिफ्ट्स का चलन काडी बढ़ गया है। किसी की तस्वीर को कॉफी मग पर लगवाना हो या कोई फोटो टी-शर्ट पर छपवानी हो, पर्सनलाइज्ड गिफ्ट शॉप की आजकल काफी डिमांड है। कुछ अलग गिफ्ट करने के लिए ये सबसे बढ़िया ऑप्शन्स में से एक है। इसको शुरू करने के लिए प्रिंटिंग मशीन और रंगों की लागत आएगी। इसके बाद आप शर्ट ही नहीं, नोट भी छापने लगेंगे।

टिफिन सर्विस से करें अपने सपने साकार-

कॉलेज और नौकरी के लिए कई युवा आजकल अपने घरों से निकल कर दूसरे शहरों में जाकर रह रहे हैं। ऐसे बच्चे टिफिन सर्विस पर ही निर्भर होते हैं क्योंकि थाकान के चलते वे ज्यादा काम नहीं कर पाते। टिफिन सर्विस के जरिए आप अच्छी खासी आमदनी कर सकते हैं। इसको शुरू करने के लिए आपको ना ही ज्यादा लेबर की जरूरत पड़ेगी और ना ही कोई भारी खर्च आएगा। आप आराम से घर बैठे अपना टिफिन सर्विस शुरू कर सकते हैं।

Coaching Center

आज के इस लेख मे 5 Best Business Idea Under 50000 के पहले नंबर पर हमने आप सभी युवाओं के लिए Coaching Center को रखा है। जी हाँ आप एक कोचिंग सेंटर खोलकर एक अच्छी कमाई कर सकते है। जैसा की हम सभी जानते है, की आज कल के हर माता पिता अपने बच्चे के बेहतर पढ़ाई के लिए उन्हे एक अच्छे कोचिंग सेंटर मे पढ़ाना चाहते है।
इसको देखते हुए अगर आप किसी भी विषय मे अच्छे है तो आप एक कोचिंग सेंटर को खोल सकते है। चाहे तो आप कोचिंग सेंटर के लिए एक शिक्षक भी रख सकते है।
हम आपको बता दे की आप 50 हजार रुपये के अंदर एक कोचिंग सेंटर को आराम से खोल सकते है। अगर आप Coaching Center शुरू करना चाहते है तो आप नीचे बताए गए स्टेप्स को फॉलो करके खोल सकते है।

Coaching Center कैसे खोले?

Coaching Center को शुरू करने के लिए आप सबसे पहले एक अच्छे जगह का चयन करें। जहां आप कोचिंग सेंटर को खोलना चाहते है।अब आप यह चुनाव कर ले की आप उस कोचिंग सेंटर मे क्या पढ़ाएंगे।फिर आप अपने Coaching Center को को अच्छी तरीके से तैयार करें। यदि आप खुद से अपने कोचिंग सेंटर मे नहीं पढ़ाना चाहते है तो आप उसमे एक अच्छा शिक्षक को रख सकते है। ध्यान रहे की कोचिंग सेंटर मे विधार्थी को लाने के लिए मार्केटिंग बहुत जरूरी है। इसलिए आप पहले मार्केटिंग जरूर करें।

Fast Food Stall

आज के इस आर्टिकल 5 Best Business Idea Under 50000 के दूसरे स्थान पर हमने Fast Food Stall को रखा है। भारत मे बहुत सारे ऐसे लोग रहते है जो रोज तरह तरह के चीजें खाना पसंद करते है। जिसमे से सभी भारतीयों का पहला पसंद फास्ट-फूड ही रहता है।
आप Fast Food Stall को लगाकर एक अच्छा कमाई कर सकते है। इस Fast Food Stall मे आप Burger, Noodles, Momos जैसे फास्ट फूड को रख सकते है।

Fast Food Business कैसे शुरू करें?

Fast Food Stall Business को शुरू करने के लिए सबसे पहले आपको फास्ट फूड बनाना आना चाहिए। अगर आपको बनाने नहीं आता है तो आप पहले किसी के स्टॉल पर रहकर सिख सकते है।फिर आप Fast Food Stall Business को शुरू करने के लिए एक अच्छी भीड़ भाड़ वाली जगह का चयन कर ले।
उसके बाद आप एक स्टॉल बनवाए या आप एक पुराना स्टॉल भी खरीद सकते है।अब आप अपने Fast Food Stall Business का सभी मुख्य पंजीकरण जरूर करवा ले।उसके बाद आप अपने Fast Food Stall Business को शुरू कर सकते है।

Event Planning

आज के इस आर्टिकल मे Best Business Idea मे तीसरे स्थान पर Event Planner को रखा है। यदि आप Organizing और Management में अच्छे हैं, तो आप एक Event Planner के रूप में काम करके अच्छा पैसे कमा सकते हैं। Event Planner के रूप मे आप आप शादियों, जन्मदिन की पार्टियों, और कॉर्पोरेट कार्यक्रमों जैसे विभिन्न प्रकार के आयोजन आयोजित कर सकते हैं। आपको बता दे इस स्टार्टअप को आप 50 हजार के अंदर ही स्टार्ट कर सकते है। इसक Best Business Idea से आप महीने के लाखों मे कमा सकते है।

Event Planner का काम कैसे शुरू करें?

Event Planning Business शुरू करने के लिए आपको सबसे पहले इसके बारे मे अपने मार्केट रिसर्च करें। यह जानना महत्वपूर्ण है कि आपके क्षेत्र में किस तरह के इवेंट की मांग है।
अपने कौशल और अनुभवों का मूल्यांकन करें। आप यह भी जानने की कोशिश करें की किस तरह के इवेंट को संभालने में आप सक्षम हैं? इसके लिए आप एक व्यवसाय योजना बनाएं। अपने व्यवसाय के लक्ष्य, रणनीति, और वित्तीय योजना को स्पष्ट रूप से लिखें।
अपने व्यवसाय को जरूर पंजीकृत करें। कानूनी रूप से काम करने के लिए, आपको अपने व्यवसाय को पंजीकृत करने की आवश्यकता जरूरी है। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताने के लिए मार्केटिंग और प्रचार पर ध्यान दें

Freelancing

आज के इस लेख Best Business Idea मे हमने चौथे स्थान पर Freelancing को रखा है जी हाँ आप Freelancing का बिजनेस को शुरू करके घर बैठे भी लाखों के महीने कमा सकते है। यदि आप किसी विशेष क्षेत्र में कौशल रखते हैं।जैसे कि लेखन, डिजाइन, या प्रोग्रामिंग, तो आप Freelancer के रूप में काम करके पैसे कमा सकते हैं। आप ऑनलाइन Freelancer मार्केटप्लेस जैसे Upwork और Fiverr पर अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

Freelancing Business कैसे शुरू करें?

सबसे पहले आप यह जाने की आप किस तरह की सेवाएं प्रदान कर सकते हैं?अपने मार्केट रिसर्च करें कीआपकी सेवाओं के लिए बाजार में मांग है या नहीं?अब आप एक ऑनलाइन प्रोफ़ाइल बनाएं Upwork, Fiverr, और Freelancer जैसे Freelancing Marketplace पर अपनी प्रोफ़ाइल बनाएं।और अब आप ऑनलाइन पाठ्यक्रम और कार्यक्रम मे भाग लें।
अपने ग्राहकों को महत्व जरूर दें। अपने काम समय पर पूरा करें और ग्राहकों की संतुष्टि सुनिश्चित करें।

Sewing Center

आज के इस आर्टिकल मे 5 Best Business Idea Under 50000 के पाँचवे स्थान पर Sewing Center Business को रखा है जी हाँ आप इसे 50 हजार के कम लागत मे स्टार्ट कर सकते है। सिलाई केंद्र व्यवसाय एक ऐसा व्यवसाय है जो लोगों को कपड़े सिलवाने, मरम्मत करने, और डिजाइन करने में मदद करता है। यह एक ऐसा व्यवसाय है जिसे आप कम निवेश के साथ शुरू कर सकते हैं और इसमें उच्च लाभ मार्जिन होता है।

Sewing Center Business कैसे शुरू करें?

Sewing Center Business शुरू करने के लिए सबसे आपको कपड़ों की सिलाई करने नहीं आती है तो पहले आप इस सीखे।
अगर आप इसे नहीं सीखते है तो आप किसी अच्छे टेलर को भी रख सकते है।
अब आपको एक अच्छी जगह ढूँढ़नी है जहां पर आप अपना सिलाई सेंटर को खोलना है।
अब आप इसमे इसमें सिलाई मशीनें, कपड़े,

यूको बैंक लोकल बैंक ऑफिसर भर्ती के लिए आवेदन की लास्ट डेट कल, ग्रेजुएट अभ्यर्थी तुरंत कर लें अप्लाई

जॉब डेस्क, नई दिल्ली। बैंक में सरकारी नौकरी पाने का सपना देख रहे युवाओं के लिए महत्वपूर्ण खबर है। यूको बैंक में लोकल बैंक ऑफिसर पदों पर भर्ती हो रही है जिसमें शामिल होने के लिए आवेदन की लास्ट डेट कल यानी 5 फरवरी 2025 निर्धारित है। ऐसे में जो भी अभ्यर्थी इस भर्ती के लिए पात्रता पूरी करते हैं और अभी तक किसी कारणवश फॉर्म नहीं भर सके हैं वे तुरंत ही आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर लें। कल के बाद एप्लीकेशन विंडो बंद कर दी जाएगी। आवेदन पत्र ऑनलाइन माध्यम से यूको बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट ucobank.com या इस पेज पर दिए डायरेक्ट लिंक से भरा जा सकता है।

पात्रता एवं मापदंड

इस भर्ती में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी का किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके साथ ही अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 20 वर्ष से कम और अधिकतम आयु 30 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ऊपरी उम्र में आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट प्रदान की जाएगी।

एप्लीकेशन फीस

इस भर्ती में आवेदन के साथ ही अभ्यर्थियों को वर्गानुसार निर्धारित शुल्क अनिवार्य रूप से जमा करना होगा तभी आपका फॉर्म स्वीकार किया जायेगा, बिना शुल्क के भरे गए फॉर्म स्वतः ही निरस्त हो जायेंगे। एप्लीकेशन फीस अन्य सभी श्रेणियों के लिए 850 रुपये तय की गई है वहीं एससी/ एसटी/ पीडब्ल्यूबीडी वर्ग से आने वाले उम्मीदवारों को फीस के रूप में 175 रुपये का भुगतान करना होगा। आवेदन फीस ऑनलाइन माध्यम से जमा की जा सकती है।

स्वयं कर सकते हैं आवेदन

यूको बैंक लोकल बैंक ऑफिसर एप्लीकेशन फॉर्म भरने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट ucobank.com पर विजिट करें।

वेबसाइट के होम पेज पर आपको भर्ती से सम्बंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करना होगा।

इसके बाद Click here for New Registration पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल भरें और पंजीकरण कर लें।

रजिस्ट्रेशन होने के बाद अभ्यर्थी अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रक्रिया को पूर्ण करें।

अब हस्ताक्षर एवं फोटोग्राफ अपलोड करें।

अंत में कैटेगरी के अनुसार निर्धारित शुल्क जमा करें और फॉर्म को सबमिट कर दें।

पूर्व मध्य रेलवे में 10th-ITI पास के लिए अप्रेंटिस पदों पर नौकरी पाने का मौका, जल्द कर लें अप्लाई

जॉब डेस्क, नई दिल्ली। रेलवे में नौकरी पाने का सपना देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे की ओर से अप्रेंटिसशिप के बंपर पदों पर भर्ती निकाली गई है जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया स्टार्ट हो चुकी है। जो भी अभ्यर्थी 10th के साथ आईटीआई उत्तीर्ण हैं वे इस भर्ती में शामिल होने के लिए ऑनलाइन माध्यम से एप्लीकेशन फॉर्म भर सकते हैं। अन्य किसी भी प्रकार से फॉर्म स्वीकार नहीं किया जायेगा। आवेदन पत्र ऑफिशियल वेबसाइट rrcrail.in पर जाकर या इस पेज पर उपलब्ध करवाए गए डायरेक्ट लिंक पर क्लिक करके भरा जा सकता है।

आवेदन से पहले चेक कर लें पात्रता

इस भर्ती में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी ने 10th/ मैट्रिक उत्तीर्ण करने के साथ ही ITI सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो। इसके साथ ही 1 जनवरी 2025 को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 15 वर्ष एवं अधिकतम आयु 24 वर्ष तय की गई है। आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में छूट दी गई है।

स्वयं से भर सकते हैं फॉर्म

इस भर्ती में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी स्वयं ही आवेदन पत्र भर सकते हैं। आपकी सहूलियत के लिए आवेदन की स्टेप्स यहां दी जा रही हैं जिससे आपको फॉर्म भरने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो-

ECR Patna Trade Apprentices 2025 एप्लीकेशन फॉर्म भरने के लिए सबसे पहले पोर्टल rrcrail.in पर विजिट करें।

वेबसाइट के होम पेज पर आपको न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करना है और मांगी गई डिटेल भरकर पंजीकरण कर लेना है।

रजिस्ट्रेशन होने के बाद अभ्यर्थी अन्य डिटेल भरकर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर लें।

अंत में अभ्यर्थी (वर्गानुसार यदि लागू हो) निर्धारित शुल्क जमा करके फॉर्म को सबमिट कर दें।

अब रात में फसलों को पानी देने के लिए नहीं जाना पड़ेगा

अब रात में फसलों को पानी देने के लिए नहीं जाना पड़ेगा – जी हां ! अब मध्यप्रदेश के किसानों को तेज ठंड के दौरान रात को फसलों में पानी देने के लिए घर से नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि एमपी की सरकार ने किसानों को सिंचाई के लिए दिन में ही बिजली उपलब्ध कराने का फैसला लिया है। अभी इसके पहले तक रात के समय बिजली दी जाती थी और ऐसे में किसानों को रात में ही घर से खेतों में पहुंचकर सिंचाई करना पडती थी लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। निरंतर बिजली और हर खेत को पानी मिलने से किसान वर्ष भर फसल ले सकेंगे। अब सरकार ने निर्णय लिया है कि किसानों को रात में सिंचाई नहीं करनी पड़ेगी, उन्हें दिन में ही 8 से 10 घंटे सिंचाई के लिए बिजली मिलेगी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना से शाजापुर जिले के 155 गांव को भी योजना से जोड़ा जायेगा। प्रदेश में अगले 5 वर्षों में सिंचाई के रकबे को एक करोड़ हेक्टेयर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पहले किसानों को अपने कामों के लिए पटवारी को ढूंढना पड़ता था लेकिन अब नामांतरण, बटवारा जैसे कार्य आसानी से हो जाते हैं। साइबर तहसील योजना के माध्यम से रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण अपने आप हो जाता है। अब विद्यार्थियों को मार्कशीट और टीसी आदि के लिए चक्कर नहीं लगाने पड़ते, डिजिलॉकर के माध्यम से यह दस्तावेज मोबाइल पर ही प्राप्त हो जाते हैं

क्या है स्प्रिंकलर सिंचाई का सही तरीका और किसानों को कैसे मिलेगा इसका फायदा?

किसानों के लिए केंद्र सरकार कई योजानाएं चला रही है. इनमें से एक है प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना. किसानों की आय और फसलों की पैदावार को बढ़ाने के लिए यह स्कीम शुरू की गई है. इस योजना के माध्यम से ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर सिंचाई आदि को बढ़ावा दिया जा रहा है. सिंचाई के इन तरीकों से पानी को बचाने की कोशिश है. आइए जानते हैं कि क्या है स्प्रिंकलर सिंचाई और क्या हैं इसके फायदे.

स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति बरसात की बौछार का अहसास देने वाली सिंचाई पद्धति है. इसमें पानी को प्रेशर के साथ पाइप के जाल द्वारा फैलाकर स्प्रिंकलर के नोजिल तक पहुंचाया जाता है. जहां से यह एक समान वर्षा की बौछारो के रूप मे जमीन में फैलता है.

स्प्रिंकलर सिंचाई क्या है ?

यह सिंचाई करने का एक उन्नत साधन और तकनीक है. इस तकनीक के माध्यम से सिंचाई ऐसे की जाती है, मानो बरसात हो रही हो. देश में इसको फव्वारा सिंचाई भी कहते हैं. इसके

अंतर्गत ट्यूबवेल/टंकी या तालाब से पानी को पाइपों के द्वारा खेत तक ले जाते हैं और वहां पर उन पाइपों के ऊपर नोजिल फिट कर दी जाती है. इन नोजिल से पानी फसल के ऊपर इस प्रकार गिरता है, मानो बरसात हो रही हो. इससे पूरी फसल को एक समान पानी प्राप्त होता है. पानी के प्रेशर के आधार पर स्प्रिंकलर को तीन भागों में बांटा गया है.

रेन गन स्प्रिंकलर

माध्यम फव्वारा/फव्वारा स्प्रिंकलर

माइक्रो स्प्रिंकलर या सूक्ष्म फव्वारा

रेन गन स्प्रिंकलर में पानी काफी तेज गति से निकलता है. इसका इस्तेमाल पलेवा करने में गन्ने की फसल में किया जाता है. वहीं, माध्यम फव्वारा का इस्तेमाल मुलायम फूल और पत्तियों वाली फसलों में किया जाता है. माइक्रो स्प्रिंकलर का प्रयोग फूलों एवं छोटे पत्ते वाली सब्जियों में किया जाता है.

फव्वारा सिंचाई में नोजिल का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है. नोजिल ही यह तय करता है कि एक घंटे में एक खेत में कितने पानी की दर की आवश्यकता है एवं कितने मीटर वर्ग में इससे सिंचाई होगी.

कैसे मिलेगी सब्सिडी

यदि आप स्प्रिंकलर सिंचाई करना चाहते हैं, तो इसके उपकरण खरीदने के लिए सरकार की ओर से अनुदान मिलता है. इसके लिए आपको सबसे पहले Pradhan Mantri Krishi Sinchai Yojana, के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा. आवेदन के लिए राज्य सरकारें अपने अपने प्रदेश के कृषि विभाग की वेबसाइट पर आवेदन करवाती हैं.

मध्यप्रदेश में कृषि उपज मंडियों में किसानों को 5 रुपये में भोजन

मध्यप्रदेश सरकार किसानों के कल्याण के लिए नई योजनाओं पर जोर दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि और किसानों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को अमल में ला रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान (GYAN) से प्रेरित होकर सरकार ने चार प्रमुख मिशनों पर काम करने की घोषणा की है।

कृषक जीवन कल्याण योजनाः किसानों के लिए वित्तीय सहायता

मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के तहत किसानों को विभिन्न परिस्थितियों में वित्तीय सहायता दी जाती है। योजना में आंशिक अपंगता की स्थिति में 50,000 रुपये, स्थायी अपंगता पर 1 लाख रुपये और मृत्यु पर 4 लाख रुपये की राशि दी जाती है। इसके अतिरिक्त अंतिम संस्कार के लिए भी 4,000 रुपये की सहायता राशि दी जाती है।

मंडी हम्माल एवं तुलावटी सहायता योजना

प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में काम करने वाले हम्माल और तुलावटियों के लिए विशेष योजना लागू की गई है। इस योजना में प्रसूति सहायता, विवाह सहायता, छात्रवृत्ति, चिकित्सा खर्च, दुर्घटना में अपंगता सहायता और अंत्येष्टि सहायता जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। यह योजना उन हम्माल और तुलावटियों के लिए है, जो 18 से 55 वर्ष की उम्र में मंडी समिति के अनुज्ञप्तिधारी हैं। योजना में पात्र व्यक्ति को हर साल 1,000 से 2,000 रुपये तक अंशदान जमा करना होगा, और 60 वर्ष की उम्र पूरी करने या आकस्मिक मृत्यु/स्थायी अपंगता की स्थिति में लाभ दिया जाएगा। मध्यप्रदेश की मंडियों में प्रत्येक वर्ष नर्मदा जयंती और बलराम जयंती के अवसर पर लॉटरी के जरिए किसानों को पुरस्कृत किया जाता है। बड़े पुरस्कारों में 35 एचपी का ट्रैक्टर और अन्य श्रेणियों में 50,000 रुपये तक के कृषि यंत्र शामिल हैं। इसके अलावा 1,000 से 21,000 रुपये तक की नगद राशि भी पुरस्कार स्वरूप दी जाती है।

5 रुपये में भोजन थाली योजना

राज्य की 257 कृषि उपज मंडियों में किसानों को 5 रुपये में भोजन थाली उपलब्ध कराने की योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत किसानों को 6 पूड़ी/रोटी, दाल और सब्जी का भोजन मिलेगा।

जिला स्तरीय कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम सम्पन्न

अविनाश जाजपुरा। नीमच

नीमच उद्यान विभाग द्वारा राज्य पोषित योजना के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन गत दिवस कृषि विज्ञान केन्द्र नीमच में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक नीमच श्री दिलीपसिंह परिहार ने कृषि वैज्ञानिक डॉ.सी.पी.पचोरी, उप संचालक उद्यान श्री अतर सिंह कन्नौजी, डॉ.पी.एस.नरूका, श्री सत्येन्द्र शर्मा सहित अन्य अधिकारी, कृषकों की उपस्थिति में मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। इस मौके पर विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार ने किसानों को उद्यानिकी विभाग की फल क्षेत्र विस्तारए सब्जी क्षेत्र विस्तार, मसाला क्षेत्र विस्तार आदि योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने एवं उन्नत तकनीकी से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उप संचालक उद्यान श्री अतर सिंह कन्नौजी ने उपस्थित अतिथियों एवं कृषकों का स्वागत किया और विभागीय अनुदान योजनाओं की जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कृषि विज्ञान केन्द्र प्रमुख , डॉ.सी.पी.पचोरी ने कृषकों को फल क्षेत्र विस्तार, सब्जी क्षेत्र विस्तार एवं मसाला क्षेत्र विस्तार को बढाने हेतु प्रोत्साहित किया। साथ ही मृदा परीक्षण, जैविक/प्राकृतिक खेती एवं फसल चक्र, जैविक विधियों से कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में बताया। कृषि वैज्ञानिक डॉ.पी.एस.नरूका ने कृषकों उद्यानिकी फसलों की मार्केटिंग एवं गुणवत्ता नियंत्रण के बारे में जानकारी दी। डॉ.गर्विता रूनवाल ने बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं दुधारू पशुओं पर केसीसी तथा कृत्रिम गर्भाधान योजनाओं की जानकारी दी। एल.डी.एम. श्री सत्येन्द्र शर्मा ने बैंक ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई। जिला रिसोर्स पर्सन श्री सुभाषचन्द्र शर्मा ने पीएम.एफएमई योजना के तहत डीपीआर तैयार करने एवं बैंक ऋण प्राप्त करने हेतु आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषकगण श्री भागीरथ नागदा (ग्राम बासनिया) श्री घनश्याम रावत (ग्राम रातीतलाई) श्री राधेश्याम मेघवाल (ग्राम खेमपुरा) उपस्थित थे। इस मौके पर किसानों को अन्य कृषकों के यहाँ भ्रमण कराया तथा उन्नतशील खेती के अनुभवों को कृषकों के साथ साझा किया। कार्यक्रम के समापन पर श्री विदेश वसुनिया ने आभार व्यक्त किया।

भारत-पाकिस्तान के बीच दुबई में होगा मुकाबला, हेड टू हेड कैसा रहा है रिकॉर्ड?

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से हो रहा है. वहीं, भारत और पाकिस्तान की टीमें 23 फरवरी को आमने-सामने होंगी. दोनों टीमों के बीच मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा. इस मुकाबले का इंतजार दुनियाभर के क्रिकेट फैंस कर रहे हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं चैंपियंस ट्रॉफी में भारत बनाम पाकिस्तान का हेड टू हेड रिकॉर्ड क्या है? चैंपियंस ट्रॉफी में किस टीम का पलड़ा भारी रहा है? दरअसल, चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पलड़ा भारी रहा है. आंकड़े बताते हैं कि अब तक चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान का आमना-सामना 5 बार हुआ है.

चैंपियंस ट्रॉफी में हेड टू हेड रिकॉर्ड किसके पक्ष में?

चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान ने भारत को 3 बार हराया है. वहीं, भारतीय टीम पाकिस्तान को महज 2 बार हरा सकी है. इस तरह आंकड़े पाकिस्तान के पक्ष में हैं. भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2013 में पाकिस्तान को हराया था. यह पहली बार था, जब भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान को शिकस्त दी थी. उस भारतीय टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी थी. इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी 2017 में भारत और पाकिस्तान का 2 बार आमना-सामना हुआ. भारत ने ग्रुप मुकाबले में पाकिस्तान को हराया, लेकिन शहजाद अहमद की अगुवाई वाली पाकिस्तान ने फाइनल में भारतीय टीम को करारी शिकस्त दी थी.

वनडे फॉर्मेट में किस टीम का पलड़ा भारी...

वहीं, अगर वनडे फॉर्मेट में भारत और पाकिस्तान के हेड टू हेड की बात करें तो यहां भी पाकिस्तान का पलड़ा भारी है. आंकड़े बताते हैं कि अब तक वनडे फॉर्मेट में भारत और पाकिस्तान का 135 बार आमना-सामना हुआ है. जिसमें पाकिस्तान ने भारत को 73 बार पटखनी दी है. जबकि भारत ने पाकिस्तान को 57 बार हराया है. हालांकि, वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ शानदार है, लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान का पलड़ा भारी है. बहरहाल, इस बार देखना मजेदार होगा कि बाजी किस टीम के हाथ लगती है?

आईपीएल 2025 पर आया बड़ा अपडेट, जानें कब जारी होगा शेड्यूल, किसके बीच होगा पहला मैच?

आईपीएल 2025 का आगाज 21 मार्च से होना है. टूर्नामेंट के शेड्यूल को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन का फुल शेड्यूल इस हफ्ते जारी हो सकता है. टूर्नामेंट का पहला मैच पिछले सीजन की फाइनलिस्ट टीमों के बीच आयोजित होगा. कोलकाता नाइट राइडर्स ने पिछले सीजन का खिताब जीता था. उसने फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था.

खेल पत्रकार विजय टैगोर ने एक्स के जरिए आईपीएल 2025 को लेकर अपडेट शेयर किया है. उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके बताया कि आईपीएल 2025 का शेड्यूल जल्द ही जारी हो सकता है. हालांकि इसको लेकर अभी तक किसी भी तरह की ऑफीशियल जानकारी नहीं मिली है. टूर्नामेंट का आगाज 14 मार्च से होना था. लेकिन बाद में इसे आगे बढ़ा दिया गया था. अब यह 21 मार्च से खेला जाएगा.

किसके बीच खेला जाएगा आईपीएल 2025 का पहला मैच -

टूर्नामेंट का पहला मैच पिछले सीजन की फाइनलिस्ट के बीच खेला जाता है. लिहाजा इस बार भी यह परंपरा आगे बढ़ सकती है. आईपीएल 2024 का फाइनल कोलकाता और हैदराबाद के बीच खेला गया था. इस बार आईपीएल 2025 का पहला मैच इन दोनों टीमों के बीच खेला जा सकता है. यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में आयोजित हो सकता है.

कब और कहां खेला जाएगा आईपीएल 2025 का फाइनल -

इस सीजन का फाइनल मैच 25 मई को आयोजित होगा. टूर्नामेंट का फाइनल कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जा सकता है. वहीं टूर्नामेंट का एक क्वालीफायर हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेला जा सकता है. टूर्नामेंट का एलिमिनेटर भी यहीं आयोजित होगा. हालांकि अभी तक टूर्नामेंट का पूरा शेड्यूल आधिकारिक रूप से जारी नहीं हुआ है. लेकिन यह इस हफ्ते सामने आ सकता है.

वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा होना चाहिए घर, होगी खुशियों की बरसात

हमेशा वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर का चयन करना चाहिए। यह आपके जीवन में खुशियां लाता है। घर में कौन सी चीज किस दिशा में और किस जगह होना चाहिए, इसका वास्तु शास्त्र में उल्लेख मिलता है। वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर बनाने पर वहां सकारात्मक ऊर्जा रहती है। जिससे घर के सदस्यों को फायदा होता है और खुशियां आती हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि वास्तु के हिसाब से घर को कैसा बनाया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार के वास्तु दोष से बचा जा सके।

प्रवेश द्वार की दिशा

घर का प्रवेश द्वार घर के सदस्यों के लिए प्रवेश बिन्दु होता है। जो घर में ऊर्जा और जीवंतता लाता है। ऐसे में घर का प्रवेश द्वार बनाते समय ध्यान रखें कि वह उत्तर, पूर्व या उत्तर पूर्व दिशा में होना चाहिए। ताकि जब आप घर से बाहर निकलें तो आपका मुख उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर हो।

इसके साथ ही घर के मुख्य द्वार बेहतर गुणवत्ता वाली लकड़ी से बनाना चाहिए। साथ ही मुख्य द्वार के सामने किसी भी तरह की पानी की सजावट जैसे फव्वारा आदि नहीं लगाना चाहिए। प्रवेश द्वार के बाहर जूता रैक या कूड़ादान रखने से बचें। मुख्य द्वार के सामने बाथरूम न बनाएं और मुख्य द्वार पर काले रंग का पेंट न पोतें। साथ प्रवेश द्वार के नजदीक जानवरों की किसी भी प्रकार की मूर्ति न लगाएं।

लिविंग रूम के लिए वास्तु

हमेशा ध्यान रखें कि लिविंग रूम बेहद साफ सुथरा और व्यवस्थित हो। यह घर का सक्रिय क्षेत्र होता है इसलिए इसे खास तरीके से व्यवस्थित किया जाना चाहिए। घर का लिविंग रूम पूर्व दिशा, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित होना चाहिए। साथ ही लिविंग रूम का फर्नीचर पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। अगर लिविंग रूम में शीशा है तो उसे उत्तर दिशा की दीवार पर लगाना चाहिए और दक्षिण-पूर्व दिशा में इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उपकरण स्थापित होने चाहिए।

वास्तु के हिसाब से ऐसा होना चाहिए बेडरूम

आपके घर में आपका बेडरूम दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। साथ ही बेड को कमरे के दक्षिण-पश्चिम कोने में होना चाहिए। जिसका सिर हमेशा पश्चिम की ओर हो।

घर के उत्तर पूर्व दिशा में बेडरूम न बनाएं। इससे आपको स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। साथ ही दक्षिण-पूर्व दिशा में बेडरूम बनाने से परहेज करना चाहिए। इससे कपल के बीच मन मुटाव बढ़ सकता है। ध्यान रखें की बेडरूम में बेड के सामने शीशा या टेलीविजन न हो। बिस्तर के सामने शीशा या टेलीविजन होने से बिस्तर में सो रहे लोगों का प्रतिबिंब दिखता है। जिससे घर में झगड़े शुरू हो जाते हैं। बेडरूम की दीवारों में डार्क कलर नहीं पुतवाना चाहिए। दीवारों के लिए ऐसे रंग का चुनाव करें जो घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हैं। बेडरूम में भगवान का मंदिर नहीं होना चाहिए। बेडरूम में पानी या फव्वारे की पेंटिंग भी नहीं होना चाहिए।

किचन के लिए वास्तु

वास्तु के अनुसार घर का किचन हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाना चाहिए। किचन में उपयोग आने वाली सभी चीजें भी दक्षिण-पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। किचन को कभी भी घर की उत्तर दिशा, उत्तर-पूर्व दिशा या दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं बनाना चाहिए।

इन चीजों को घर से आज ही कर दें बाहर

घर से टूटे हुए कांच, खराब क्रॉकरी और टूटे हुए बर्तनों को तुरंत बाहर कर देना चाहिए। इनसे घर के लोगों में उदासी और निराशा का भाव उत्पन्न होता है। अगर घर में किसी भी प्रकार की दरार आती है या पेंट खराब होता है तो उसे शीघ्र ही सही करवाना चाहिए। अगर घर में कोई खिड़की दरवाजा तो उसे तुरंत ही बदल देना चाहिए। घर में जलपोतों, युद्ध, रोते हुए बच्चों, और डूबते सूरज की तस्वीरें नहीं लगाना चाहिए। इनसे घर में रहने वाले लोगों के दिमाग में नकारात्मक छवि बनती है और लोग उदास रहने लगते हैं। इसके अलावा यदि घर में झरने, फव्वारे, समुद्र, बारिश या एक्वैरियम की तस्वीरें लगी हों तो उन्हें तुरंत ही हटा दें।

घर में गमलों में लगे हुए पौधों का ध्यान रखना चाहिए। अगर वो सूख गए हैं या मुरझा गए हैं तो उन्हें तुरंत ही हटा दें। उनके स्थान पर गमले में नए पौधे लगा दें। सूखे हुए पौधे घर में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में व्यवधान उत्पन्न करते हैं। इनके साथ ही घर में काटों वाले पौधे नहीं लगाना चाहिए। ऐसे पौधों के कारण घर के सदस्यों के बीच झगड़ा होना शुरू हो सकता है। घर में किसी भी प्रकार के मृत जानवरों खाल, दांत या सींग नहीं लगाना चाहिए। इन वस्तुओं को लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और घर के सदस्यों के ऊपर मृत्यु मंडराती रहती है।

बच्चों के कमरों और योग कक्ष के लिए वास्तु

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि घर के बच्चों के लिए कमरे का निर्माण दक्षिण-पश्चिम दिशा में करना चाहिए। साथ ही कमरे में बच्चों का बेड इस तरह से लगा हो कि उनका सिरहना दक्षिण या पूर्व की ओर रहे। इसे सौभाग्यशाली माना जाता है और इससे मन शांत रहता है।

आज के दौर में योग एक महत्वपूर्ण व्यायाम है। इसलिए घर में योग कक्ष बनवाना बेहद जरूरी हो जाता है। जहां आप व्यायाम के साथ-साथ ध्यान भी कर सकते हैं। योग कक्ष हमेशा घर के पूर्व या उत्तर पूर्व दिशा में बनवाना चाहिए। हमेशा कोशिश करें कि योग या ध्यान करते समय आपका मुख पूर्व की ओर रहे। इससे सकरात्मकता बढ़ती है। योग कक्ष को हमेशा हल्के पीले या सफेद रंग से रंगा जाना चाहिए।

वास्तु के अनुसार ऐसे होने चाहिए घर के कमरे

घर के कमरे बनाते समय ध्यान रखें कि सभी कमरे एक सीधी रेखा में होना चाहिए। इसके साथ ही घर के कमरों का आकार आयताकार या वर्गाकार होना चाहिए। घर में गोलाकार कमरे नहीं बनाने चाहिए। गोलाकार कमरों को वास्तु शास्त्र में सही नहीं कहा गया है। इसके साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि कमरों में बड़ी खिड़कियां हो, जहां से सूरज की रोशनी और ताजी हवा आ सके। ताजी हवा और सूरज की रोशनी से सकरात्मकता बढ़ती है।

घर में रंगों का उपयोग

घर में रंगाई करते समय गहरे रंगों का प्रयोग करने से बचना चाहिए। इससे नकारात्मकता बढ़ती है। सकारात्मक वाइब्स के लिए घर में सफेद, पीले, गुलाबी, मूंगा, हरा, नारंगी, या नीले रंग से पुताई करवाना चाहिए।

5 हेल्थ टिप्स जो आपको हमेशा स्वस्थ रखेंगी

1. तांबे के बर्तन का पानी पीयें

तांबे के बैक्टीरिया-नाशक गुणों में मेडिकल साईंस बड़ी गहरी रुचि ले रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई प्रयोग हुए हैं और वैज्ञानिकों ने यह मालूम किया है कि पानी की अपनी याददाश्त होती है - यह हर उस चीज को याद रखता है जिसको यह छूता है। पानी की अपनी स्मरण-शक्ति होने के कारण हम इस बात पर ध्यान देते हैं कि उसको कैसे बर्तन में रखें।

अगर आप पानी को रात भर या कम-से-कम चार घंटे तक तांबे के बर्तन में रखें तो यह तांबे के कुछ गुण अपने में समा लेता है।

यह पानी खास तौर पर आपके लीवर के लिए और आम तौर पर आपकी सेहत और शक्ति-स्फूर्ति के लिए उत्तम होता है। अगर पानी बड़ी तेजी के साथ पंप हो कर अनगिनत मोड़ों के चक्कर लगाकर लोहे या प्लास्टिक की पाइप के सहारे आपके घर तक पहुंचता है तो इन सब मोड़ों से रगड़ाते-टकराते गुजरने के कारण उसमें काफ़ी दोष आ जाता है। लेकिन पानी में याद्दाश्त के साथ-साथ अपने मूल रूप में वापस पहुंच पाने की शक्ति भी होती है। अगर आप नल के इस पानी को एक घंटे तक बिना हिलाये-डुलाये रख देते हैं तो दोष अपने-आप खत्म हो जाता है।

2. शरीर को नींद नहीं, आराम दें

आप सोने किस वक्त जाते हैं, यह तो आपके लाइफ स्टाइल पर निर्भर करता है, लेकिन महत्व इस बात का है कि आपको कितने घंटे की नींद की जरूरत है। अकसर कहा जाता है कि दिन में आठ घंटे की नींद लेनी ही चाहिए। आपके शरीर को जिस चीज की जरूरत है, वह नींद नहीं है, वह आराम है। अगर आप पूरे दिन अपने शरीर को आराम दें, अगर आपका काम, आपकी एक्सरसाइज सब कुछ आपके लिए एक आराम की तरह हैं तो अपने आप ही आपकी नींद के घंटे कम हो जाएंगे। लोग हर चीज तनाव में करना चाहते हैं। मैंने देखा है कि लोग पार्क में टहलते वक्त भी तनाव में होते हैं। अब इस तरह का व्यायाम तो आपको फायदे की बजाय नुकसान ही करेगा, क्योंकि आप हर चीज को इस तरह से ले रहे हैं जैसे कोई जंग लड़ रहे हों। आप आराम के साथ क्यों नहीं टहलते? चाहे टहलना हो या जॉगिंग, उसे पूरी मस्ती और आराम के साथ क्यों नहीं कर सकते?

तो सवाल घूमफिर कर वही आता है कि मेरे शरीर को कितनी नींद की जरूरत है? यह इस बात पर निर्भर है कि आप किस तरह का शारीरिक श्रम करते हैं। आपको न तो भोजन की मात्रा तय करने की जरूरत है और न ही नींद के घंटे। मुझे इतनी कैलरी ही लेनी है, मुझे इतने घंटे की नींद ही लेनी है, जीवन जीने के लिए ये सब बेकार की बातें हैं। आज आप जो शारीरिक श्रम कर रहे हैं, उसका स्तर कम है, तो आप कम खाएं। कल अगर आपको ज्यादा काम करना है तो आप ज्यादा खाएं। नींद के साथ भी ऐसा ही है। जिस वक्त आपके शरीर को पूरा आराम मिल जाएगा, यह उठ जाएगा चाहे सुबह के 3 बजे हों या 8। आपका शरीर अलार्म की घंटी बजने पर नहीं उठना चाहिए। एक बार अगर शरीर आराम कर ले तो उसे खुद ही जग जाना चाहिए।

3. दो हफ्ते में एक बार उपवास करें

आप शरीर के प्राकृतिक चक्र से जुड़ा 'मंडल' नाम की एक चीज होती है। मंडल का मतलब है कि हर 40 से 48 दिनों में शरीर एक खास चक्र से गुजरता है।

हर चक्र में तीन दिन ऐसे होते हैं जिनमें आपके शरीर को भोजन की आवश्यकता नहीं होती। अगर आप अपने शरीर को लेकर सजग हो जाएंगे तो आपको खुद भी इस बात का अहसास हो जाएगा कि इन दिनों में शरीर को भोजन की जरूरत नहीं होती। इनमें से किसी भी एक दिन आप बिना भोजन के आराम से रह सकते हैं।

11 से 14 दिनों में एक दिन ऐसा भी आता है, जब आपका कुछ भी खाने का मन नहीं करेगा। उस दिन आपको नहीं खाना चाहिए। आपको यह जानकार हैरानी होगी कि कुत्ते और बिल्लियों के अंदर भी इतनी सजगता होती है। कभी गौर से देखें, किसी खास दिन वे कुछ भी नहीं खाते। दरअसल, अपने सिस्टम के प्रति वे पूरी तरह सजग होते हैं। जिस दिन सिस्टम कहता है कि आज खाना नहीं चाहिए, वह दिन उनके लिए शरीर की सफाई का दिन बन जाता है और उस दिन वे कुछ भी नहीं खाते। अब आपके भीतर तो इतनी जागरूकता नहीं कि आप उन खास दिनों को पहचान सकें। फिर क्या किया जाए! बस इस समस्या के समाधान के लिए अपने यहां एकादशी का दिन तय कर दिया गया। हिंदी महीनों के हिसाब से देखें तो हर 14 दिनों में एक बार एकादशी आती है। इसका मतलब हुआ कि हर 14 दिनों में आप एक दिन बिना खाए रह सकते हैं। अगर आप बिना कुछ खाए रह ही नहीं सकते या आपका कामकाज ऐसा है, जिसके चलते भूखा रहना आपके वश में नहीं और भूखे रहने के लिए जिस साधना की जरूरत होती है, वह भी आपके पास नहीं है, तो आप फलाहार ले सकते हैं। कुल मिलाकर बात इतनी है कि बस अपने सिस्टम के प्रति जागरूक हो जाएं।एक बात और, अगर आप बार-बार चाय और कॉफ़ी पीने के आदी हैं और उपवास रखने की कोशिश करते हैं तो आपको बहुत ज्यादा दिक्कत होगी। इस समस्या का तो एक ही हल है। अगर आप उपवास रखना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने खानपान की आदतों को सुधारें। पहले सही तरह का खाना खाने की आदत डालें, तब उपवास की सोचें। अगर खाने की अपनी इच्छा को आप जबर्दस्ती रोकने की कोशिश करेंगे तो यह आपके शरीर को हानि पहुंचाएगा। यहां एक बात और बहुत महत्वपूर्ण है कि किसी भी हाल में जबर्दस्ती न की जाए।

4. पीठ को सीधा रखकर बैठें

शरीर के भीतरी अंगों के आराम में होने का खास महत्व है। इसके कई पहलू हैं। फिलहाल हम इसके सिर्फ एक पहलू पर विचार कर रहे हैं। शरीर के ज्यादातर महत्वपूर्ण भीतरी अंग छाती और पेट के हिस्से में होते हैं। ये सारे अंग न तो सख्त या कड़े होते हैं और न ही ये नट या बोल्ट से किसी एक जगह पर स्थिर किए गए हैं। ये सारे अंग ढीले-ढाले और एक जाली के अंदर झूल रहे से होते हैं। इन अंगों को सबसे ज्यादा आराम तभी मिल सकता है, जब आप अपनी रीढ़ को सीधा रखकर बैठने की आदत डालें।

आधुनिक विचारों के मुताबिक, आराम का मतलब पीछे टेक लगाकर या झुककर बैठना होता है। लेकिन इस तरह बैठने से शरीर के अंगों को कभी आराम नहीं मिल पाता।

इस स्थिति में, शारीरिक अंग उतने ठीक ढंग से काम नहीं कर पाते जितना उनको करना चाहिए - खासकर जब आप भरपेट खाना खाने के बाद आरामकुर्सी पर बैठ जाएं। आजकल काफी यात्राएं आराम कुर्सी में होती हैं। अगर आप कार की आरामदायक सीट पर बैठकर एक हजार किलोमीटर की यात्रा करते हैं, तो आप अपने जीवन के कम-से-कम तीन से पांच माह खो देते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि लगातार ऐसी मुद्रा में बैठे रहने की वजह से आपके अंगों पर इतना बुरा असर होता है कि उनके काम करने की शक्ति में नाटकीय ढंग से कमी आ जाती है या फि र वे बहुत कमजोर हो जाते हैं।

शरीर को सीधा रखने का मतलब यह कतई नहीं है कि हमें आराम पसंद नहीं है, बल्कि इसकी सीधी सी वजह यह है कि हम आराम को बिल्कुल अलग ढंग से समझते और महसूस करते हैं। आप अपनी रीढ़ को सीधा रखते हुए भी अपनी मांसपेशियों को आराम में रहने की आदत डाल सकते हैं। लेकिन इसके विपरीत, जब आपकी मांसपेशियां झुकीं हों, तो आप अपने अंगों को आराम में नहीं रख सकते। आराम देने का कोई और तरीका नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि हम अपने शरीर को इस तरह तैयार करें कि रीढ़ को सीधा रखते हुए हमारे शरीर का ढांचा और स्नायुतंत्र आराम की स्थिति में बने रहें।

5. पंच तत्वों से जुड़कर जीवन जीयें

हम कुछ लोगों को बता रहे थे कि हमारे योग केंद्र में एक योगिक अस्पताल है, तो अमेरिका से कुछ डॉक्टर इसे देखना चाहते थे और वे हमारे यहां आए। वे एक हफ्ते यहां थे और एक हफ्ते के बाद वे मुझसे बहुत नाराज़ थे। मैंने कहा – "क्यों, मैंने क्या किया? वे चारों तरफ यही बातें कर रहे थे – "ये सब फ़ालतू बकवास है! सद्गुरु ने कहा यहां एक योगिक अस्पताल! कहां है योगिक अस्पताल? हमें कोई बिस्तर नहीं दिख रहे हैं, हमें कुछ नहीं दिख रहा"। फिर मुझे समझ आया कि उनकी समस्या क्या है, फिर मैंने उन्हें बुलाया और मैंने कहा – "परेशानी क्या है" उनमें से एक महिला, जिनकी आँखों में आंसू थे, बोलीं – मैं यहां इतने विश्वास के साथ आई और यहां धोखा हो रहा है, यहां कोई अस्पताल नहीं है, बिल्कुल भी कुछ नहीं यहां और आप बोल रहे हैं कि यहां अस्पताल है। मैंने कहा – "आराम से बैठिये। आपके अस्पताल के बारे में ये विचार हैं कि – बहुत से बिस्तर हों जहां मरीजों को सुला दो और उन्हें दवाइयां देते रहो – ये अस्पताल ऐसा नहीं है। मैं आपको आस-पास घुमाता हूँ – सभी मरीज़ यहां बगीचे में काम कर रहे हैं, और रसोई घर में काम कर रहे हैं। हम उनसे काम करवाते हैं, और वे ठीक हो जाते हैं।

तो, सबसे महत्वपूर्ण चीज़ ये है कि अगर कोई बीमार हो तो हम उनसे बगीचे में काम करवाते हैं। उन्हें खाली हाथों धरती के संपर्क में कम से कम आधे घंटे से लेकर 45 मिनट तक जरुर होना होता है। ऐसा करने से वे स्वस्थ हो जाते हैं। क्योंकि आप जिस चीज़ को शरीर कहते हैं वो बस इस धरती का एक टुकडा है, है न? हां या ना? वे सभी अनगिनत लोग जो इस धरती पर चले, वे सब कहां गए? सब धरती की उपरी सतह पर हैं, है न? ये शरीर भी धरती की सतह पर चला जाएगा – जब तक कि आपके दोस्त - इस डर से कि आप फिर से न जाग जाएं - आपको बहुत गहरा न दफना दें। तो, यह बस धरती का एक टुकड़ा है।

एनोमिया और अल्जाइमर
याददाश्त से जुड़ी एक गंभीर समस्या

आज की तेज़-तर्रार दुनिया में चीज़ों का भूलना सामान्य होता जा रहा है। काम का दबाव, रोज़मर्रा की भागदौड़ और बढ़ती उम्र के साथ कई बार लोगों को नाम, स्थान या चीज़ें याद रखने में परेशानी होती है। हालांकि, अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है और हमारी दैनिक गतिविधियों पर असर डालने लगती है, तो यह चिंता का कारण बन सकती है। यह स्थिति कई बार गंभीर न्यूरो-साइकियाट्रिक विकारों से भी जुड़ी हो सकती है। ऐसी ही एक समस्या है एनोमिया, जिसमें व्यक्ति को बोलते या लिखते समय चीज़ों के नाम याद नहीं आते हैं। एनोमिया को भाषा विकार (लैंग्वेज डिसऑर्डर) के रूप में जाना जाता है, जिसमें मस्तिष्क सही शब्दों को पहचानने और उन्हें व्यक्त करने में असमर्थ होता है।

क्या है एनोमिया?

एनोमिया या एनोमिक अफेसिया एक ऐसी स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को किसी चीज़ या व्यक्ति का नाम याद करने में परेशानी होती है। एनोमिया के शिकार व्यक्ति को ऐसा लगता है कि नाम उनके ज़ेहन में है, लेकिन वह उसे सही समय पर व्यक्त नहीं कर पाते। यह समस्या सामान्य भूलने से कुछ अलग है, क्योंकि इसमें भाषा या नाम पहचानने की क्षमता प्रभावित होती है। उदाहरण के लिए, कई बार हम देखते हैं कि कुछ लोग किसी घटना या व्यक्ति का उल्लेख करते समय नाम भूल जाते हैं और कहते हैं, "उसने अच्छा किया" या "वह व्यक्ति बेहतरीन था", लेकिन नाम नहीं याद आ पाता।एनोमिया की समस्या आमतौर पर मस्तिष्क के बाएं हिस्से में होने वाली क्षति का परिणाम होती है। दाएं हाथ वाले लोगों के लिए यह हिस्सा भाषा को नियंत्रित करने में मदद करता है। हालांकि, हर बार मस्तिष्क में चोट या डैमेज एनोमिया का कारण नहीं होता। कई बार अत्यधिक तनाव, स्ट्रोक, सिर में गंभीर चोट या ट्यूमर की वजह से भी मस्तिष्क के इस हिस्से में क्षति हो सकती है, जिससे एनोमिया जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

अल्जाइमर और डिमेंशिया से संबंध

एनोमिया केवल सामान्य भूलने की समस्या नहीं है, बल्कि यह अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों के शुरुआती लक्षणों में से एक हो सकती है। अल्जाइमर और डिमेंशिया मस्तिष्क की बीमारियां हैं, जो याददाश्त, सोचने और तर्क करने की क्षमता को धीरे-धीरे प्रभावित करती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जिन लोगों को नियमित रूप से चीज़ों का नाम याद नहीं आता, उन्हें इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए। यह ध्यान देने योग्य है कि अल्जाइमर और डिमेंशिया का कोई इलाज नहीं है, लेकिन शुरुआती चरणों में इसका पता चलने पर इसके लक्षणों को नियंत्रित करने और स्थिति को बिगड़ने से रोकने के उपाय किए जा सकते हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, साल 2020 में लगभग 55 मिलियन (5.5 करोड़) लोग अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी बीमारियों से पीड़ित थे, और हर दो दशकों में यह संख्या लगभग दोगुनी होने की संभावना है। अल्जाइमर से पीड़ित लोगों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, और इसे देखते हुए हर साल 21 सितंबर को वर्ल्ड अल्जाइमर डे मनाया जाता है, ताकि इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके और इसके इलाज और प्रबंधन पर ध्यान दिया जा सके।

एनोमिया के लक्षण और कारण

अगर किसी को एनोमिया की समस्या होती है, तो यह आवश्यक नहीं कि इसका कारण केवल मस्तिष्क की चोट हो। लंबे समय से तनाव के शिकार लोगों में भी स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है, जो एनोमिक अफेसिया का कारण बन सकता है। अध्ययनों के अनुसार, स्ट्रोक, ब्रेन डैमेज, या सिर में चोट एनोमिया की प्रमुख वजहें हो सकती हैं। इसके अलावा, कुछ मामलों में यह समस्या अल्जाइमर या अन्य न्यूरो-साइकियाट्रिक बीमारियों का संकेत भी हो सकती है।एनोमिया एक गंभीर भाषा विकार है, जिसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। यह समस्या कई बार सामान्य भूलने की आदत की तरह लगती है, लेकिन अगर यह लंबे समय तक बनी रहती है और व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों में रुकावट पैदा करती है, तो इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए। समय रहते इस समस्या का निदान और इलाज संभव है, इसलिए किसी भी प्रकार की याददाश्त से जुड़ी दिक्कतों को हल्के में न लें

इलाज और प्रबंधन

एनोमिया की समस्या को गंभीरता से लेना जरूरी है। अगर आपको लगता है कि आप या आपके किसी जानने वाले को इस तरह की समस्या है, तो उन्हें तुरंत किसी विशेषज्ञ से परामर्श करने की सलाह दी जानी चाहिए। सही निदान के साथ इस स्थिति का इलाज और प्रबंधन संभव है। मस्तिष्क की चोट से जुड़े मामलों में थेरेपी और इलाज के जरिए भाषा और याददाश्त सुधारने की कोशिश की जाती है। अगर यह समस्या तनाव या स्ट्रोक से जुड़ी है, तो सही उपचार के जरिए स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है।डॉक्टर के मुताबिक, सबसे बड़ी चुनौती है परिवार के उस सदस्य के लिए जो ऐसे मरीज की देख रेख करते हैं. ऐसे व्यक्ति को धैर्यवान होना चाहिए. इस बीमारी से पीड़ित मरीज की देखभाल करने वाले का रोल बड़ा अहम होता है. मरीज को बताना की सुबह हो गई, नहा लो, खा लो सबका ध्यान रखना होता है. कुछ मरीज शांत रहते हैं और कुछ उत्तेजित हो जाते हैं. डॉक्टर की मदद व सलाह से मरीज का ध्यान रखना होता है. खास बात यह है की यह रोग बड़े लोगों में (60 की उम्र के बाद) ही होता है. इस बीमारी को लेकर जागरूकता की बहुत जरूरत है. क्योंकि कुछ मामलों में इस बीमारी से मौत होने की भी आशंका रहती है.खानपान का ध्यान रखें , रोजाना व्यायाम करें , शरीर में शुगर के स्तर को नियंत्रण में रखें ,ब्लड प्रेशर को नियंत्रण में रखें

माइग्रेन रोग क्या है? जानें, लक्षण, कारण और इलाज

आज के समय में बदलते लाइफ स्टाइल और अनहेल्दी डाइट कई बीमारियों की जड़ मानी जाती है। लोग काम के चक्कर में न समय से खा पाते हैं, ना हीं चैन से सो पाते हैं। साथ ही दिन का ज्यादातर समय स्क्रीन पर ही बिताते हैं, जैसे- मोबाइल, लैपटॉप या टेलीविजन। इन्हीं में एक है माइग्रेन की बीमारी, जिसे अधकपारी के नाम से भी जानते हैं। आइए जानते हैं, माइग्रेन क्या है, माइग्रेन के लक्षण और उपाय क्या है, इत्यादि।

माइग्रेन क्या है?

माइग्रेन एक तरह का सिरदर्द होता है, जो आमतौर पर सिर के आधे हिस्से में होता है। यह मस्तिष्क में तंत्रिका तंत्र के विकारों के कारण हो सकता है। इस बीमारी में अक्सर सिर में हल्का और तेज कष्टदाई दर्द होता है। लेकिन यह आम सिरदर्द से काफी अलग होता है। यह दर्द किसी भी समय हो सकता है, जिसे बर्दाश्त कर पाना बहुत मुश्किल हो जाता है। यह एक आम स्वास्थ्य विकार है, जो लगभग 5 महिलाओं में से 1 और 15 पुरुषों में से 1 को प्रभावित करता है। माइग्रेन में सिरदर्द की अवधि कुछ घंटो से लेकर कई दिनों तक हो सकती है।

माइग्रेन के लक्षण क्या है?

सभी लोग कभी न कभी सिर दर्द कि समस्या से परेशान रहते होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं, साधारण सिरदर्द और माइग्रेन के सिरदर्द को कैसे पहचानते हैं? यदि नहीं तो यहां हम बताएंगे माइग्रेन के सिरदर्द के लक्षण कैसे होते हैं। माइग्रेन के सिरदर्द की पहचान 'ऑरा' से होती है, ऑरा यानी दृष्टी संबंधी समस्या । इसमें रोगी को चमकने वाली रोशनी, टेढ़ी-मेढ़ी रेखाएं दिखाई देती है। आंखो के आगे काला धब्बा दिखना, त्वचा में चुभन महसूस होना कमजोरी लगना, आंखो के नीचे काले घेरे ज्यादा गुस्सा आना, चिड़चिड़ापन होना, सिर के एक ही हिस्से में दर्द होना, प्रकाश और ध्वनी के प्रति संवेदनशीलता बढ़ना

इस विटामिन की वजह से डोपामाइन प्रॉड्यूस करता है हमारा दिमाग

स्टडी में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

प्रोबायोटिक्स और कर्क्यूमिन सहित कुछ नैचुरल फूड आइटम होते हैं जो दिमाग में डोपामाइन के लेवल को बढाने का काम करते हैं और मनोदशा को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं.

डोपामाइन आपके मस्तिष्क में एक केमिकल है जो याद रखने की शक्ति, स्मृति, प्रेरणा, मनोदशा, ध्यान और कोई भी चीज सीखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यह हार्मोन फैसले लेने के साथ-साथ अच्छी नींद में भी काफी ज्यादा सहायता करता है. खराब लाइफस्टाइल और कुछ मेडिकल कंडिशन आपके दिमाग में डोपामाइन के लेवल काफी ज्यादा प्रभावित कर सकते हैं. डोपामाइन एक तरह का फील गुड हार्मोन होता है. अगर शरीर में इसकी कमी हुई तो आपको कई सारी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती है. इसलिए ऐसी स्थिति में आपके शरीर में इसका लेवल क्या इसका जरूर ध्यान रखें.

डोपामाइन को कई मायनों में 'फील गुड' न्यूरोट्रांसमीटर माना जाता है. ये कई तरीकों से आपको फायदा पहुंचाता है. दिमाग में डोपामाइन का लेवल सही मात्रा में होने पर मूड आम तौर से बेहतर रहता है. ये हार्मोन सीखने, योजना बनाने और प्रोडक्टिविटी को बढ़ाने के लिए सबसे अच्छा होता है. मूल रूप से, ये न्यूरॉन्स के बीच एक केमिकल मैसेंजर का काम करता है. इसका कम लेवल नुकसानदेह हो सकता है. लेकिन आप कुछ प्राकृतिक तरीकों से डोपामाइन लेवल को बढ़ा सकते हैं.

सूरज की रोशनी का संपर्क

सूरज के प्रकाश की कमी के कारण सर्दी के मौसम में लोग उदास महसूस करते हैं. एक पत्रिका में प्रकाशित रिसर्च के मुताबिक, मूड ठीक करनेवाला एक न्यूरोट्रांसमीटर जैसे डोपामाइन को सूरज की रोशनी के संपर्क से बढ़ाया जा सकता है.

प्रोटीन से भरपूर फूड्स

हमारे शरीर में 23 एमिनो एसिड में से दो टायरोसिन और फेनिलएलनिन डोपामाइन उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. ये दोनों स्वाभाविक तौर पर प्रोटीन से भरपूर फूड्स जैसे अंडे, डेयरी, सोया और फलिया में मौजूद होते हैं. उनका अत्यधिक सेवन डोपामाइन लेवल को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है.

नींद महत्वपूर्ण है

रिसर्च से पता चला है कि नींद का अभाव दिमाग में डोपामाइन संवेदनशीलता को कम कर सकता है, जिसके नतीजे में अत्यधिक नींद आती है. रात की अच्छी नींद आपके शरीर के प्राकृतिक डोपामाइन चक्र के नियंत्रण में मदद कर सकती है. नींद को प्रेरित करने के लिए शांत वातावरण, मद्धिम रोशनी, म्यूजिक और आराम अहम जरिया हैं.

व्यायाम

बार-बार रिसर्च में साबित हुआ है कि अपनी जिंदगी में कुछ शारीरिक व्यायाम को शामिल करने से लंबे समय में फायदा हो सकता है. पाबंदी से करने पर ये आपके मूड को सुधार सकता है और शायद डोपामाइन लेवल बढ़ाए. हालांकि, डोपामाइन लेवल को बढ़ाने में उसकी भूमिका की पहचान के लिए और रिसर्च की जरूरत है.

क्या रात में बार-बार टूटती है आपकी भी नींद तो न हो परेशान, एक्सपर्ट ने बता दी इसकी असली वजह

दिनभर काम और थकान के बाद रात में शरीर को आराम की जरूरत होती है. बिस्तर पर जाकर सुकून की नींद हर कोई चाहता है. यह सेहतमंद रहने के लिए जरूरी भी है लेकिन कुछ लोगों को रात में बार-बार उठने की आदत होती है. स्लीप एक्सपर्ट्स इसे वेकफुलनेस आफ्टर स्लीप ऑनसेट (WASO) कहते हैं. ड्यूक यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में डबल-बोर्ड सर्टिफाइड पेडेट्रिशियन न्यूरोलॉजिस्ट और नींद के डॉक्टर डॉ. सुजय कंसागरा का कहना है कि रात में बार-बार जागना चिंताजनक हो सकता है. ऐसे में हर किसी को सावधान रहना चाहिए. आइए जानते हैं रात में जागने के क्या-क्या कारण होते हैं...

रात में जागना कब माना जाता है समस्या

क्वालिटी नींद हर किसी के लिए बेहद जरूरी होता है. डॉ कंसाग्रा कहते हैं हम सोते समय नींद के चक्र (sleep cycles) से गुजरते हैं. एक वयस्क का नींद चक्र आमतौर पर 90 मिनट तक

रहता है. अगर रात में कई बार नींद खुलने के बाद फिर से सो जा रहे हैं तो सुबह अच्छा फील महसूस करते हैं. तब इसमें कोई समस्या नहीं है. रात में बार-बार आंखों का खुल जाना यानी नींद से जागरना आम है. यह कितनी बार होता है, आमतौर पर याद नहीं रहता है. यह समस्या तब बन जाता है, जब जागने के बाद दोबारा से नींद नहीं आती है. सोने के लिए परेशान होना पड़ता है.

क्या रात में बार-बार जागना खतरनाक

डॉ. कंसाग्रा बताते हैं कि अगर स्लीप पैटर्न (Sleep pattern) अचानक बदल गया है और आप पहले की तुलना में बहुत अधिक जाग रहे हैं, तो यह स्लीप एपनिया (sleep apnea) जैसी गंभीर समस्या भी हो सकती है. रात में अगर ज्यादा जागते हैं तो निराशा, स्ट्रेस हो सकती है. इससे नींद की क्वालिटी बिगड़ती है और दिन में काम प्रभावित हो सकता है.

1. ख़राब नींद का माहौल

आप किस माहौल में सो रहे हैं, यह आपकी क्वालिटी वाली नींद में काफी हद तक अहम रोल निभाती है. बेडरूम में टेंपरेचर से लेकर बेड तक काफी महत्वपूर्ण हो सकते हैं. कई बार छोटी-छोटी चीज भी नींद में खलल डाल सकती है. इसलिए सोने वाली जगह को शांति वाली जगह पर रखें.

2. फिजिकल जरूरत

चाहे वह बाथरूम जाना हो, नींद के पैटर्न में बदलाव या फिर करवट ले रहे हैं, रात में जागना अक्सर एक सामान्य शारीरिक प्रतिक्रिया होती है. हालांकि, अगर रात के समय जागने के बाद फिर से सोने में परेशानी आ रही है तो इसे इग्नोर नहीं करना चाहिए.

3. रात के देर से खाना, फोन चलाना

देर से खाना या देर तक फोन चलाने जैसी एक्टिविटीज आपके नींद को प्रभावित करती हैं. इसकी वजह से भी रात में कई बार उठना पड़ता है. इससे नींद तो प्रभावित होती ही है, नींद सही तरह लगती भी नहीं है. इसलिए सोने वाली जगह को बिल्कुल क्लीन रखें. फोन या गैजेट्स को खुद से दूर रखें, ताकि सोने में किसी तरह की रुकावटें न आएं.

4. स्लीपिंग डिसऑर्डर

कभी-कभी रात में जागना स्लीपिंग डिसऑर्डर से जुड़ा भी हो सकता है. जैसे- अनिद्रा या स्लीप एपनिया. अगर रात में आपके बार-बार जागने की संख्या अचानक से बढ़ गई है और आप आसानी से नहीं सो पा रहे हैं तो डॉक्टर्स की मदद जरूर लेनी चाहिए.

‘अमेरिकी अधिकारियों से करेंगे बात’, अप्रवासियों संग बुरे बर्ताव पर क्या बोला विदेश मंत्रालय?

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शुक्रवार (7 फरवरी) को कहा कि अमेरिका ने भारत को 487 संभावित भारतीय नागरिकों के बारे में सूचित किया है, जिन्हें निष्कासन आदेश जारी किए गए हैं.

विदेश सचिव ने एक प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी और आश्वासन दिया कि भारत सरकार अवैध अप्रवासी पाए गए भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए ट्रंप प्रशासन के संपर्क में है. इस दौरान उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय ने अमेरिका से वापस भेजे गए भारतीय अवैध प्रवासियों के साथ दुर्व्यवहार की चिंता जताई.

अवैध प्रवासियों के डिपोर्टेशन के सवाल पर विदेश सचिव ने कही ये बात

अमेरिका से अवैध भारतीय अप्रवासियों के निर्वासन पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, “विदेश मंत्री द्वारा प्रतिबंधों के उपयोग से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया का विवरण, जिसके बारे में हमें आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन सहित अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सूचित किया गया है. विदेश मंत्री ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि ये लंबे समय से प्रचलन में हैं.

दुर्व्यवहार के मुद्दे पर सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, “यह उठाने के लिए एक वैध मुद्दा है और हम अमेरिकी अधिकारियों पर जोर देते रहेंगे कि निर्वासितों के साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं होना चाहिए. हम दुर्व्यवहार के किसी भी मामले को उठाते रहेंगे जो हमारे ध्यान में आएगा. अवैध आव्रजन को बढ़ावा देने वाले अंतर्निहित पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ पूरे सिस्टम में कार्रवाई की जानी चाहिए.”

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपने बयान में कही थी ये बात

अमेरिका से निर्वासित किए गए भारतीय नागरिकों के बारे में राज्यसभा में उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा था, “हम जानते हैं कि कल 104 लोग वापस भारत पहुंचे हैं। हमने ही उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि की है. हमें ऐसा नहीं समझना चाहिए कि यह कोई नया मुद्दा है। यह एक ऐसा मुद्दा है जो पहले भी होता रहा है.”

उन्होंने आगे कहा था, “अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वापस लौटने वाले प्रत्येक व्यक्ति (अमेरिका से निर्वासित भारतीय) के साथ बैठें और पता लगाएं कि वे अमेरिका कैसे गए, एजेंट कौन था, और हम कैसे सावधानी बरतें ताकि यह फिर न हो.”

ईरान-भारत की दोस्ती अमेरिका को नहीं आ रही रास, अब भारतीय कंपनी पर लगाया प्रतिबंध

अमेरिकी सत्ता पर दोबारा काबिज होने के बाद से ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर नकेल कसने के लिए हर तरीका अपना रहे हैं. हालांकि, अब ट्रंप प्रशासन ने ईरान पर अधिक दबाव बनाने की रणनीति के तहत भारत और ईरान की दोस्ती पर हमला करना शुरू कर दिया है. अमेरिका ने पहले ईरान के चाबहार पोर्ट पर भारत को दी गई छूट को खत्म करने का फैसला किया है. वहीं, अब भारत की एक कंपनी मार्शल शिप मैनेजमेंट कंपनी और एक भारतीय नागरिक पर प्रतिबंध लगा दिया है. अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने भारतीय कंपनी पर आरोप लगाया है कि भारत चीन को तेल बेचने में ईरान की मदद कर रहा है. वहीं, अमेरिका को यह डर भी सता रहा है कि इजरायल के साथ लड़ाई के बाद अब ईरानी सरकार परमाणु बम बनाने में जुटा है. इसी वजह से अमेरिका का ट्रंप प्रशासन ईरान को घुटने पर लाना चाहता है.

US ट्रेजरी विभाग ने भारत पर नए प्रतिबंधों का किया ऐलान

अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने गुरुवार (6 फरवरी) को नए प्रतिबंधों का ऐलान किया है. इस ऐलान में एक पूरे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को निशाना बनाया गया है. अमेरिका ने कहा कि भारतीय कंपनी ने चीन के साथ करोड़ों डॉलर के तेल व्यापार करने में ईरान की मदद की है. वहीं, इससे पहले मंगलवार (4 फरवरी) को ट्रंप प्रशासन ने ईरान के खिलाफ अधिकतम आर्थिक दबाव बनाने का आदेश दिया था और अब इस भारतीय कंपनी और अधिकारी पर लगाया गया बैन ट्रंप के इसी आदेश क हिस्सा है.

तेल के पैसे से मिसाइल बना रहा ईरान

अमेरिका ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि चीन को यह तेल ईरान की सेना की कंपनी के ओर से भेजे जा रहे थे, जिसपर प्रतिबंध लगा हुआ है. वहीं, इस प्रतिबंध की रेंज में चीन, भारत और यूएई की कई कंपनियां और जहाज भी शामिल हैं.

अमेरिका ने कहा, “ईरान हर साल तेल बेचकर अरबों डॉलर कमा रहा है और पूरे इलाके में अस्थिरता फैलानी वाली गतिविधियों को अंजाम दे रहा है. वहीं, इसी तेल को बेचकर मिले पैसे से अपने परमाणु प्रोग्राम को आगे बढ़ा रही है. इसके अलावा किलर ड्रोन और मिसाइलें तैयार कर रही है. साथ ही हमास, हिजबुल्लाह और हूतियों की मदद कर रहा है.”

करोड़पति बना सकते हैं ये शेयर, 2025 में निवेश से पहले देख लें पूरी लिस्ट

हम आज आपको कुछ ऐसे ही बेहतरीन शेयरों की लिस्ट बताने जा रहे हैं, जिनमें निवेश कर आप दोगुना मुनाफा कमा सकते हैं. ये कंपनियां न सिर्फ बेहतरीन फंटामेंटल वाली हैं, बल्कि इनका वैल्युएशन भी सही है. एक्सपर्ट्स ने 2024-25 और 2025-26 में कंपनियों के मुनाफे (PAT) का अनुमान लगाया है. आइए इस लिस्ट पर एक नजर डालते हैं. यहां बताए गए सभी शेयरों की मौजूदा कीमत खबर लिखने तक के हिसाब से है.

गोदरेज प्रॉपर्टीज (Godrej Properties)

टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, गोदरेज प्रॉपर्टीज आने वाले समय में गुरुग्राम, नोएडा, मुंबई, पुणे और हैदराबाद में कई नए प्रोजेक्ट्स लॉन्च करने के लिए तैयार है. खबर लिखने तक इसके शेयर की कीमत 2,858.05 रुपये है. मार्केट में ब्रांड की मजबूत पकड़ और इसके प्रोडक्ट्स की डिमांड को देखते हुए इसमें 26 फीसदी बढ़त की उम्मीद है. कंपनी फिलहाल किफायती प्रोजेक्ट्स पर अधिक ध्यान दे रही है, जिनकी बिक्री भी ज्यादा है और मार्केट में कैश फ्लो बना हुआ है.

मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज (Max Financial Services)

एलारा सिक्योरिटीज ने सितंबर तक की तिमाही के दरमियान कंपनी की परफॉर्मेंस के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की. इसमें बताया गया कि कंपनी की ग्रोथ प्राइवेट और इंडस्ट्री दोनों ही सेक्टर में अच्छी रहेगी. फिलहाल कंपनी की शेयर की कीमत 1,105.30 है, जिसमें लगभग 22 फीसदी बढ़त की उम्मीद है.

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस (PNB Housing Finance)

साल की दूसरी तिमाही में कंपनी के नतीजे के आधार पर आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट तैयार की, जिसमें कई फायदों का जिक्र किया गया. रिटेल पोर्टफोलियो पर ध्यान देने के साथ कंपनी एसेट की सख्ती से निगरानी कर रही है. कंपनी के शेयर की कीमत अभी 840.30 है, जिसमें लगभग 25 फीसदी बढ़त की उम्मीद है.

HDFC लाइफ इंश्योरेंस (HDFC Life Insurance)

कंपनी के शेयर की कीमत अभी 623.00 रुपये है, जिसमें लगभग 28 फीसदी बढ़त की उम्मीद है. कंपनी का पोर्टफोलियो अच्छा है, जिसके चलते चैनल ऑपरेशंस और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क दोनों मजबूत है. कंपनी अलग-अलग सेगमेंट में नए प्रोडक्ट्स पर काम करती है और फ्रैंचाइजी के जरिए एजेंसी नेटवर्क को भी दुरुस्त बनाया जा रहा है.

आइनॉक्स विंड (Inox Wind)

नुवामा की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में कंपनी की ग्रोथ अच्छी रहेगी. 12-14GW TAM का इंडस्ट्री टेलविंड, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, मुनाफे वाला मेनटिनेंस सर्विस बिजनेस और मजबूत वित्तीय स्थिति इसके प्रमुख कारण है. कंपनी के शेयर की कीमत 185.70 है, जिसमें 17.7 फीसदी बढ़त की उम्मीद है.

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स (Hindustan Aeronautics)

डिफेंस सेक्टर में भारत लगातार मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है. कंपनी की परफॉर्मेंस शानदार है और रिटर्न भी बेहतरीन है. सरकार ने हाल ही में इसे PSU का दर्जा दिया. आने वाले समय में कंपनी से एक्सपोर्ट्स की भी संभावना है. अभी शेयर की कीमत 4,211.20 है, जिसमें लगभग 15 फीसदी बढ़त की उम्मीद है.

प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स

एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग ने सितंबर तक की तिमाही तक कंपनी की रिपोर्ट बनाई, जिसमें कहा गया कि कंपनी को डायवर्सिफिकेशन से हाउसिंग ग्रोथ का फायदा मिलेगा. बेंगलुरु, हैदराबाद और MMR में कंपनी की पकड़ मजबूत है. साथ ही यह नोएडा, चेन्नई और पुणे जैसे नए बाजारों में भी कदम रखने जा रही है, जो कंपनी के लिए फायदेमंद होगा. अभी शेयर की कीमत 1,747.90 रुपये है, जिसमें लगभग 17 फीसदी बढ़त की उम्मीद है.

एम्बर एंटरप्राइजेज इंडिया (Amber Enterprises)

सितंबर तिमाही तक के नतीजे के आधार पर पेश की गई आनंद राठी की रिपोर्ट में कंपनी की ग्रोथ अच्छी रहने का अनुमान लगाया गया. रिपोर्ट के मुताबिक, 2023-24 में रेवेन्यू 25.6 फीसदी से बढ़कर 2026-27 में 37 फीसदी हो जाएगा। इसी दौरान RoCE भी 8.3 फीसदी से बढ़कर 20.6 फीसदी हो जाने की उम्मीद है. इसके पीछे सबसे बड़ी वजह इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबिलिटी सेक्टर से आ रहा पॉजिटिव रिस्पॉन्स अभी शेयर की कीमत 7,345.00 रुपये है, जिसमें करीब 17 फीसदी बढ़त की उम्मीद है.

पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (Power Finance Corporation)

सितंबर तिमाही तक कंपनी की परफॉर्मेंस के आधार पर मोतीलाल ओसवाल ने रिपोर्ट बनाई, जिसमें न केवल लोन में बढ़ोत्तरी होने की संभावनाएं जताई गई, बल्कि कमाई भी अच्छी होने की बात कही गई. अच्छी रिटर्न की भी उम्मीद है. अभी शेयर की कीमत 451.80 रुपये है. इसमें 16 फीसदी बढ़त की उम्मीद है.

फाइनेंशियल प्लानिंग सिखाता है वेल्थ मैनेजमेंट

मजबूत जीडीपी ग्रोथ, संभावनाओं से भरा आर्थिक परिवेश, उच्च बचत दर और सम्पन्न व्यक्तियों की तादाद में हो रही बढ़ोतरी देश में वेल्थ मैनेजमेंट सेक्टर को तरक्की का आधार प्रदान कर रहे हैं। ऐसे में निवेश की बारीकियां समझने वालों और आर्थिकी के जानकारों के लिए यहां भविष्य उज्ज्वल है। वेल्थ मैनेजमेंट के अन्तर्गत क्लाइंट्स को कस्टमाइज्ड इन्वेस्टमेंट से जुड़े समाधान प्रदान किए जाते हैं। मैनेजमेंट की इस शाखा में फाइनेंशियल प्लानिंग और इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो मैनेजमेंट शामिल हैं। दरअसल, वेल्थ मैनेजर की सेवाओं की जरूरत मुख्य रूप से उच्च आय वाले व्यक्तियों और बड़े कारोबारियों को होती है। एस्टेट प्लानिंग, बैंकिंग और टैक्स से संबंधित मसलों पर इन पेशेवरों से सलाह ली जाती है। वेल्थ मैनेजमेंट का संबंध सम्पदा के संरक्षण के साथ-साथ इसके निर्माण से भी है। कुछ समय पहले तक वेल्थ मैनेजमेंट के दायरे में इक्विटी लिंक्ड पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज, स्ट्रक्चर्ड प्रॉडक्ट, इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड्स में निवेश को शामिल किया जाता था लेकिन कंपनियों ने इसका दायरा बढ़ाना शुरू किया है ताकि इसमें टैक्स प्लानिंग और असेसमेंट, रियल एस्टेट, आर्ट एडवाइजरी व एस्टेट को भी भागीदार बनाया जा सके। इस इंडस्ट्री की नींव किसी भी देश की आर्थिक सेहत पर टिकी होती है। वेल्थ मैनेजमेंट प्रोफाइल को तीन समूहों में विभाजित किया जाता है -फ्रंट ऑफिस जॉब : इसमें एडवाइजरी, सेल्स, शोध और अवलोकन, सोर्स फंड्स, सिक्योरिटी मैनेजमेंट और स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप जैसी सेवाओं को शामिल किया जाता है।मिडिल ऑफिस जॉब्स - इसमें मुख्य रूप से रिस्क आइडेंटिफिकेशन और रिस्क मिटिगेशन टेक्निक का उपयोग किया जाता है।बैक ऑफिस जॉब्स : संचालन और इंफ्रास्ट्रक्चर की देखरेख संबंधी कार्य किए जाते हैं जिसमें सॉफ्टवेयर और नेटवर्क सपोर्ट भी शामिल होता है।जगार के अवसरदेश में यह फील्ड नया है और यही वजह है कि यहां प्रोफेशनल्स की कमी बनी हुई है। युवा महत्वाकांक्षी उम्मीदवारों के लिए वेल्थ मैनेजमेंट में उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएं काफी प्रबल हैं। वेल्थ मैनेजर के तौर पर आप मुख्य रूप से विशाल डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल वाले बैंकों, इक्विटी आधारित प्रॉडक्ट पर फोकस करने वाले ब्रोकरेज हाउस और हाई नेट वर्थ वाले व्यक्तियों को कस्टमाइज्ड सर्विसेज और उत्पाद ऑफर करने वाली बुटीक एडवाइजरी फर्म्स में रोजगार के अवसर तलाश सकते हैं।

गाय का गोबर चुराया तो बहन ने भाइयों पर कर दिया केस, जानिए कहां का है मामला?

एक अनोखी चोरी का मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है. एक महिला ने अपने ही भाइयों के खिलाफ गोबर चुराने का आरोप लगाकर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है. पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है. जानिए कहां का है ये मामला?

आपने बड़ी से बड़ी चोरियों के किस्से सुने होंगे, लेकिन पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर हर कोई भौचक्का रह गया है. दरअसल, यहां चोरों ने सूने घर से कोई कीमती सामान या गाड़ी नहीं उड़ाया, बल्कि गाय का गोबर चुराकर चलते बने. जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा है. हमने गोबर चोरी की ही बात की है. उससे भी दिलचस्प बात ये है कि मामले में FIR तक दर्ज कराई गई है. आइए विस्तार से जानते हैं पूरा मामला.

यह वाकई अजीब और दिलचस्प मामला है. गोबर चोरी की घटनाएं आमतौर पर सुनने को नहीं मिलतीं, लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसका महत्व अधिक है, क्योंकि इसका इस्तेमाल ईंधन और खाद सहित अन्य जरूरतों के लिए होता है. पाकिस्तान में हुई इस घटना में सबसे मजेदार पहलू यह है कि खुद चोर की बहन ने केस दर्ज कराया है.

कहां हुई ये अजीब चोरी?

पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट arynews की रिपोर्ट के अनुसार, चोरी की ये अनोखी घटना पंजाब के मुजफ्फरगढ़ जिले के रंगपुर कस्बे में हुई. नगीना बीबी नाम की एक महिला ने 7 लोगों समेत अपने दो भाइयों के खिलाफ हजारों रुपये की गोबर चोरी का आरोप लगाया है. मामले को लेकर नगीना ने रंगपूर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है.

रंगपुर पुलिस के अनुसार, महिला ने घर के सामने अपने मवेशियों का गोबर जमा किया था, जिसे भाइयों ने ट्रैक्टर ट्रॉली की मदद से चुरा लिया. महिला का कहना है कि गोबर से बनी खाद की कीमत 35 हजार रुपये थी. पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और गोबर से लदी ट्रॉली भी जब्त कर ली है. पाकिस्तान में अजब-गजब चोरी की यह कोई पहली घटना नहीं है. पिछले साल अप्रैल में पंजाब प्रांत के लैय्याह शहर में रमजान के दौरान दर्जी की दुकान से कुछ लोगों ने सूट के कपड़े चुरा लिए थे.

दरवाजा खोलते ही सामने आ गया खूंखार बाघ

एक्स हैंडल से वीडियो शेयर कर यूजर ने लोगों से पूछा, ऐसी सिचुएशन में आप होते, तो क्या करते? वीडियो पर 29 मिलियन से अधिक व्यूज आ चुके हैं, जबकि नेटिजन्स हैरान होकर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दर्ज करा रहे हैं.

गेम में उड़ा दिए पापा के पैसे, मम्मी ने की ऐसी धुनाई कि VIDEO हो गया वायरल

सोचिए अगर आपका बच्चा अनजाने में आपकी गाढ़ी कमाई के पैसों को ऑनलाइन गेम खेलने में उड़ा दे, तो आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या होगी? जाहिर है, आप उस पर गुस्सा करेंगे. सोशल मीडिया पर ऐसे ही एक वीडियो ने नेटिजन्स का ध्यान खींचा है, जिसमें घरवाले ऑनलाइन गेम में पैसा उड़ाने वाले बच्चे की पिटाई करते हुए नजर आते हैं. उससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि यह वीडियो घरवालों ने ही बनाकर वायरल किया है.फ्री-फायर जैसे ऑनलाइन गेम्स ने छोटे बच्चों के बीच तेजी से लोकप्रियता हासिल की है. लेकिन इसमें टॉप अप के लिए बच्चों द्वारा अनजाने में पैसे खर्च करना एक नई चुनौती बन गई है, जो माता-पिता के लिए परेशानी का सबब बन गया है. वायरल हो रहे वीडियो में जो बच्चा अपनी मां से पिटता हुआ नजर आ रहा है, उसने भी फ्री फायर गेम खेलने के लिए अपने पापा की कमाई के पैसे उड़ा दिए. वीडियो में आप देखेंगे कि सबसे पहले बच्चे को सार्वजनिक रूप से बेइज्जत किया जाता है, फिर मम्मी उसकी अच्छे से पिटाई करती है. इस दौरान अन्य बच्चों की मौज हो जाती है और वे इस मोमेंट को एन्जॉय करते हैं. वीडियो में एक शख्स को यह कहते हुए सुना जा सकता है, सब जने देख लो. ये एक ऐसा बच्चा है, जिसने घर के सब पैसे कैसे गेम में लगा दिए. इसके बाद कमरे में मौजूद अन्य बड़े बच्चे बताते हैं कि उसने फ्री फायर में पैसे लगाए हैं. जिसके टॉप अप हिस्ट्री से खुलासा हुआ है.हालांकि, वीडियो में बच्चे की पिटाई और सार्वजनिक रूप से उसे शर्मिंदा करने की स्थिति पर नेटिजन्स सवाल कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि अगर बच्चा गलत रास्ते पर है, तो उसे सही शिक्षा देना जरूरी है. लेकिन सार्वजनिक रूप से अपमान करना या उसके

साथ हिंसा कतई सही तरीका नहीं हो सकता.बच्चे के दो वीडियो वायरल हुए हैं, जिसे एक्स पर @gharkekalesh हैंडल से शेयर किया गया है. वीडियो को अब तक 5 लाख से अधिक लोग देख चुके हैं, जबकि कमेंट सेक्शन में प्रतिक्रियाओं की झड़ी लग गई है. एक यूजर ने कमेंट किया, उसने कितने उड़ा दिए. अगर कुछ सौ रुपये की बात है, तो बच्चे के साथ गलत बर्ताव हुआ. दूसरे यूजर ने कहा, गलती मां-बाप की भी है. बच्चों से पीछा छुड़ाने के लिए मोबाइल थमाते हैं, फिर ये दुखड़ा रोते हैं. एक अन्य यूजर ने लिखा, प्लीज बच्चे को ऐसे शर्मिंदा न करें. उसे समझाएं.

अपने शौक को पूरा करने के लिए बेटी ने 680 रुपये में बेच दिए 1.16 करोड़ के महंगे जेवर

चीन से एक हैरान कर देने वाला मामला इन दिनों दुनिया के सामने आया है. जहां एक बेटी ने अपनी मां के करोड़ों के गहनों को मात्र 680 रुपये में बेच दिया. ये कहानी जब लोगों के सामने आई है, तो लोगों ने इनके माता-पिता के पैरेंटिंग पर सवाल उठाने शुरू कर दिए

आज के समय में बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते जा रहे हैं. वैसे-वैसे पैरेंट्स के सामने उनकी परवरिश और पर्सनेलिटी डेवलेपमेंट को लेकर सवाल उठ रहे हैं. बच्चे की जिद और गुस्सा तभी हैंडल किया जा सकता है जब पेरेंट्स पॉजिटिव एप्रोच रखें और इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे के अंदर उसका बचपना बना रहे. हालांकि कुछ लोग इस काम में फेल हो जाते हैं और उन्हें अपने बच्चों की हर जिद्द को मानना होता है. इसी से जुड़ा एक किस्सा इन दिनों लोगों के बीच सामने आया है, जहां एक बच्चे के जिद्द के कारण मां को अपने करोड़ों रुपये के गहने को 680 रुपये में बेचना पड़ा.

ये हैरान करने वाला चीन के शंधाई शहर से सामने आया है. यहां एक मां ने अपनी बच्ची की

डिमांड को पूरा करने के लिए कुछ ऐसा किया, जिससे लोग अचानक से सोच में पड़ गए कि ऐसा आज के समय में भला कौन करता है. दरअसल हुआ यूं कि बच्ची ने अपनी मां के 1 मिलियन युआन (1.16 करोड़ रुपये) के गहने को सिर्फ 60 युआन यानी 680 रुपये में बेच दिए. अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि कोई लड़की ने ऐसा क्यों किया?

बच्ची ने क्यों बेच दिए करोड़ों के गहने?

SCMP के मुताबिक लड़की ने ऐसा क्योंकि वो लिप स्टड और कान की बालियां खरीदना चाहती थी. जिस कारण उसने मां की जेड ब्रेसलेट, नेकलेस, जेमस्टोन पीस को नकली समझकर बेच दिया. अपनी बेटी की गलती को लेकर जब उसने मीडिया से बात की तो उसने कहा कि मुझे पता नहीं था कि वो इन्हें बेचना चाहती थीहां जिस उसने इसे बेचा तो मुझसे पैसों के लिए बात की थी. उसने बताया कि मैंने किसी को लिप स्टड पहने देखा है और वो मुझे अच्छे लगे.

हालांकि इसकी शिकायत होते ही पुलिस तुरंत हरकत में आ गई और उन्होंने जल्द ही जेड रिसाइक्लिंग शॉप का पता कर लिया जहां सारे जेवर बेचे गए थे और उन्होंने वो सारे जेवर वापस रिकवर कर लिए. ये खबर इंटरनेट की दुनिया में आते ही वायरल हो गई. जहां कुछ लोगों ने उसके पैरेंटिंग पर सवाल उठाया, तो वहीं कुछ लोगों ने ये कहा कि इतने महंगे जेवर लड़की की पहुंच तक क्यों रखे गए. इसके अलावा कुछ ने ये कहा कि इस बच्ची को पक्का पॉकेट मनी नहीं मिलती होगी.

दुकान में हुई चोरी, पर लोग चोर की कर रहे तारीफ, ये CCTV फुटेज है वजह

सोशल मीडिया पर एक चोर का वीडियो खूब देखा जा रहा है. दरअसल, वीडियो में लोगों को कुछ ऐसा नजर आया कि वे चोर को बड़ा संस्कारी कहकर संबोधित कर रहे हैं. आप भी देखिए वायरल हुए सीसीटीवी फुटेज में ऐसा क्या है, जिसे देखने के बाद लोग एक चोर की जमकर तारीफ कर रहे हैं.चोरी की नियत से दुकान में घुसे एक चोर ने वहां जो कुछ भी किया, वह सबकुछ सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गया. वहीं, सोशल मीडिया पर जैसे ही घटना का फुटेज वायरल हुआ, लोग बंदे की जमकर तारीफ करने लगे. इतना ही नहीं, नेटिजन्स उसे 'संस्कारी चोर' तक

कहकर बुला रहे हैं. जाहिर है, आप भी सोच में पड़ गए होंगे कि आखिर किसी चोर की इतनी महिमामंडन क्यों? आइए जानते हैं कि दुकान में आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसे देखकर इंटरनेट की पब्लिक चोर की तारीफ में कसीदे पढ़ रही है.

वायरल हो रहे वीडियो में चोर को दुकान के शटर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करते हुए देखा जा सकता है. इसके बाद वो धीरे-धीरे आगे बढ़ता है, लेकिन तभी उसके पैर से एक टेबल को धक्का लग जाता है. टेबल पर मां दुर्गा की तस्वीर रखी हुई थी, जो धक्का लगने की वजह से सीधे चोर के पैरों में गिरती है. वीडियो में आप देखेंगे कि जैसे ही चोर को इसका अहसास हुआ, उसने फौरन तस्वीर उठाकर माथे से लगाया और अपनी गलती की माफी मांग ली. चोरी के बाद जब दुकानदार ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला, तो उसमें चोर की ये हरकत नजर आई. इसके बाद यह क्लिप काटकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया और 'संस्कारी चोर' की चर्चा होने लगी.

दीक्षा सेठ

मरीन आर्कियोलॉजिस्ट बनने की चाहत रखने वालीं दीक्षा सेठ के लिए फिल्मी दुनिया किसी फेयरी लैंड से कम न थी, मगर उनकी किस्मत में फिल्मों की हीरोइन बनना लिखा था

मरीन आर्कियोलॉजिस्ट बनने की चाहत रखने वालीं

दीक्षा सेठ

साउथ से आने वाली तमाम हिरोइनों ने बॉलिवुड में अपना मुकाम बनाया है। आपके लिए आदर्श कौन हैं? मैं किसी हिरोइन को आदर्श मानने के बजाय रोल्स को आइडियलाइज करती हूं। हाल ही में रिलीज हुई 'क्वीन' में रानी का जो किरदार था, उसे देखकर मुझे लगा कि ऐसा कोई कैरक्टर करना चाहिए। मैंने वह फिल्म तीन बार देखी है। कंगना ने 'क्रिश 3' में काया का जो किरदार निभाया था, वह भी कमाल का था, तो मुझे इस तरह के रोल एक्साइट करते हैं।

क्या आप आर्मी बैकग्राउंड से हैं?

मेरे परदादा आर्मी में थे। मेरे पापा आईटीसी में काम करते थे और इसी वजह से हर तीन साल में उनका तबादला हो जाता था और मैं इंडिया की कई जगहों और भाषाओं के बारे में जानती हूं। लगभग पूरा इंडिया घूमने की वजह से मेरा माइंड सेट भी ब्रॉड हुआ। उसके बाद तो मैं बोर्डिंग में चली गई, जिसने मुझे हर तरह से आत्मनिर्भर बनाया।

आपने मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया है। वह अनुभव कैसा था आपका?

मैं जब मुंबई के कॉलेज में पढ़ रही थी तो किसी ने आकर मुझसे पूछा कि क्या मैं मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में पार्टिसिपेट करना चाहूंगी? मुझे लगा कि मेरा मजाक उड़ाया जा रहा है। सच कहूं तो उस दौरान मैं मुंबई में अकेली रहती थी, मेरे पैरेंट्स मुझे खर्चे के 4 हजार देते थे, तो जब मुझे फोटो शूट करके फोटो भेजने के लिए कहा तो मुझे लगा कि मैं पैसे कहां से लाऊंगी। तब मैंने अपने एक अंकल से मदद ली। मैंने खुद ही आईलाइनर और लिपस्टिक लगाकर फोटो शूट किया। कमाल तो देखिए कॉन्टेस्ट के लिए बुलावा भी आ गया। मैं जब वहां पहुंची तो नर्वस थी, क्योंकि वहां सभी मॉडलिंग बैकग्राउंड से और तैयारी के साथ आईं थीं और मुझे तो मेकअप करना तक नहीं आता था। पर मेरी किस्मत का सितारा बुलंद था।

नए चेहरे जिनके डेब्यू से बॉलीवुड की पिक्चर बदल जाएगी

इस लिस्ट में सभी स्टार किड्स नहीं हैं. किसी को Aditya Chopra ट्रेन कर रहे हैं तो किसी के डेब्यू की प्लैनिंग पांच साल से चल रही है.

बीते कुछ समय से हिंदी सिनेमा में एक ट्रेंड देखने को मिल रहा है, कि सिर्फ किसी एक खास तरह की फिल्में नहीं चल रही. ऐसा नहीं है कि लोग सिर्फ बड़े स्टार्स को ही देखना चाहते हैं. अगर आपके कंटेंट में दम है और कुछ अलग करने की कोशिश कर रहे हैं, तो चांस है कि आपका सिक्का चल सकता है. 'स्त्री 2' और 'मुंज्या' जैसी फिल्में इसी बात को पुख्ता करती है. आने वाले कुछ महीनों में कई ऐसी फिल्में आने वाली हैं, जिन्हें नए चेहरे लीड करेंगे. इनमें से कुछ फिल्मी परिवारों से आते हैं, जिन पर खुद के उपनाम की लेगेसी को साबित करने का प्रेशर भी होगा. कौन-से हैं ये एक्टर्स जो जल्द ही डेब्यू करने वाले हैं, अब उनके बारे में बताते हैं.

इब्राहिम अली खानः सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे हैं. परदे के सामने आने से पहले उन्होंने करण जौहर को 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' पर असिस्ट भी किया था. धर्मा के बैनर तले बनने वाली फिल्म 'सरज़मीं' से उनका डेब्यू होने वाला है. इस फिल्म में काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन भी उनके साथ नज़र आएंगे. 'सरज़मीं' को बमन ईरानी के बेटे कायोज़ी ईरानी ने डायरेक्ट किया है. 'सरज़मीं' की कहानी कश्मीर के बैकड्रॉप को लेकर रची गई. बताया जा रहा है कि फिल्म में इब्राहिम ने आर्मी ऑफिसर का रोल किया है.

शनाया कपूरः संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं. मोहनलाल की फिल्म 'वृषभ' से सिनेमा एक्टिंग करियर शुरू करने जा रही हैं. शनाया को पहले धर्मा बैनर के तले बनने वाली फिल्म 'धड़क' से लॉन्च किया जाना था. पोस्टर्स तक रिलीज़ कर दिए गए थे, लेकिन बाद में ये फिल्म बंद हो गई.

वीर पहाड़ियाः महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे के नाती हैं. अक्षय कुमार की अगली फिल्म 'स्काई फोर्स' होने वाली है. फिल्म की कहानी साल 1965 की इंडिया-पाकिस्तान एयर वॉर पर आधारित है. अक्षय की इस फिल्म से वीर पहाड़िया डेब्यू करने जा रहे हैं. एक्टिंग करने से पहले वीर ने 'भेड़िया' में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर भी काम किया था. यहां तक कि वो फिल्म में वरुण धवन के बॉडी डबल भी थे.

आर्यन खानः आर्यन की बहन सुहाना ने ज़ोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज़' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था. हालांकि आर्यन ने कैमरा के दूसरी तरफ रहने का ऑप्शन चुना. वो अपनी पहली सीरीज़ 'स्टारडम' पर काम कर रहे हैं. आर्यन सीरीज़ के क्रिएटर और डायरेक्टर हैं. बताया जा रहा है कि ये एक लड़के की कहानी है जो बाहर से आया और फिल्मी दुनिया के शिखर पर जा पहुंचा. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने दावा किया कि ये शाहरुख की कहानी से प्रेरित है. उसके अलावा दिसम्बर 2024 में 'मुफासाः द लायन किंग' भी रिलीज़ हो रही है. आर्यन ने अपने पिता शाहरुख और भाई अबराम के साथ उस फिल्म के लिए डब किया है.

अहान पांडेः अनन्या पांडे के कज़िन हैं. करीब पांच साल पहले यशराज फिल्म्स टैलेंट ने अहान को साइन किया था. आदित्य चोपड़ा ने खुद उनके लिए एक्टिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम तैयार किया. आदित्य का मानना है कि अहान बहुत प्रतिभाशाली हैं. बीते फरवरी में खबर आई कि YRF की फिल्म से अहान को लॉन्च किया जाएगा. इसे 'एक विलन' वाले मोहित सूरी डायरेक्ट करेंगे. डेडलाइन में छपी रिपोर्ट के मुताबिक ये एक यंग लव स्टोरी होने वाली है. 2024 के अंत में ये फिल्म फ्लोर पर चली जाएगी.

ट्रेडिशनल वेयर के लिए इन लेटेस्ट और नई स्टाईल को कर सकती हैं ट्राय, पाएं सबसे हटकर लुक

अच्छे ट्रेडिशनल लुक के लिए New Sarees For Women को पहन सकती हैं। ये साड़ियां सॉफ्ट और लाइट फैब्रिक से बनी हुई हैं। इन्हें पहनकर आपको ज्यादा फैशनेबल स्टाइल भी मिल सकता है। इन दिनों New Style Sarees काफी ट्रेंड में चल रही हैं। अगर आपको साड़ी पहनना पसंद है, तो आप इस लेटेस्ट कलेक्शन को चेक कर सकती हैं। ये साड़ियां शानदार प्रिंट और अलग-अगल डिजाइन में मिल रही हैं। इन साड़ियों को आप किसी भी खास ओकेजन या फंक्शन में पहनकर ट्रेडिशनल स्टाइल पा सकती हैं। इस कलेक्शन में कई बढ़िया साड़ियां दी जा रही हैं।ये सभी साड़ियां काफी सॉफ्ट और स्मूद फैब्रिक से बनी हुई हैं। इन Saree On Amazon को पहनकर आपको अच्छा कंफर्ट और रिलैक्स फील भी मिल सकता है। इस लिस्ट में रेडी टू वियर साड़ी भी मिल रही है।

बॉर्डर पल्लू डिटेलिंग पहनने में काफी कंफर्टेबल पार्टी वेयर के लिए भी सूटेबल

इस साड़ी पर सीक्विन्स एम्ब्रॉइडरी वर्क दिया गया है। यह बॉर्डर डिजाइन वाली बढ़िया साड़ी है। इसमें कलर की भी कई रेंज मिल रही है। जिसे आप अपनी पसंद के हिसाब से ले सकती हैं।यह सिल्क जॉर्जेट फैब्रिक से बनी हुई काफी शानदार Fashion Saree For Women है। इस साड़ी में ब्लू और ग्रीन कलर की रेंज दी जा रही है। यह साड़ी रंगोली सिल्क फैब्रिक से बनी हुई है। इस साड़ी ओर मिल रही एम्ब्रॉइडरी डिजाइनिंग काफी शानदार है।

अनस्टिच्ड ब्लाउज पीस के साथ,ड्राय क्लीन करें साफ,शानदार डिजाइन और पैटर्न

यह साड़ी वेडिंग फंक्शन के साथ ही ट्रेडिशनल वेयर के लिए भी सूटेबल हो सकती है। इस साड़ी को क्लीन करना भी आसान है।

यह फैशनेबल और काफी बढ़िया वूमेंस साड़ी है। यह साड़ी लेटेस्ट स्टाइल और फैशन वाली है। यह ऑर्गेंजा साड़ी इन दिनों काफी पसंद भी की जा रही है। अच्छे लुक के लिए आप इस साड़ी को ट्राय कर सकती हैं।

टिन जॉर्जेट फैब्रिक, प्रिंट डिजाइन के साथ,रेगुलर फिट टाइप भी है

यह साड़ी लाइट पिंक कलर में मिल रह है। इस पर आकर्षक प्रिंट डिजाइन भी दिया गया है। जो आपके लुक को मॉडर्न और अट्रैक्टिव बना सकती है। खू सॉफ्ट फिनिश वाली साड़ी

स्टाइलिश डिजाइन के साथ,वेडिंग के लिए भी है बढ़िया

इस साड़ी को आप कैजुअल ओकेजन के लिए भी ले सकती हैं। इस साड़ी की लेंथ 5.5 इंच है। यह साड़ी पहनने में भी काफी कंफर्टेबल और फैंसी मानी जाती है। बसूरत ट्रेडिशनल लुक के लिए यह Traditional Saree काफी बेस्ट है। इस साड़ी को कांजीवरम सॉफ्ट सिल्क फैब्रिक से बनाया गया है। यह साड़ी आपको मॉडर्न और आकर्षक पर्सनालिटी दे सकती है। यह वूमेंस साड़ी फ्री साइज वाली है। इस साड़ी का शिफॉन जॉर्जेट फैब्रिक काफी बढ़िया है। यह फ्लोरल प्रिंटेड पैटर्न के साथ आ रही है। इसका कलर भी काफी आकर्षक है। यह रेडी टू वियर साड़ी है।

चेहरे पर चमक पाने के 15 उपाय

हम सब चाहते हैं कि हमारी स्किन ग्लो करे, और सच मानिये यह कोई मुश्किल काम भी नहीं है। इसके लिए ज़रूरी है कि हम कुछ बातों का खास ध्यान रखें। ग्लोइंग स्किन पाने के लिए कुछ अलग से करने की ज़रूरत नहीं है, बस अपने रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ ब्यूटी टिप्स को अपनाना है।

यूं तो बाज़ार में कई तरह के ट्रीटमेंट मौजूद हैं, लेकिन वे सबकी स्किन को सूट नहीं करते। इसलिए चमकदार त्वचा पाने के लिए हम घरेलू नुस्खे आजमा सकते हैं। आइए जानते हैं कि ग्लोइंग फ़ेस के लिए हम क्या करें ताकि हमारी स्किन देखकर सब कह उठें "वाह चेहरे की चमक तो देखो"!

चेहरा चमके और खूबसूरती निखरे, यह ख्वाहिश आज हर लड़की की है, फिर चाहे उसकी उम्र कुछ भी हो। अपने चेहरे पर चमक लाने के उपाय के लिए घर और किचन में कई ऐसी चीजें मौजूद हैं, जिनकी मदद से हम अपने चेहरे को चमका सकते हैं। कुछ अच्छी आदतें भी ग्लोइंग स्किन पाने में आपकी सहायक बन सकती हैं।

1. अच्छी नींद लें – Get good sleep

दिन भर काम करना, रात को देर तक जागना और 8 घंटे की पूरी नींद न लेना आपकी स्किन के लिए अच्छा नहीं है। यह आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर डालता है। भरपूर नींद न लेने से आपकी आंखें सुबह सूजी लगेंगी। यह दौर कई दिनों तक चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब आपकी आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स आ जाएंगे। आप थका हुआ महसूस करेंगे और आपकी स्किन डल दिखेगी।

जब आप सो रहे होते हैं तो उसी समय आपके स्किन सेल्स बूस्ट [1] हो रहे होते हैं। जब आप भरपूर नींद नहीं लेंगे तो आपकी स्किन द्वारा रात में इस बूस्टिंग में कमी आएगी और चेहरा थका एवं अस्वस्थ लगेगा।

2. पानी पियें – Drink plenty of water

भरपूर पानी हमारी स्किन को ग्लो करने में मदद करता है। हमारे शरीर के अंदर की गंदगी को बाहर निकालता है और नए बॉडी सेल्स बनाता है। आप चाहें तो अपने पानी में हेल्दी चीजें मिलाकर भी पी सकती हैं, इस तरह से पानी के फ़ायदे भी बढ़ जाएंगे।

सुबह- सुबह आप उबलते पानी में एक चुटकी दालचीनी मिलाकर पी सकती हैं। इससे वजन कम होने में मदद तो मिलेगी ही, ग्लोइंग स्किन भी आपको मिलेगी। इसके अलावा, आप चाहें तो पानी में स्ट्रॉबेरी जूस भी मिलाकर पी सकती हैं। इसके नियमित सेवन से चेहरे के दाग- धब्बे गायब हो जाते हैं और चेहरे पर ग्लो आता है।

3. व्यायाम करें – व्यायाम का तात्पर्य

सिर्फ़ वजन कम करना नहीं, बल्कि बॉडी को शेप में लाना और चेहरे पर चमक लाना है। व्यायाम से चेहरे पर चमक बढ़ती है और मन भी खुश रहता है। व्यायाम करने के दौरान शरीर से पसीना निकलता है और स्किन की गंदगी बाहर निकल जाती है। यही नहीं, मूड भी अच्छा होता है, शरीर थकता है और नींद भी गहरी आती है जो चेहरे की त्वचा के लिए बहुत ज़रूरी है। चेहरा खूबसूरत दिखने लगता है।

सूर्य नमस्कार [2] , वॉकिंग, साइकलिंग, जॉगिंग, स्किपिंग, डांसिंग जैसे एक्सरसाइज़, स्किन को ग्लो कराने के लिए बेहतरीन हैं। कुछ नहीं तो कम से कम रोजाना ब्रिस्क वॉक (तेज कदमों से चलना) ज़रूर करें। साथ ही अगर आप फेशियल एक्सरसाइज़ को रोजाना सिर्फ़ ५ मिनट के लिए करेंगे तो, एक महीने बाद आप खुद ही अपने चेहरे को बदला हुआ पाएंगे। यह घरेलू नुस्खा ऐसा है जिसके लिए आपको किसी भी चीज़ की ज़रूरत नहीं। आपकी झुर्रियां भी दूर होंगी और चेहरे पर निखार आ जाएगा।

4. योग का अभ्यास –

आपकी स्किन ग्लो करे, इसके लिए योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग आपकी त्वचा की मांसपेशियों में कसाव लाकर उसे निखारता है। शारीरिक व्यायाम के साथ ही मानसिक तौर पर आपको शांत करता है। जब तक आप अंदर से हेल्दी नहीं रहेंगे, तब तक वह संतुष्टि और शांति बाहर भी नहीं दिखेगी।

चेहरे पर चमक लाने वाले योग में मुख्य हैं - चक्रासन, सर्वांगासन, हलासान, शीर्षासन और प्राणायाम। इन आसनों से शरीर में ऑक्सीजन और खून का बहाव बढ़ जाता है, जो चेहरे पर चमक लाते हैं। ये योग चेहरे पर आने वाली झुर्रियों को कम करते हैं, त्वचा का ढीलापन कम करते हैं और ग्लोइंग स्किन पाने के लिए ज़रूरी हैं।

5. साबुन प्रयोग न करें

बिना साबुन का इस्तेमाल किए, आपको अपनी त्वचा साफ़ नहीं लगती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि साबुन का ज्यादा इस्तेमाल [3] आपके चेहरे की त्वचा के लिए सही नहीं है ? साबुन में कुछ ऐसे केमिकल्स होते हैं जो स्किन को बेजान बना देते हैं। यही नहीं, आपकी स्किन को ड्राई बनाकर स्किन से प्राकृतिक तेल और सीबम को निकालकर मॉइश्चर छीन लेते हैं। स्किन का पीएच स्तर असंतुलित हो जाता है और त्वचा को नुकसान होने लगता है।

आप चाहें तो साबुन की जगह घरेलू चीज़ों का इस्तेमाल करके अपने चेहरे की त्वचा को स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। बाज़ार में कुछ प्राकृतिक फ़ेसवॉश भी उपलब्ध हैं, जो आपकी स्किन को ड्राई और बेजान नहीं करते हैं। आप जो भी फेस प्रोडक्ट इस्तेमाल करें, ध्यान रक्खें की वह आपकी स्किन टाइप के अनुकूल हो।

6. तनाव में न रहें –

तनाव एक ऐसी बीमारी है, जो ऊपर से दिखती नहीं देती ,लेकिन अंदर ही अंदर आपको खाए जाती है। आपको मानसिक स्तर पर परेशान करने के साथ ही आपके स्वास्थ्य पर भी हमला [4] करती है। तनाव से हमारा शरीर कोर्टिसोल नामक एक हार्मोन छोड़ता है, जिससे त्वचा ज्यादा मात्रा में सीबम छोड़ती है, जिससे पोर्स बंद हो जाते हैं। चेहरे पर मुंहासे होने का एक कारण आपका लगातार तनाव में रहना भी है।

तनाव की स्थिति में अपने शरीर को शांत करने के लिए आपको ठंडे पानी से नहाना चाहिए। आप चाहें तो नहाते समय किसी फ्रेगरेंस वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें, यह आपके तनाव भरे मस्तिष्क को शांति पहुंचाएगा। शरीर के साथ चेहरे की मालिश भी आपके तनाव को काफ़ी हद तक दूर करने में कारगर है। अपने चेहरे की त्वचा के नसों को रिलैक्स महसूस कराने के लिए आप चेहरे पर बर्फ़ रगड़ सकती हैं।

7. चेहरा साफ़ करके सोयें –

चेहरे पर लगा मेकअप, बाहर का प्रदूषण, धूल- कण आपके चेहरे पर रोमछिद्रों के जरिए अंदर तक पहुंच जाता है। क्या आपने कभी सोचा है कि यह गंदगी आपकी स्किन को कितना नुकसान पहुंचा सकती है? आपकी स्किन रात में ही मरम्मत अवस्था में जाती है। इसलिए, यह ज़रूरी है कि आप रात को सोते समय अपनी स्किन को अच्छी तरह से साफ़ करके सोयें।

सबसे पहले तो घर आते ही चेहरे से मेकअप हटा लें। इसके लिए आप क्लींजिंग मिल्क या मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही, रात को सोते समय कोई अच्छी नाइट क्रीम के इस्तेमाल से आपको चेहरे पर ग्लो मिल जायेगी।

8. अपने मन को सुरक्षित रखें

निराशा और क्रोध कुछ ऐसे कारण हैं, जिससे आपके चेहरे की चमक खो जाती है। इसलिए यह ज़रूरी है कि चाहे जैसी भी परिस्थिति आए, आप अपने मन को शांत रखने की कोशिश करें। अपने मन को ऐसी अवस्था में ले जाएं कि आपको आसानी से कोई दुःख और परेशानी न हिला सके। इस स्थिति को पाने के लिए आप ध्यान कर सकते हैं। यह काफ़ी हद तक आपके मन को शांत रखने में मदद करता है और आपकी स्किन कभी भी ग्लो करना नहीं बंद करेगी।

9. प्राकृतिक भोजनशैली अपनाएं

हम सब जानते हैं कि हम जैसा खाएंगे, वैसा ही हमारा शरीर दिखेगा। इसलिए हमें अपनी डाइट में ताजे फल और हरी सब्जियों को शामिल करना चाहिए। यह हमारी स्किन पर जादुई तरीके से काम करता है और इनमें निहित प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स आदि हमें लाभ पहुंचाते हैं। जो मौसम चल रहा हो, उस मौसम में मिलने वाली सब्जियां और फल तो ज़रूर खानी चाहिए। जैसे सर्दियों के मौसम में संतरे जैसे फल और पालक, मेथी जैसी हरी सब्जियां।

रात के खाने में क्या बनाऊं? तो हम लेकर आए हैं डिनर के लिए 7 टेस्टी और हेल्दी रेसिपीज

रात के खाने में क्या बनाया जाए? ये सवाल सबसे ज्यादा परेशान करने वाला होता है. शाम होते ही किचन में अंदर जाने से पहले यही सवाल होता है, कि आज क्या बनाया जाए. हर रोज एक जैसा खाना खाकर घरवाले बोर हो जाते हैं. इसलिए कुकिंग में सबकी पसंद का ख्याल रखना भी किसी टास्क से कम नहीं हैं. लेकिन सभी की पसंद की डिश बनाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, खासतौर पर तब, जब समय की कमी हो. तो परेशानी किस बात की आपकी सबसे बड़ी प्रॉब्लम का सॉल्युशन हम लेकर आए हैं. आज हम आपको ऐसी 7 डिनर वेजिटेरियन रेसिपी बता रहे हैं जो आसानी से कम समय में बन कर तैयार हो जाएंगी और सभी पसंद भी करेंगे.

1. भिंडी मसाला रेसिपीः

ये झटपट तैयार होने वाली भिंडी की रेसिपी है. मसालेदार भिंडी बनाने में जितनी आसान है, खाने में उतनी ही यमी. इसे बनाने के लिए सबसे पहले भिंडी को लंबे आकार में काट लें. अब इस पर धनिया, हल्दी, अमचूर पाउडर, गरम मसाला, नमक और लाल मिर्च डाल दें. भिंडी को मसालों में अच्छी तरह मिलाएं. अब एक पैन में तेल गरम कर उसमें जीरा, हींग,लहसुन और प्याज डाल कर भूनें. अब पैन में मसाले में लिपटी भिंडी डालकर भूनें. इसे रोटी और पराठे के साथ पेयर कर सकते हैं.

2. सतरंगी बिरयानीः

बिरयानी एक ऐसी डिश है जिसका नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है. फिर अगर वो बिरयानी सतरंगी हो तो कहने ही क्या. इस खास बिरयानी को धीमी आंच में पकाया जाता है. सभी हरी सब्जियों को टुकड़ों में काट लें साथ ही चावल को 80 परसेंट पका लें. अब पैन या किसी मिट्टी के बर्तन में सब्जियां डालें, हल्दी, दही, काजू का पेस्ट, मिर्च पाउडर, पुदीने की पत्तियां, केसर का पानी, और प्याज़ मिलाकर अच्छे से भूनें, अब पके हुए चावल को घी और कारमेलाइज्ड प्याज़ और गरम मसाला पाउडर डालें. 15 मिनट इसे ओवन में रखकर पकाएं. कुछ ही समय में सतरंगी बिरयानी को तैयार किया जा सकता है.

3. लौकी के कोफ्तेः

इसे बनाने के लिए लौकी को कद्दूकस करें. ऐसा करने के बाद लौकी का एक्स्ट्रा पानी निकाल दें. इसके बाद लौकी में, बेसन और हरी मिर्च मिलाकर उसे गूथ ले और कोफ्ते बना लें. अब पैन में तेल गरम कर कोफ्ते को सुनहरा होने तक तलकर निकाल लें. अब इसी तेल में जीरा डालें फिर प्याज़ का पेस्ट डालकर उसे गुलाबी होने तक भून लें. हरी मिर्च धनिया पाउडर डालने के बाद जब प्याज़ तेल छोड़ने लगे तो इसमें टमाटर की प्यूरी डाल कर भूनें. अब इसमें पानी डालकर तेज आंच में उबाल आने दें. आखिर में बनाए हुए कोफ्ते डालकर ऊपर से हरी धनिया डालकर ढक दें. इसे गरमा गरम रोटी के साथ सर्व कर सकते हैं.

4. खट्टी मीठी दालः

इसके लिए दाल में दो कप पानी, हल्दी,अदरक मिर्ची का पेस्ट और मूंगफली प्रेशर कुकर में डालें. 7 से 8 मिनट से पकाने के बाद कुकर खोलें, गुड़, कोकम पाउडर और नमक डालें और लगभग 5 मिनट तक उबालें. दाल में जीरा, कड़ी पत्ता, लाल मिर्च और हींग का तड़का लगाएं, और इसे गरम-गरम चावल के साथ पेयर कर सकते हैं.

5. लेमन राइसः

इसके लिए सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई डालकर भूनें. अब इसमें कड़ी पत्ता, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और मूंगफली डाल दें. आंच से उतारने से पहले इस में नींबू का रस डालें और फिर उबले हुए चावल को इसमें अच्छी तरह मिला दें. लेमन राइस बनकर तैयार हैं.

6. पनीर दो प्याजाः

इसके लिए पहले पनीर को चौकोर टुकड़ों में काटें. दो प्याज भी बड़े टुकड़ों में काट लें. आब नॉन स्टिक पैन मैं तेल गरम कर कटे हुए प्याज़ को सुनहरा होने तक फ्राई कर प्लेट में निकाल लें. अब उसी तेल में जीरा ,कड़ी पत्ता, अदरक लहसुन का पेस्ट डालें और प्याज डालकर भूनें और फिर इसमें टमाटर की प्यूरी डाल दें. हल्दी, धनिया, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर और जरा सी शक्कर डाल कर मीडियम आंच में पकाएं. जब ग्रेवी से तेल अलग होने लगे तो उसमें कसूरी मेथी और एक कप पानी डालकर पकाएं और फिर पनीर और मलाई डालकर मिलाएं.

7. बैंगन का भरताः

सबसे पहले बैंगन में चीरे लगाएं और उसमें लहसुन और मिर्च भर दें. बैंगन की ऊपरी परत पर तेल लगाकर उसे गैस पर पलट पलट कर भूनें. बैंगन के ठंडा हो जाने के बाद उसकी ऊपरी परत को छील लें. अब बैंगन को मसल लें, एक पैन में तेल डालकर जीरा, लाल मिर्च, अदरक लहसुन और प्याज डालकर भूनें. लहसुन और लाल मिर्च ,धनिया पाउडर और टमाटर डालकर पकने दें. अब इसमें मसला हुआ बैंगन और नमक डालें. गरम मसाला और धनिया पाउडर डालकर अच्छे से मिलाएं और आपका बैंगन का भरता बनकर तैयार है.

सलाह सहित यह सामग्री केवल सामान्य जानकारी प्रदान करती है. यह किसी भी तरह से योग्य चिकित्सा राय का विकल्प नहीं है. अधिक जानकारी के लिए हमेशा किसी विशेषज्ञ या अपने चिकित्सक से परामर्श करें. एनडीटीवी इस जानकारी के लिए जिम्मेदारी का दावा नहीं करता है.

छोटे शहरों, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 11 सफल बिज़नेस आइडिया

1. पोल्ट्री फार्म

पोल्ट्री फार्म व्यवसाय खोलने के लिए न तो ज्यादा पैसे की जरूरत होती है और न ही ज्यादा ज़मीन की। एकमात्र कार्य कुछ हफ्तों के लिए छोटे मुर्गों का पालन है, जिसके बाद उन्हें बाज़ार में या थोक विक्रेताओं को बेचा जा सकता है। पोल्ट्री फार्मों को प्रारंभिक निवेश की आवश्यकता होती है; हालाँकि, इसमें रिटर्न तत्काल नहीं हैं। इसलिए, इस व्यवसाय को अनुबंध के आधार पर शुरू करने की सिफारिश की गई है। पोल्ट्री फार्म में मांस के साथ ही साथ अंडे भी बेचे जा सकते हैं।

2. कपड़ों की दुकान

अधिकांश गाँवों को बड़े शहरों और शहरों से एकांत में रखा जाता है, इसलिए यदि किसी गाँव में एक कपड़े की दुकान खुलती है जो लोगों को नवीनतम वस्त्र परिधान और गुणवत्ता वाले कपड़े प्रदान करती है, तो यह एक सफल व्यवसाय बन जाएगी। व्यापार मालिकों को ऐसे कपड़ें आपूर्तिकर्ताओं को खोजने की आवश्यकता होगी जो कमीशन के आधार पर विभिन्न प्रकार के कपड़े ला सकते हैं। चूंकि ग्रामीणों को अक्सर शहर तक जाने में बहुत कठिनाई होती है।

3. डायग्नोस्टिक सेंटर

वर्तमान में जिस तरह से नई-नई बीमारियाँ सामने आ रही हैं, शहरों से लेकर गाँवों तक में रहने वालों को अच्छी मेडिकल सुविधा की बहुत आवश्यकता है। हालाँकि, गाँवों में डिस्पेंसरियों की मदद से सरकार द्वारा बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं, लेकिन फिर भी हमेशा एक विशेष मेडिकल केंद्र की आवश्यकता होती है जो स्थानीय स्तर पर कम शुल्क पर उपचार प्रदान कर सके। डायग्नोस्टिक सेंटर खोलने के लिए ज्यादा निवेश की जरूरत नहीं होती है। प्रारंभिक निवेश में केंद्र का किराया, दवा की लागत और कर्मचारियों का वेतन शामिल है।

4. पेयजल की डोर-टू-डोर आपूर्ति

कस्बों या गांवों में रहने वाले लोगों के बावजूद, पीने का साफ पानी सभी के लिए उपलब्ध होना चाहिए। बुनियादी सुविधाओं या जल उपचार संयंत्रों की कमी के कारण कई गांव इससे रहित हैं। नलकूपों या हैंडपंपों के ताजे पानी को बड़े डिब्बे में संग्रहित किया जा सकता है और आगे वाहनों में ग्रामीणों को उनके घर तक पहुँचाया जा सकता है। यह सुविधा प्रति जार चार्ज की जाएगी और यह एक सफल व्यवसाय विचार हो सकता है।

5. इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल और रिपेयरिंग की दुकान

वर्तमान में गाँवों के निवासी टेक्नोलॉजी और संचार का अधिक से अधिक उपयोग कर रहे हैं। इसलिए कि एक छोटे से गांव में भी इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर खोलना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। लगभग हर ग्रामीण अपने परिवारों के साथ संवाद करना चाहता है, इसलिए मोबाइल अब एक आवश्यकता है। इसलिए, एक अच्छे इलाके में ज्यादा निवेश किए बिना केवल बिक्री योग्य मोबाइल को स्टॉक में रखा जा सकता है।

6. उर्वरक और बीज भंडार

गांवों में किसान होते हैं और किसान कृषि पर निर्भर होते हैं। अपनी आजीविका कमाने के लिए ग्रामीणों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी फसल अच्छी तरह से सिंचित हो और आगे अच्छे दामों पर बिके। ग्रामीणों के लिए चीज़ों को आसान बनाने के लिए, उर्वरकों और बीजों का स्टोर खोलने का व्यवसाय बहुत अधिक रुचि वाला हो सकता है। इस व्यवसाय में बहुत अधिक निवेश की आवश्यकता नहीं

होती है, क्योंकि किसी स्टोर के साथ खाद और बीज खरीदने से कोई भी इस व्यवसाय को चला सकता है।

7. फल और सब्जियां वेंडिंग दुकान

यह किसी के लिए और ज्यादातर एक ही गांव में रहने वाले मूल ग्रामीणों के लिए सबसे सरल और सबसे आम व्यवसाय है। इच्छुक लोग सीधे थोक बाज़ार में जा सकते हैं और फलों और सब्जियों को कम दरों पर खरीद सकते हैं और इसे अपने गाँव में तुलनात्मक रूप से अधिक कीमत पर बेचकर मुनाफा कमा सकते हैं।

8. किराना स्टोर

यह व्यवसायिक विचार समाज के लगभग हर वर्ग द्वारा व्यापक रूप से खोजा जाता है। हर गाँव के हर घर में किराना की आवश्यकता होती है। इसलिए, 'किराना' स्टोर खोलना भारत के सबसे सरल व्यवसायों में से एक है। उन उत्पादों के आपूर्तिकर्ताओं के लिए पहुंचें जिन्हें बेचा जाना आवश्यक है, किराए की एक दुकान प्राप्त करें और तुरंत इस व्यवसाय को शुरू करें।

9. पशुपालन

पशुपालन का अर्थ है बकरी, मुर्गी, गायों को पालना जिसमें व्यवसाय की लागत में पशु खरीद और उन्हें खिलाने के रूप में निवेश शामिल है। इस प्रकार के ग्रामीण व्यवसाय ने व्यवसाय मालिकों को लाभ प्रदान किया है।

10. छोटे पैमाने पर निर्माण व्यवसाय

छोटे पैमाने पर निर्माण व्यवसाय में विभिन्न प्रकार के उत्पाद शामिल हैं, जिनमें डिस्पोज़ेबल पेपर प्लेट, कप, पेपर बैग और बहुत कुछ शामिल हैं। आज के बाज़ार में डिस्पोज़ेबल उत्पाद उच्च मांग में हैं और इस व्यवसाय को खोलने के लिए आवश्यक निवेश ज्यादा नहीं है। ज्यादातर पैसा कच्चे माल और संबंधित संसाधनों में लगाया जाता है।

11. दूध केंद्र

दूध केंद्र शुरू करने के लिए, किसी व्यक्ति को व्यवसाय करने के लिए डेयरी फार्म से संपर्क करना होगा। दूध केंद्र मूल रूप से ग्रामीणों से दूध एकत्र करते हैं और इसे डेयरी फार्मों को बेचते हैं। दूध केंद्रों को एक व्यवसाय शुरू करने के लिए कुछ उपकरणों की आवश्यकता होती है जिसमें वज़न मशीन, बिलिंग सॉफ्टवेयर आदि शामिल हैं। दूध की वसा और अन्य संबंधित उत्पादों की मात्रा को मापने के लिए वज़न मशीनों की आवश्यकता होती है। चूंकि गायों और भैंसों का पालन-पोषण गांवों में आम है, इसलिए गांवों में दूध केंद्र अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसाय काफी संभावनाएं हैं, क्योंकि लोगों को व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक विकल्पों और संभावनाओं के बारे में अधिक जागरूक होना चाहिए। किसी भी प्रकार का व्यवसाय शुरू करने के लिए, इच्छुक आवेदक आज के वित्तीय बाज़ार में आकर्षक ब्याज दरों पर उपलब्ध विभिन्न लोन विकल्पों से तुलना और चयन करके बिज़नेस लोन, माइक्रो लोन , स्मॉल बिज़नेस लोव, टर्म लोन या वर्किंग कैपिटल लोन ले सकते हैं।

हमारा देश हमारा अभिमान की खबर पर लगी मोहर

जनवरी के अंक में ही बता दिया था दिल्ली के दिल में क्या है

दिल्ली में 8 फरवरी को ढह जाएगा केजरीवाल का राजनीतिक गढ़

एवं आप पार्टी मै दिखेगी भागम भाग। साथ ही 27 साल बाद दिल्ली मै बनेगा बी जे पी का मुख्यमंत्री

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

हरियाणा, महाराष्ट्र के बाद दिल्ली में इतिहास रचेगी भारतीय जनता पार्टी यह बात हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका एवं प्रवक्ता टाइम्स के संयुक्त टीम के साथ साथ ज़मीनी कार्य करते हुए अपनी पहचान बनाने वाली देश की एक एन जी ओ संस्था पंडित लक्ष्मीनारायण शिक्षा प्रसार एवं सामाजिक कल्याण समिति के साथ मिलकर जो सर्वे किया गया है। उसके अनुसार भारतीय जनता पार्टी दिल्ली के आम चुनाव में अपना स्पष्ट बहुमत प्राप्त करेगी और इतिहास रचेगी। सर्वे मै एक और बात भी सामने आई कि केजरी वाल और आम आदमी पार्टी का बड़बोलापन,ईमानदारी पर ड्रामेबाजी का सहारा लेकर हिंदू विरोधी सोच इनके लिए घातक सिद्ध होगा। वहीं दूसरी ओर एक रहोगे तो नेक रहोगे और सैफ रहोगे, बटोगे तो कटोगे भी। हिंदुत्व एवं सनातन धर्म की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी । बही दूसरी ओर केजरी वाल का बड़बोला पन और अन्य गठबंधनो मै शामिल बो पार्टियां जिनके नेता हमेशा हिंदू धर्म ओर संनातन धर्म ओर देवताओं के प्रति दुर्भावना वाले और अपमानित करने वाले नेताओं का भी दुष्प्रभाव इन चुनाव के परिणामों पर पड़ेगा। एक बात और दिल्ली चुनाव के परिणाम के बाद कुछ महीनों मै पंजाब सरकार पर भी प्रभाव पड़ेगा। यही नहीं अगर सर्वे मै एक बात और उभर के सामने आई कि आप पार्टी के दिग्गज ईमानदार बनने वाले नेता जो भ्रष्टाचार के आरोप मै जेल होकर आए। जो नेता जमानत पर है और वर्तमान में अपना चुनाव लड़ रहे है, वह चुनाव हार जायेंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि केजरीवाल चुनाव हार जाएंगे। बही यदि कांग्रेस अपना खाता खोल पाए तो उसके लिए यही बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। सर्वे के अनुसार बी जे पी को लगभग 42 से 52 के बीच सीट प्राप्त करेगी। वहीं आम आदमी पार्टी केवल 20 से 30 सीट तक ही सिमित रह सकती है।और सबसे अचंभित करने वाली खबर कांग्रेस के लिए हो सकती है। की कांग्रेस पार्टी अपनी जमानत बचा पाने में भी असमर्थ रहे। यह परिणाम 8 फरवरी को आयेंगे । वरिष्ठ संरक्षक डाक्टर श्रीमन नारायण मिश्रा सहयोगी ओर मार्दशक श्री पंकज दीक्षित वरिष्ठ सलाहकार, सर्वे प्रमुख मनोज चतुर्वेदी संपादक, सर्वे टीम सदस्य अतेंद्र रावत, संपादक सुरेन्द्र चौहान प्रवक्ता टाइम्स सहयोगी सर्वे टीम,अर्चना बाजपेई, हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका

हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

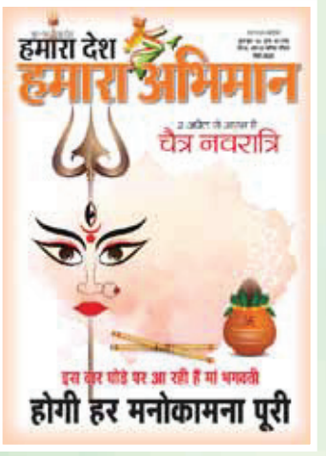

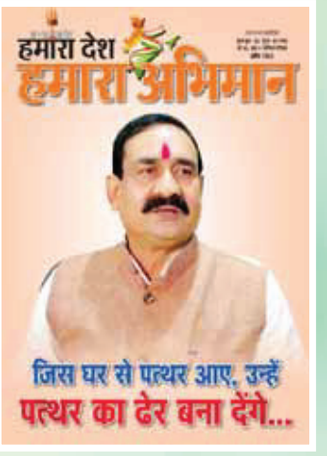

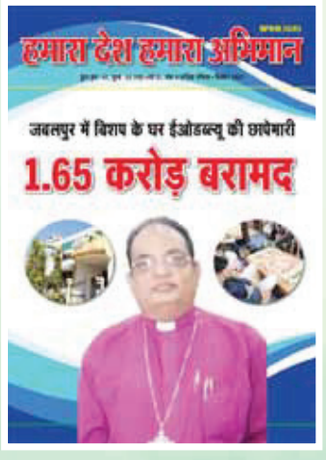

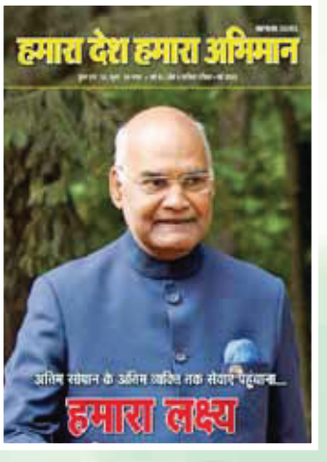

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें..

मनोज चतुर्वेदी : 98266 36922, 88392 59136